● वर्ष : 17 ● अंक : 120 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दिल्ली से प्रकाशित मंगलवार 17 फरवरी 2026

पीएम मोदी ने एआई समिट को बताया गर्व का क्षण

एजेंसी। नई दिल्ली

देश की राजधानी आज सोमवार से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सबसे बड़े वैश्विक आयोजनों में से एक 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' की मेजबानी कर रही है। 16 से 20 फरवरी तक चलने वाला यह पांच दिवसीय आयोजन भारत मंडपम में हो रहा है, जहां दुनिया भर की 300 से अधिक कंपनियां अपने अत्याधुनिक एआई समाधान और भविष्य के गैजेट्स प्रदर्शित करेंगी। पीएम मोदी ने इसे भारत के लिए ग्रव का क्षण बताया है। एआई समिट यानी 'इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026' के दौरान आम जन प्रत्यक्ष रूप से देख सकेंगे कि एआई तकनीक वास्तविक जीवन में कैसे काम करती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज शाम 5 बजे एक्सपो का उद्घाटन करेंगे। इससे पहले उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट करते हुए इसे भारत के लिए गर्व का क्षण बताया। उन्होंने कहा कि दुनिया भर से विशेषज्ञों और कंपनियों का भारत आना देश के युवाओं की प्रतिभा और तकनीकी क्षमता को दर्शाता है।

पांच दिवसीय एक्सपो का खास एजेंडा : प्रथम दिवस 16 फरवरी को विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं के बीच राउंडटेबल चर्चाएं होंगी। शाम 5 बजे प्रधानमंत्री मोदी एक्सपो का उद्घाटन करेंगे, जहां एआई आधारित रोबोटिक्स, स्मार्ट हेल्थ डिवाइस, एग्री-ड्रोन और एडटेक प्लेटफॉर्म प्रदर्शित किए जाएंगे। 17 फरवरी यानी दूसरे दिन फोकस आम नागरिकों से जुड़े क्षेत्रों पर रहेगा। सरकार खेती, स्वास्थ्य, शिक्षा, ऊर्जा, जेंडर सशक्तिकरण और दिव्यांगजनों की सहायता से संबंधित छह विशेष शोध पुस्तकों का विमोचन करेगी। इन शोधों में बताया जाएगा कि एआई की मदद से फसल उत्पादन बढ़ाने, रोगों की शुरुआती पहचान, व्यक्तिगत शिक्षा और स्वच्छ ऊर्जा प्रबंधन में कैसे क्रांतिकारी बदलाव संभव हैं। तीसरे दिन 18 फरवरी को वैश्विक वैज्ञानिक, शोधकर्ता और थिंक टैंक अपनी अत्याधुनिक रिसर्च प्रस्तुत करेंगे।

टेक कंपनियां लाइव डेमो के जरिए भविष्य की मशीनों और स्मार्ट सिस्टम्स की झलक दिखाएंगी। 19 फरवरी चौथे दिवस प्रधानमंत्री मोदी आधिकारिक संबोधन देंगे। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई, ओपनएआई के प्रमुख सेम ऑल्टमेन और माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स सहित 100 से अधिक वैश्विक दिग्गज उनके साथ बैठक करेंगे। इस दौरान भारत में एआई निवेश और रणनीतिक साझेदारी पर महत्वपूर्ण फैसले लिए जा सकते हैं।

उपराष्ट्रपति ने एआई समिट की शुरुआत पर खुशी जताते हुए की सफलता की कामना

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने सोमवार को भारत मंडपम में एआई समिट की शुरुआत पर खुशी जताते हुए एआई प्रभाव शिखर सम्मेलन की भव्य सफलता की कामना की। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि भारत एआई प्रभाव शिखर सम्मेलन आज दिल्ली के भारत मंडपम में शुरू हो रहा है, भारत जन-प्रथम, लोकतांत्रिक एआई भविष्य को आकार देने के प्रयासों में सबसे आगे खड़ा है। यह शिखर सम्मेलन की थीम, 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' में भी परिलक्षित होता है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि एआई के विकास के केंद्र में सार्वजनिक भलाई, पहुंच और वैश्विक सहयोग को रखकर भारत वैश्विक उत्तर की तकनीकी शक्तियों को वैश्विक दक्षिण के पैमाने और क्षमता के साथ जोड़ना चाहता है, जिससे दुनिया भर में समावेशी और साझा प्रगति हो सके।

डीपफेक और गलत सूचनाएं समाज की नींव पर हमला, तकनीकी, कानूनी समाधान जरूरी : वैष्णव

नई दिल्ली। सूचना एवं प्रसारण और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एआई इम्पैक्ट समिट से पहले डीपफेक्स, गलत एवं भ्रामक सूचनाओं के प्रसारण पर कहा कि यह प्रवृत्ति समाज की नींव पर हमला है। समाज की नींव संस्थाओं के बीच विश्वास है। परिवार, सामाजिक पहचान और शासन जैसी संस्थाएं सदियों से समाज को जोड़कर रखती हैं, लेकिन डीपफेक्स और भ्रामक सूचनाओं का तेजी से फैलना इन संस्थाओं के बीच विश्वास को कमजोर कर रहा है। वैष्णव ने यहां भारत मंडपम में इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो के उद्घाटन से पहले एक सत्र में कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, एआई मॉडल और उनके निर्माता सभी को जिम्मेदारी लेनी होगी कि नई तकनीक विश्वास को मजबूत करे, न कि उसे तोड़े। इसके लिए तकनीकी एवं कानूनी समाधान जरूरी हैं। अगर नई तकनीक संस्थाओं के बीच विश्वास को कमजोर करती है और विकल्प नहीं देती, तो यह समाज के लिए खतरनाक होगा। मंत्री वैष्णव ने कहा कि उन्होंने 20 से अधिक देशों के मंत्रियों से इस विषय पर बातचीत की है। इनमें कुछ सबसे उदारवादी देश भी शामिल हैं और लगभग सभी का मानना है कि अब समय आ गया है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को नए दृष्टिकोण से देखा जाए।

ज्वलंत मुद्दा **संपादकीय**

भारत बना दुनिया का सबसे बड़ा एआई कैपिटल?

भारत की राजधानी दिल्ली में सोमवार को दुनिया की सबसे बड़ी एआई समिट का आयोजन शुरु हो गया है। यह आयोजन 5 दिन तक चलेगा। इस समिट में शामिल होने के लिए दुनिया भर के 100 से अधिक कंपनियों के सीईओ, 20 राष्ट्राध्यक्ष तथा 135 देश के डेलिकेट शामिल हो रहे हैं। इस समिट में भारत की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके कई मंत्री शामिल होने जा रहे हैं। अभी तक जो जानकारी मिल रही है, उसके अनुसार तीन लाख से अधिक लोगों ने समिट में आने के लिए पंजीयन कराया है। एआई का उपयोग बड़े पैमाने पर हेल्थ, कृषि और शिक्षा के क्षेत्र में होने जा रहा है। इसके अलावा सर्विस सेक्टर में भी एआई तकनीकी पर आधारित रोबोट इत्यादि भी बड़े पैमाने पर अगले कुछ वर्षों में देखने को मिलेंगे।

एआई तकनीकी के माध्यम से दुनिया एक नए बदलाव की दिशा की ओर आगे बढ़ती हुई दिख रही है। इसके परिणाम अच्छे होंगे, या बुरे यह कहना मुश्किल है। जिस तरह से 1993 में वैश्विक व्यापार संधि के माध्यम से सारी दुनिया में एक आर्थिक क्रांति की लहर पैदा की गई थी। कर्ज लेकर विकास करने और खर्च करने की नई प्रवृत्ति दुनिया के देशों और उनके नागरिकों के बीच में फैलाई गई। एक नये बाजारबाद की परिकल्पना को साकार किया गया। दुनिया के सभी देशों ने कर्ज लिया विकास की दौड़ में शामिल हो गए। वहीं आम नागरिकों को भी बैंकों और एनएफसी कंपनियों के माध्यम से कर्ज देकर उन्हें बाजारबाद की ओर धकेला गया। आज उसके दुष्परिणाम सारी दुनिया के देशों में देखने को मिल रहे हैं। सभी देशों की सरकारें भारी कर्ज से लदी हुई हैं। संस्थाओं के ऊपर भी भारी कर्ज हैं। इसी तरीके से दुनियाभर के आम नागरिक भी कर्ज के बोझ से दबे हुए हैं। ब्याज और किस्त का बोझ लगातार बढ़ता चला गया। विकास की जो परिकल्पना की गई थी, उसमें अब कुठाराघात होना शुरू हो गया है।

सारा विश्व उधार की अर्थव्यवस्था को लेकर संकट में आ गया है। महंगाई और बेरोजगारी के कारण आम आदमी का जीवन दूभर हो गया है। इसी दौर में एआई और डिजिटल तकनीकी के माध्यम से जो नए-नए प्रयोग किये जा रहे हैं, इसके सुखद परिणाम या दुष्परिणाम होंगे, इसकी चर्चा नहीं हो रही है। दुनिया के सभी देशों में एआई को लेकर बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं। क्लासरूम स्मार्ट होंगे, यहां पर शिक्षकों की जरूरत नहीं होगी। स्मार्ट क्लासों में डिजिटल उपकरण और एआई की सहायता से स्कूलों और कॉलेज में बच्चों को पढ़ाया जाएगा। इसी तरह कृषि के क्षेत्र में जिन कामों के लिए भारी संख्या में मजदूरों को लगाया जाता था, उस काम को अब बहुत कम समय में डिजिटल और एआई तकनीकी की मशीनों के माध्यम से किया जाएगा।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.**9911371802**
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER**786**@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

लैंड फॉर जॉब्स मामले में लालू परिवार पर आरोप तय, कोर्ट ने कहा- निजी जागीर की तरह किया इस्तेमाल

नई दिल्ली। लैंड फॉर जॉब्स मामले में राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) प्रमुख लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार की कानूनी मुश्किलें बढ़ गई हैं। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सोमवार को इस बहुचर्चित मामले में लालू यादव, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव समेत कुल 41 आरोपियों के खिलाफ औपचारिक रूप से आरोप तय कर दिए। अदालत के इस फैसले के साथ ही अब मामले में नियमित ट्रायल का रास्ता साफ हो गया है। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने सुनवाई के दौरान कड़ी टिप्पणी करते हुए इसे प्रथम दृष्टया संगठित साजिश करार दिया। अदालत ने कहा कि जांच में यह संकेत मिलता है कि रेल मंत्रालय को कथित तौर पर निजी जागीर की तरह इस्तेमाल किया गया और सरकारी नौकरियों को सौदेबाजी के माध्यम के रूप में उपयोग कर संपत्तियां अर्जित की गईं। अदालत ने जिन प्रमुख आरोपियों पर आरोप तय किए हैं, उनमें लालू प्रसाद यादव (पूर्व रेल मंत्री), राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव, तेज प्रताप यादव के अलावा लालू यादव की बेटियां मीसा भारती और हेमा यादव शामिल हैं। कुल 41 आरोपियों के खिलाफ अब गवाही और जिरह की प्रक्रिया शुरू होगी।

रक्षा मंत्री का विमानन वैज्ञानिकों से 6वीं पीढ़ी की इंजन तकनीक विकसित करने का आह्वान

नई दिल्ली। भारत में अभी तक फाइटर जेट के इंजन बनने की योजना परवान नहीं चढ़ने के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज कहा कि हमें भविष्य की तरफ भी देखना होगा। अब हम सिर्फ 5वीं पीढ़ी के इंजन तक सीमित नहीं रह सकते, क्योंकि यह समय की मांग है। हमें 6वीं पीढ़ी की उन्नत तकनीकों का विकास भी जल्द से जल्द शुरू करना होगा। दुनिया में टेक्नोलॉजी बदल रही है, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और नई सामग्रियों का प्रयोग बढ़ रहा है, हमें उनमें आगे रहना होगा। रक्षा मंत्री सोमवार को बेंगलुरु में गैस टरबाइन रिसर्च एस्टेब्लिशमेंट के एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में नागरिक उड्डयन का विस्तार और भी तेजी से होगा। भारत तो वैसे भी दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ने वाले विमानन बाजारों में से एक है। ऐसे में भविष्य में नागरिक उड्डयन के क्षेत्र में किये जा रहे प्रयोग सीधे उपयोगी साबित होंगे। जब हम डिफेंस सेक्टर में रिसर्च और इंजन डेवलपमेंट की बात करते हैं, तो उसका महत्व सिर्फ सैन्य इस्तेमाल तक सीमित नहीं रहता। किसी भी कॉम्प्लेक्स टेक्नोलॉजी की सबसे बड़ी अहमियत उसके दूर तक फैलने वाले नतीजों में होती है। रक्षा मंत्री ने विमानन क्षेत्र से जुड़े वैज्ञानिकों से कहा कि अब आप जो तकनीक लड़ाकू विमानों के लिए विकसित कर रहे हैं, वही तकनीक कल सिविल एविएशन की दुनिया में क्रांति ला सकती है। आप जो हाई टेम्परेचर सहने वाले कम्पोजिट मटीरियल बना रहे हैं, वे पावर प्लांट में या स्पेसशिप में भी काम आ सकते हैं।

नए डिजाइन वाले आधार कार्ड में दिखेगा सिर्फ फोटो और क्यूआर कोड

एजेंसी। नई दिल्ली

जल्द ही आधार कार्ड का नया डिजाइन पेश किया जाएगा, जिसमें केवल कार्डधारक की फोटो और एक क्यूआर कोड दिखेगा। इस बदलाव का उद्देश्य फोटोकॉपी के जरिए आधार की व्यक्तिगत जानकारी के गलत इस्तेमाल को रोकना है। यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआईडीएआई) ने यह जानकारी दी है कि नए आधार ऐप के लॉन्च के बाद इस बदलाव को लागू किया जाएगा। यूआईडीएआई के सीईओ भुवनेश कुमार ने ऑनलाइन कॉन्फ्रेंस में बताया कि आधार कार्ड की फिजिकल कॉपी में अक्सर आधार नंबर, नाम, पता और जन्मतिथि जैसी सेंसिटिव जानकारी होती है, जिसका गलत इस्तेमाल किया जा सकता है। नए डिजाइन में केवल फोटो और क्यूआर कोड शामिल होंगे। क्यूआर कोड स्कैन

करने पर ही बैंकिंग, सिम जारी करने और सरकारी योजनाओं जैसी सेवाओं के लिए वेरिफिकेशन होगा। उडई ने हाल ही में नया आधार ऐप लॉन्च किया है, जिसमें यूजर्स अपने मोबाइल नंबर, पता और अन्य डिटेल्स सीधे अपडेट कर सकते हैं। इसके अलावा, ऐप के जरिए आधार बायोमेट्रिक्स को लॉक और अनलॉक करना भी संभव है। इस बदलाव से आधार कार्ड का उपयोग एक सुरक्षित फोटो आइडेंटिटी कार्ड के रूप में किया जा सकेगा, जबकि कार्डधारक की अन्य व्यक्तिगत जानकारी सुरक्षित रहेगी।

भारतीय लेखा और अन्य सेवाओं के प्रशिक्षु अधिकारियों ने राष्ट्रपति से की मुलाकात

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय लेखा एवं लेखा परीक्षा सेवा, रक्षा वैमानिक गुणवत्ता आश्वासन सेवा तथा भारतीय व्यापार सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से यहां राष्ट्रपति भवन में सोमवार को शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि प्रतिष्ठित सेवाओं में उनका चयन राष्ट्रसेवा का एक महत्वपूर्ण अवसर है। अनेक युवा जहां तक पहुंचने का सपना देखते हैं, वहां तक पहुंचने का अवसर कुछ ही लोगों को मिलता है। ऐसे में वे अनेक युवाओं के लिए प्रेरणा और आदर्श बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि उदाहरण प्रस्तुत कर नेतृत्व करना उनकी पूरी सेवा-यात्रा के दौरान उनकी जिम्मेदारी रहेगी। राष्ट्रपति ने कहा कि जब अधिकारी प्रतिबद्धता के साथ भारत के विकास और प्रत्येक नागरिक के कल्याण के लिए कार्य करते हैं, तो राष्ट्र और अधिक सशक्त, सक्षम और वैश्विक मंच पर सम्मानित बनता है। आपका उत्साह और समर्पण 'नए भारत' के निर्माण में परिवर्तनकारी शक्ति बन सकता है। भारतीय लेखा एवं लेखा परीक्षा सेवा के अधिकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि वे जनविश्वास के संरक्षक और वित्तीय अनुशासन के प्रहरी हैं। कार्यपालिका और लेखा परीक्षा संस्थानों के बीच समन्वय से शासन व्यवस्था में जवाबदेही की प्रभावशीलता बढ़ती है। एक प्रभावी साझेदारी सार्वजनिक व्यय की दक्षता बढ़ाने तथा वांछित परिणाम प्राप्त करने में सहायक होती है। उन्होंने अधिकारियों से संविधान और सेवा की परंपराओं व मूल्यों को सदैव बनाए रखने का आग्रह किया। भारतीय व्यापार सेवा के अधिकारियों से राष्ट्रपति ने कहा कि वे निवेश आकर्षित करने, रोजगार सृजन करने तथा भारतीय उद्योगों को नवाचार, विस्तार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए सक्षम वातावरण प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि उनकी नीतियों और निर्णयों का मार्गदर्शक सिद्धांत सदैव भारत का राष्ट्रीय हित होना चाहिए। प्रत्येक व्यापार बाधा के समाधान और प्रत्येक समझौते का समर्थन भारत को एक मजबूत और सम्मानित वैश्विक व्यापार भागीदार बनाने में सहायक होगा। उनकी भूमिका विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी और राष्ट्रीय रक्षा के महत्वपूर्ण संगम पर स्थित है।

ड्रोन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक तकनीकों को देख बिल गेट्स ने की सरकार की तारीफ

अमरावती। बिल गेट्स ने राज्य सचिवालय में आंध्र प्रदेश के सीएम एन चंद्रबाबू नायडू, डिप्टी सीएम पवन कल्याण और अन्य प्रमुख मंत्रियों से मुलाकात की। आंध्र प्रदेश में सहयोगात्मक परियोजनाओं के विस्तार पर चर्चा के लिए गेट्स फाउंडेशन का छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल उनके साथ आया था। बिल गेट्स का सचिवालय के प्रथम ब्लॉक में गर्मजोशी से स्वागत किया गया। सीएम नायडू ने मंत्रिमंडल के सहयोगियों का गेट्स से परिचय कराया। यात्रा के दौरान बिल गेट्स ने सचिवालय में रियल-टाइम गवर्नेंस केंद्र का निरीक्षण किया। सीएम नायडू ने उन्हें बताया कि आरटीजीएस प्रणाली किस प्रकार प्रौद्योगिकी का उपयोग करके सरकारी कार्यों की निगरानी और उन्हें बेहतर बनाती है। चर्चा में डिजिटल शासन के जरिए कई क्षेत्रों में हासिल उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और वास्तविक समय के डेटा-आधारित प्रशासन के लिए आंध्र प्रदेश के मॉडल को प्रदर्शित किया। आरटीजीएस दौरे के बाद, बिल गेट्स और उनके प्रतिनिधिमंडल ने सीएम, मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में भाग लिया।

यूएस-भारत की रक्षा साझेदारी का एकमात्र उद्देश्य ताकत के बल पर शांतिः जे. पपारो

एजेंसी। नई दिल्ली

अमेरिकी सेना की हिंद-प्रशांत कमान के कमांडर एडमिरल सैमुअल जे. पपारो ने भारत और अमेरिका के बीच बढ़ते सैन्य संबंधों को वैश्विक स्थिरता के लिए अनिवार्य बताया है। नई दिल्ली की अपनी महत्वपूर्ण यात्रा के दौरान रविवार को पत्रकारों से चर्चा करते हुए एडमिरल पपारो ने स्पष्ट किया कि दोनों देशों की रक्षा साझेदारी का एकमात्र और साझा उद्देश्य ताकत के बल पर शांति (पिस थ्रू स्ट्रेंथ) बनाए रखना है। उन्होंने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ती जबरन कार्रवाई और आक्रामकता पर गहरी चिंता व्यक्त की, जिसे सीधे तौर पर इस क्षेत्र में चीन के बढ़ते सैन्य प्रभाव और विस्तारवादी नीतियों के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। एडमिरल पपारो ने भारत और अमेरिका के बीच के रक्षा संबंधों को तेजी से मजबूत होने वाला करार दिया। उन्होंने कहा कि दोनों लोकतांत्रिक राष्ट्रों के हित एक समान हैं और वर्तमान में दोनों पक्ष समुद्री क्षेत्र में सैन्य सहयोग को एक नए स्तर पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अमेरिकी सैन्य अधिकारी के अनुसार, यह साझेदारी केवल द्विपक्षीय सहयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका अंतरराष्ट्रीय प्रतिरोध (डिटेरेंस) पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ता है।

मणिशंकर ने किया दावाः विजयन ही रहेंगे सीएम, इससे केरल में आ गया सियासी भूचाल

एजेंसी। तिरुआनंतपुरम

केरल विधानसभा चुनाव की सुगबुगाहट के बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर ने एक ऐसा बयान दिया है, जिसने राज्य के राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज कर दी है। एक ओर जहां कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) सत्ता में वापसी के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रहा है, वहीं उनकी अपनी ही पार्टी के दिग्गज नेता ने वामपंथी मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के पद पर बने रहने का भरोसा जताकर सबको चौंका दिया है। रविवार को एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान अय्यर ने न केवल विजयन की कार्यप्रणाली की सराहना की, बल्कि उन्हें प्रधानमंत्री राजीव गांधी के सपनों को पूरा करने वाला जननायक भी करार दिया। यह वाकया विजन 2031: विकास और लोकतंत्र कार्यक्रम के दौरान हुआ, जिसका उद्घाटन स्वयं मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने किया था। इस मंच से बोलते हुए मणिशंकर अय्यर ने महात्मा गांधी के भारत संबंधी दृष्टिकोण को याद किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता ने एक ऐसे देश की परिकल्पना की थी जहां गरीब से गरीब व्यक्ति भी राष्ट्र निर्माण में अपनी प्रभावी भूमिका महसूस कर सके। अय्यर ने तर्क दिया कि यह विडंबना ही है कि इस लक्ष्य की दिशा में सबसे सराहनीय प्रगति करने वाला राज्य केरल है, जहां वर्तमान में मार्क्सवादी-लेनिनवादी विचारधारा वाली पार्टी का शासन है। उन्होंने केरल को पंचायती राज के मामले में देश का अग्रणी राज्य बताया और कहा कि केरल ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की अपेक्षाओं को किसी भी अन्य राज्य की तुलना में कहीं अधिक बेहतर ढंग से धरातल पर उतारा है। अपने संबोधन के दौरान अय्यर ने व्यक्तिगत टिप्पणी करते हुए कहा कि उन्हें इस बात का पूरा विश्वास है कि पिनराई विजयन मुख्यमंत्री पद पर बने रहेंगे।

हिमाचल, उत्तराखंड में बारिश-बर्फबारी के आसार जम्मू-कश्मीर में एवलांच में कई वाहन फंसे

एजेंसी। नई दिल्ली

देश के हिमालयी इलाकों में दो वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय हैं। दो दिन हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में पहाड़ों पर बारिश-बर्फबारी के आसार हैं। मध्यप्रदेश, राजस्थान, पंजाब-चंडीगढ़ में 17-18 फरवरी को बारिश हो सकती है। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में रविवार को भद्रवाह-पठानकोट इंटर-स्टेट रोड पर एवलांच हुआ। यह थांथेरा और गुलदांडा के बीच था। यहां 40 से ज्यादा पर्यटक वाहन फंस गए, जिन्हें एक-एक कर निकाला गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उत्तराखंड में गुंजी-आदि कैलाश मोटर मार्ग पर जमीं 10 फीट बर्फ को सीमा सड़क संगठन ने हटाया। यहां तापमान -18डिग्री है। राज्य में मंगलवार से उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और

पिथौरागढ़ में बारिश-बर्फबारी की संभावना है। मध्यप्रदेश में वेस्टर्न डिस्टरबेंस के चलते 18-19 फरवरी के बीच बारिश हो सकती है। रविवार को खंडवा-खरगोन में दिन का तापमान 34डिग्री के पार रहा। 16 जिलों 30डिग्री से ज्यादा रहा। राजस्थान में रविवार को बीकानेर, जैसलमेर, जोधपुर, फलोदी समेत 13 जिलों में अधिकतम तापमान 30 डिग्री से ज्यादा रहा। बाड़मेर में सबसे ज्यादा 35 डिग्री तापमान रहा। मौसम विभाग के मुताबिक 17-18 फरवरी को हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में बर्फबारी हो सकती है। वहीं राजस्थान, मध्यप्रदेश समेत पंजाब चंड़ीगढ़ में बारिश के आसार हैं। मध्य प्रदेश में वेस्टर्न डिस्टरबेंस के चलते 18-19 फरवरी के बीच बारिश हो सकती है। फरवरी की शुरुआत में प्रदेश में दो बार ओले, बारिश और आंधी का दौर आ चुका है। अब तीसरी बार बारिश की आशंका है। यूपी के कुछ शहरों में दिन के तापमान में बढ़ोतरी देखी गई। बांदा में तापमान 31.2डिग्री रहा। झांसी में 30डिग्री और आगरा में 29.8डिग्री रहा। मौसम विभाग के मुताबिक 17-18 फरवरी को वेस्टर्न डिस्टर्वेंस के कारण बारिश की संभावना है। रविवार को राजस्थान में तेज गर्मी रही। बीकानेर, जैसलमेर, जोधपुर, फलोदी के अलावा, पूर्वी राजस्थान के जिलों में अधिकतम तापमान 30डिग्री से ज्यादा रहा। बाड़मेर में सबसे ज्यादा 35डिग्री रहा।

सेवातीर्थ से काम करने वाले पहले लोगों में शामिल होना सौभाग्य की बातः जितेन्द्र सिंह

नई दिल्ली। नए प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) 'सेवातीर्थ' में कामकाज शुरू होने के बाद राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने इसे ऐतिहासिक दिन बताया। उन्होंने कहा कि 16 फरवरी को नए पीएमओ से पहला पूरा कार्य दिवस रहा और यह बदलाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृढ़ विश्वास और लगातार प्रयासों से ही संभव हुआ है। डॉ. सिंह ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि शाही साउथ ब्लॉक से आजाद सेवातीर्थ तक का सफर भारत की प्रशासनिक व्यवस्था में बड़ा परिवर्तन है। सौ साल पुराने साउथ ब्लॉक से काम करने वाले आखिरी लोगों में से एक होना और साथ ही नए सेवातीर्थ से काम करने वाले पहले लोगों में शामिल होना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने इसे सार्वजनिक सेवा के जीवंत गलियारों की ओर बढ़ते भारत का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि यह नया कार्यालय देश की प्रशासनिक कार्यप्रणाली को आधुनिक और जनोन्मुखी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री ने 13 फरवरी को 'सेवा तीर्थ' का उद्घाटन किया था। लगभग 2.26 लाख वर्ग फुट क्षेत्र में फैला यह परिसर दारा शिकोह रोड पर स्थित है।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

ख़ास ख़बर

दिल्ली पुलिस के 79वें स्थापना दिवस पर केंद्रीय गृह मंत्री और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दीं शुभकामनाएं

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली पुलिस के 79वें स्थापना दिवस पर पुलिसकर्मियों को शुभकामनाएं दीं और उनके साहस व समर्पण की सराहना की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि दिल्ली पुलिस के जवानों ने अटूट समर्पण के साथ जनता की सेवा और सुरक्षा में अनुकरणीय मानक स्थापित किए हैं। उन्होंने कर्तव्य की पंक्ति में सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके योगदान को देश के लिए अमूल्य बताया। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्लीवासियों की सुरक्षा और विश्वास के प्रतीक दिल्ली पुलिस के सभी वीर जवानों, कर्मियों और उनके परिजनों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि 'शांति, सेवा, न्याय' के ध्येय वाक्य को आत्मसात करते हुए दिल्ली पुलिस ने हर चुनौतीपूर्ण परिस्थिति में अदम्य साहस और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजधानी की सुरक्षा और नागरिकों की सेवा में पुलिसकर्मियों का निरंतर परिश्रम और समर्पण हम सभी के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस की अप्रतिम सेवा-भावना को पूरी दिल्ली हृदय से नमन करती है।

जेएनयू में राष्ट्र विरोधी नारेबाजी के खिलाफ वकील विनीत जिंदल ने की शिकायत

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्रसंघ (जेएनयूएसयू) परिसर में निकले 'चेतावनी जुलूस' और कथित तौर पर वामपंथियों के दिए ब्राह्मण-ठाकुर विरोधी भड़काऊ नारेबाजी को लेकर उच्चतम न्यायालय के वकील विनीत जिंदल ने सोमवार को दिल्ली पुलिस आयुक्त को औपचारिक शिकायत दी। उन्होंने एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की मांग की। वकील विनीत जिंदल ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर जानकारी देते हुए कहा कि जेएनयू में हुए एक विरोध-प्रदर्शन के दौरान ब्राह्मण व ठाकुर समाज के लिए भड़काऊ और आपत्तिजनक नारेबाजी को लेकर दिल्ली पुलिस आयुक्त को औपचारिक शिकायत दी है। विनीत जिंदल ने कहा कि जो नारे लगाए गए वो भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के अंतर्गत अपराध है। उन्होंने लिखा कि शिकायत में एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच और आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने की मांग की गई है, ताकि ऐसे अपराध फिर न हो। उन्होंने बताया कि यूजीसी मामले की याचिका की सुनवाई के समय उच्चतम न्यायालय ने जिस बात कि चिंता जताई थी वो अब खुलकर सामने आ रही हैं। अभी तो नए नियम पर रोक है यदि लागू कर दिए जाते तो क्या होता?

इंद्रलोक इंडस्ट्रियल एरिया में प्लास्टिक फैक्टरी में लगी आग

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली के इंद्रलोक इंडस्ट्रियल एरिया में सोमवार दोपहर एक प्लास्टिक फैक्टरी में भीषण आग लग गई। दमकल विभाग ने तेजी से कार्रवाई करते हुए मौके पर बड़ी संख्या में गाड़ियां रवाना कीं। आग को "मीडियम" श्रेणी का बताया गया।दमकल विभाग के अनुसार, दोपहर करीब 1:50 बजे आग लगने की सूचना मिली। मौके पर कुल 23 दमकल की गाड़ियां भेजी गईं। इनमें 9 वाटर टेंडर, 8 वाटर बाउजर, 2 मोटर पंप, एक हाइड्रोलिक टर्नटेबल, एक रेस्क्यू टेंडर, एक ब्रेथिंग फायर टेंडर और एक फोम कंट्रोल कैरियर शामिल थे। दमकल विभाग की टीम ने समय रहते आग पर नियंत्रण पा लिया, जिससे आसपास की अन्य इकाइयों तक आग फैलने से रोका जा सका। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

भाजपा विधायक हरीश खुराना ने की आआपा के लगाए आरोपों की आलोचना

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से विधायक हरिश खुराना ने आम आदमी पार्टी (आआपा) के शिक्षा संबंधित लगाए जा रहे आरोपो की निंदा की। उन्होंने कहा कि दिल्ली की राजनीति में राहुल गांधी के मार्ग पर चल रहें है आआपा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज। हरीश खुराना ने सोमवार को दिल्ली सचिवालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए शिक्षा संबंधित विषय पर आआपा के लगाए आरोप की आलोचना करते हुए कहा कि जब से आम आदमी पार्टी की सरकार दिल्ली से गई है, तब से उनके नेताओं को दिल्ली की जनता का जनादेश स्वीकार नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि जब से दिल्ली में भाजपा की सरकार आई है आआपा प्रतिदिन कोई न कोई नया भ्रम फैला रही है। सौरभ भारद्वाज द्वारा एपीजे स्कूल, साकेत के मामले को लेकर उठाए गए विवाद पर हरीश खुराना ने कहा कि यह मामला वर्ष 2020 से लंबित है। उस समय दिल्ली में किसकी सरकार थी, यह सब जानते हैं। यदि यह मुद्दा गंभीर था, तो पांच वर्षों तक कोई ठोस कार्रवाई क्यों नहीं की गई? उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के समय भी ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई थी और उस समय हस्तक्षेप कर बच्चों को राहत दिलाई गई थी। अब सरकार ने इस विषय पर स्थायी समाधान देने के लिए कानून बनाया है। हरीश खुराना ने बताया कि दिल्ली सरकार के लाए गए नए कानून में किसी भी छात्र का रोल नंबर रोका नहीं जा सकता। अधिनियम की धारा 13 यह सुनिश्चित करती है कि कोई भी विद्यालय अभिभावकों से बिना पूर्व स्वीकृति अतिरिक्त या अनधिकृत शुल्क नहीं वसूल सकता और न ही दबाव बनाकर फीस वसूली कर सकता है। यह व्यवस्था स्कूल-स्तरीय फीस रेगुलेशन कमेटियों और अपील प्रक्रिया के माध्यम से पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करती है। उन्होंने कहा कि जब इस विधेयक का उद्देश्य अभिभावकों को न्याय दिलाना है। फीस वृद्धि पर नियंत्रण, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है तो फिर इसका विरोध क्यों किया जा रहा है? उन्होंने कहा कि दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने निर्देश दिए हैं कि दिल्ली में किसी भी बच्चे का भविष्य बाधित नहीं होने दिया जाएगा। सभी छात्रों को उनका रोल नंबर मिलेगा और उनके अधिकारों की रक्षा की जाएगी। हरीश खुराना ने सवालिया लहजे में प्रश्न उठाते हए कहा कि "जस्टिस फॉर ऑल" नामक एक एनजीओ द्वारा इस कानून का विरोध किया जा रहा तो इस संगठन और आम आदमी पार्टी के कुछ नेताओं के बीच क्या संबंध हैं? दिल्ली की जनता जानना चाहती है कि आखिर अभिभावकों के हित में लाए गए कानून का विरोध क्यों किया जा रहा है। उन्होंने आआपा पर तंज कसते हुए कहा कि पिछले 10 वर्षों में यदि फीस नियंत्रण और पारदर्शिता के लिए मजबूत कानून लाया जाता तो आज यह स्थिति उत्पन्न ही नहीं होती। अब जब एक सशक्त और पारदर्शी व्यवस्था लागू की गई है, तो उसे राजनीतिक रंग देने का प्रयास किया जा रहा है। दिल्ली सरकार जल्द तथ्यों के साथ स्थिति स्पष्ट करेगी। झूठ और भ्रम की राजनीति अब अधिक समय तक नहीं चलेगी।

मोदी सरकार ने देशहित को गिरवी रखकर किया अमेरिका से व्यापार समझौता- कांग्रेस

लोकतंत्र की शान , संवाददाता जीशान अली

नई दिल्लीः कांग्रेस ने भारत-अमेरिका के बीच हुए व्यापार समझौते पर हमला जारी रखते हुए कहा है कि मोदी सरकार ने देशहित को गिरवी रखकर भारतीय किसानों के हितों की बलि दे दी है, ऊर्जा सुरक्षा से खिलवाड़ के साथ देश की संप्रभुता व आत्मनिर्भरता से समझौता किया गया है। कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने समझौते से भारत को होने वाले नुकसान के बारे में बताते हुए कहा कि मोदी सरकार ने अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए भारत में बिना किसी आयात शुल्क के बाजार खोल दिया है। इससे भारत के मक्का, ज्वार, सोयाबीन और फलों के उत्पादक किसानों को बड़ा नुकसान होगा। उन्होंने बताया कि भारत में 2025-26 के दौरान 4.30 करोड़ मीट्रिक टन मक्का, 52 लाख मीट्रिक टन ज्वार का उत्पादन हुआ और 2024-25 में 153 लाख टन सोयाबीन का उत्पादन हुआ। उन्होंने कहा कि अमेरिका में यह फसलें भारत से कहीं ज्यादा उत्पादन होती हैं, अगर वहां से शुल्क रहित मक्का, ज्वार और सोयाबीन भारत के बाजार में बिकेगा, तो भारतीय किसानों की आजीविका संकट में आ जाएगी। उन्होंने सेब, संतरा, चेरी, नाशपाती, स्ट्रॉबेरी जैसे फलों के अमेरिका से आने को भी भारत के किसानों के लिए बेहद नुकसानदायक बताया। सुरजेवाला ने इस बात पर भी चिंता जताई कि यदि भारत में प्रोसेस्ड मक्का, ज्वार, सोयाबीन व अन्य कृषि उत्पाद आएंगे, तो उनका सीधा प्रभाव भारत की जैविक विविधता और बीज शुद्धता पर भी पड़ेगा। उन्होंने पूछा कि क्या मोदी सरकार ने पिछले दरवाजे से भारत में जेनेटिकली मॉडिफाइड कृषि उत्पादों के आयात की अनुमति दे दी है। उन्होंने आगे बताया कि व्यापार समझौते में नॉन-ट्रेड बैरियर्स को हटाने का सीधा मतलब भारतीय किसान की सब्सिडी को हटाना व जीएम क्राप्स के आयात को मंजूरी देना है। उन्होंने कहा कि अमेरिका अपने किसानों को सालाना 1.45 लाख करोड़ रुपये की सब्सिडी देता है। इसके विपरीत भारतीय किसानों को सीमित सहायता मिलती है, ऐसे में सुरक्षा उपायों में किसी भी प्रकार की और कमी उनके लिए हानिकारक होगी। उन्होंने पूछा कि अमेरिका से भारत आने वाले अतिरिक्त उत्पाद कौन से हैं, जिनका अभी खुलासा नहीं किया गया है? सुरजेवाला ने समझौते को भारत के कपास उत्पादक किसानों और टेक्सटाइल उद्योग के लिए भी खतरा बताया। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश-अमेरिका व्यापार व्यवस्था के तहत बांग्लादेश अमेरिकी कपास व धागा आयात कर जो कपड़ा अमेरिका को निर्यात करेगा, उस पर अमेरिका में शून्य प्रतिशत शुल्क लगेगा। इसके उलट अमेरिका में भारत के निर्यात पर 18 प्रतिशत शुल्क लगेगा। उन्होंने कहा कि इसका प्रतिकूल असर भारत के कपड़ा उद्योग पर पड़ेगा।

यूजीसी गाइडलाइन और निष्कासन आदेश के खिलाफ जेएनयूएसयू ने किया प्रदर्शन

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्रसंघ (जेएनयूएसयू) ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के परामर्श को लागू करने और छात्रों के निष्कासन आदेशों को रद्द करने जैसे मुद्दों पर विश्वविद्यालय परिसर में रविवार रात छात्रों ने चेतावनी रैली निकाल के विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहें छात्रों ने अपने हाथों में बड़ा पोस्टर पकड़ रखा था, जिसमें चेतावनी रैली लिखा था। इसके साथ ही छात्रों ने नारेबाजी भी की। उल्लेखनीय है कि, विश्वविद्यालय प्रशासन ने हाल के वर्षों की सबसे सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए जेएनयूएसयू अध्यक्ष अदिति मिश्रा, उपाध्यक्ष गोपिका के. बाबू, महासचिव सुनील यादव और संयुक्त सचिव दानिश अली को दो सेमेस्टर के लिए निष्कासित कर दिया था। पूर्व अध्यक्ष नीतीश कुमार पर भी कार्रवाई की गई है। प्रशासन का आरोप है कि 21 नवंबर, 2025 को डॉ. बीआर अम्बेडकर केंद्रीय पुस्तकालय में लगाए गए फेस रिकॉग्निशन आधारित एक्सेस गेट्स को नुकसान पहुंचाया गया था। इन गेट्स की स्थापना लगभग 20 लाख की लागत से की गई थी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने नीतीश कुमार पर 20,000 का जुर्माना भी लगाया है और सभी संबंधित छात्रों को तत्काल प्रभाव से पूरे परिसर से बाहर घोषित कर दिया है। छात्रसंघ ने इस कार्रवाई की निंदा करते हुए कहा कि यह कदम यूजीसी प्रमोशन ऑफ इक्विटी रेगुलेशन, 2026 के निलंबन के खिलाफ प्रस्तावित विरोध से पहले छात्रों की आवाज दबाने की कोशिश है।

यूथ हॉस्टल ,चाणक्यपुरी , दिल्ली मे स्वाउथान के तत्वाधान में कहानियाँ उत्तराखंड की अवार्ड सेरेमनी सम्पन्न

लोकतंत्र की शान , सुनील नेगी

यूथ हॉस्टल चाणक्यपुरी दिल्ली मे स्वाउथान के तत्वाधान में कहानियाँ उत्तराखंड की अवार्ड सेरेमनी जूरी मेंबर्स श्री बजेली, श्री खजान दत्त शर्मा , श्री हरि सुमन बिष्ट,श्री बिहारी लाल जालंधारी, पृथ्वी सिंह केदारखंडी,प्रो हरेंद्र सिंह असवाल, श्री सुनील नेगी एवं श्री चारू तिवारी की उपस्थिति मे सम्पन्न हुई । कार्यक्रम की शुरुआत सवुत्थान के उपाध्यक्ष श्री गणेश सिंह रौतेला ने की जिसमे जूरी का धन्यवाद करते हुए इस कार्यक्रम में शामिल लोगों भी आभार व्यक्त किया और कहानियों के चयन की प्रक्रिया से अवगत करवाया। डॉ. शरत जोशी ने जूरी का परिचय एवं सम्मान किया, श्री संजय जोशी जनरल सेक्रेटरी sawuthan ने अवार्ड सेरेमनी को अंतिम रूप देते हुए श्री हेम पंत, डॉ कालेश्वरी, सुशीला रावत और संदीप बजेली को विशेष सम्मान से अलंकृत किया। श्री खेमा नंद पांडे जी की कुमाऊनी कहानी को सर्वप्रथम पुरुस्कार मिला I गिरधारी सिंह रावत की गढ़वाली कहानी रकी मुकी द्वी बोड़ को द्वितीय तथा गार्गी जोशी को हिंदी कहानी ईजा के लिए तृतीय पुरस्कार मिला I किरन रावत को इंग्लिश कहानी ऐन एनलाइटिंग ड्रीम्स, ललिता चौहान जौनसारी कहानी आग़ोशी माई,विश्वेश्वर प्रसाद गडवाली कहानी फैंची,सुशीला देवी गडवाली कहानी अंधियारी रात मा कमला और दीपाली खाती की हिंदी कहानी ठंडा चीला के लिए पुरस्कार मिला। सभागार में उपस्थित मदन मोहन सती ,डॉक्टर पुष्पा जोशी CM पपनिय ,राजेंद्र सिंह चौहान, लक्ष्मी रावत, राकेश गौड़ कुशाल सिंह बिष्ट ,कुशाल सिंह रावत ,श्री सुधीर धर श्रीमती नीता जोशी ,श्रीमती अनिता धर , मुकुंद धर ,अजय सिंह बिष्ट ,श्री प्रेम सिंह रावत, टी सी जोशी,हँसा दंत लोहानी ,श्री कुलदीप असवाल ,राहुल बढ़ोला ,किरण रामपाल ,श्री चंदन डांगी ,श्रीमती रोशनी चमोली ,अंजू पुरोहित ,रमेश प्रदेशी व्यक्तियों ने भाग लिया और कलाकारों का उत्साह बडाया I यह कार्यक्रम अपने निर्धारित समय 4 बजे से 6 तक संपन्न हुआ। उत्तराखंड परिवेश पर रचित कहानियों में से आठ श्रेष्ठ कहानियों को पुरस्कार के लिए चिन्हित किया गया। उत्तराखंड के सुपरिचित साहित्यकारों द्वारा लगभग डेढ़ सौ से अधिक कहानियों में से प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय तथा पांच कहानियों को प्रोत्साहन पुरस्कार हेतु चुना गया। विजेताओं को पूर्व निर्धारित राशि, क्रमशः 31000, 21000, 11000 और 5000 रूपए ईनाम स्वरूप प्रदान की गई। इस अवसर पर संस्था द्वारा सभी जूरी मेंबर्स को भी अंगवस्त्र तथा उपहार देकर सम्मानित किया गया। खचाखच भरे इस सभागार में अलग-अलग क्षेत्रों के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

म्यूनिख कॉन्फ्रेंसः यूएनएससी रिफॉर्म का संकल्प, फुर्तीली और गतिशील विदेश नीति

लोकतंत्र की शान

म्यूनिख। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने जर्मनी के म्यूनिख में आयोजित म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में भाग लिया। इस दौरान डॉ. जयशंकर ने 'मल्टीपोलैरिटी की मांगों को पूरा करने के लिए एक तेज और डायनामिक फॉरेन पॉलिसी' के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधारों के लिए भारत के समर्थन को भी दोहराया। विदेश मंत्री ने म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन के अध्यक्ष वोल्फगैंग इचिंगर से वार्ता की और जी7 देशों के विदेश मंत्रियों सहित अन्य कई देशों के प्रतिनिधियों से भी द्विपक्षीय मुलाकात की। एक सोशल मीडिया पोस्ट में डॉ. जयशंकर ने कहा कि म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन 2026 ने विचार प्रस्तुत करने तथा दृष्टिकोणों का आदान-प्रदान करने का बेहतरीन अवसर प्रदान किया। जयशंकर ने समुद्री संचार लाइनों की सुरक्षा और भारत की गतिशील विदेश नीति पर भी जोर दिया। इस दौरान भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते तथा रणनीतिक स्वायत्तता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा हुई। जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा समुद्री कम्युनिकेशन लाइनों की सुरक्षा, फर्स्ट रिस्पॉन्डर के तौर पर काम करने, पोर्ट सिक्योरिटी को मजबूत करने और मजबूत सबमरीन केबल इंफ्रास्ट्रक्चर में योगदान देने में हमारी भूमिका पर जोर दिया गया। हमारी बातचीत से भारत और जी7 के बीच कई समानताएं और साझा हित सामने आए। डॉ. जयशंकर ने अपने जर्मन समकक्ष जोहान वेडफुल के साथ एक पैनल चर्चा के दौरान भारत-जर्मनी और भारत-ईयू संबंध ग्लोबल सिक्योरिटी और डीरिस्किंग में कैसे योगदान दे रहे हैं, इस पर बातचीत की। इसके अलावा उन्होंने सम्मेलन से इतर कई देशों के अपने समकक्षों से मुलाकात की और अलग-अलग डोमेन में सहयोग की प्रगति का आकलन किया। उन्होंने भारत, जर्मनी, जापान और ब्राजील की जी4 मीटिंग में सुधार वाले मल्टीलेटरलिज्म पर भी चर्चा की। विदेश मंत्री ने कहा कि उन्होंने बहुध्रुवीयता की मांगों को पूरा करने के लिए 'फुर्तीली और गतिशील विदेश नीति' के महत्व को रेखांकित किया। यह बैठक ऐसे समय में हुई है, जब भारत ने हाल ही में 27 देशों वाले यूरोपीय संघ के साथ एक मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने असम के सीएम के खिलाफ याचिका पर सुनवाई से किया इनकार

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर दायर याचिकाओं पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने याचिकाकर्ताओं से कहा कि वे पहले उच्च न्यायालय जाएं। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील दी कि मुख्यमंत्री ने संविधान की शपथ का उल्लंघन किया है। तब चीफ जस्टिस ने कहा कि आप यही बात उच्च न्यायालय में कह सकते हैं। आप उच्च न्यायालय जा सकते हैं। हमारे पास पहले से लंबित मामले हैं, जिन्हें निपटाना है। यह पूरा प्रयास उच्च न्यायालय का मनोबल गिराने का है। उच्च न्यायालय को कमजोर करने की एक सुनियोजित कोशिश हो रही है। राजनीतिक दल सीपीआईएम ने दायर याचिका में कहा है कि असम के मुख्यमंत्री ने मुस्लिम समुदाय को लेकर कई विवादित बयान दिए हैं। एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें मुख्यमंत्री को मुस्लिम टोपी पहने कुछ लोगों पर बंदूक से निशाना साधते हुए दिखाया गया है। इस मामले को लेकर शिकायत दर्ज की गई है, लेकिन कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई। एक याचिका जमीयत उलेमा-ए-हिंद की ओर से मौलाना महमूद मदनी ने भी दायर की है। याचिका में जमीयत का कहना है कि संवैधानिक पदों पर बैठे व्यक्तियों के बयानों को राजनीति बयानबाजी या अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता कहकर खारिज नहीं किया जाना चाहिए। याचिका में 27 जनवरी के डॉ. हिमंता बिस्वा सरमा के उस बयान का जिक्र किया गया है, जिसमें मुख्यमंत्री ने कथित तौर पर अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। याचिकाकर्ता के वकील एमआर शमशाद ने उच्चतम न्यायालय से मांग की है कि संवैधानिक पदों पर बैठे व्यक्तियों के लिए सख्त दिशा-निर्देश जारी किए जाएं, ताकि सार्वजनिक पदों का दुरुपयोग किसी समुदाय के खिलाफ घृणा फैलाने के लिए नहीं किया जाए।

आयरलैंड के मंत्री से मिले जितिन प्रसाद, डिजिटल सहयोग और निवेश पर चर्चा

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। एआई इम्पैक्ट समिट में हिस्सा लेने यहां आए आयरलैंड के सार्वजनिक व्यय एवं डिजिटलीकरण मंत्री जैक चेम्बर्स से वाणिज्य एवं उद्योग और सूचना एवं प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने सोमवार को मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय बैठक में डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, सुधार आधारित शासन, उभरती प्रौद्योगिकियों और निवेश संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा हुई। जितिन प्रसाद ने एक्स पोस्ट में कहा कि भारत भरोसेमंद तकनीक, लचीली सप्लाई चेन और नवाचार आधारित विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जिससे भारत और आयरलैंड के बीच सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने इसे उत्पादक बैठक बताते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच डिजिटलाइजेशन और निवेश के क्षेत्र में साझेदारी को और आगे बढ़ाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि नई दिल्ली में 16 से 20 फरवरी तक एआई इम्पैक्ट समिट के साथ ही एआई एक्सपो का भी आयोजन हो रहा है। इसमें 65 से अधिक देशों की भागीदारी होगी और 600 से अधिक स्टार्टअप्स अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे।

उप्र, हरियाणा, पंजाब को जिला, ब्लॉक स्तर पर 'पराली सुरक्षा बल' गठित करने के निर्देश

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। गेहूं की पराली जलाने पर रोक के लिए वायु प्रबंधन गुणवत्ता आयोग (सीएक्यूएम) ने दिल्ली से सटे राज्यों को सोमवार को व्यापक वैधानिक निर्देश जारी किए। आयोग ने इन राज्यों को जिला और ब्लॉक स्तर पर पुलिस, कृषि एवं प्रशासनिक अधिकारियों सहित "पराली सुरक्षा बल" के गठन का निर्देश दिया है। सीएक्यूएम के मुताबिक यह निर्देश पंजाब, हरियाणा एवं उत्तर प्रदेश सरकार को जारी किया गया है, जबकि दिल्ली और राजस्थान से भी सहयोगात्मक प्रयासों में मदद करने के लिए कहा गया है। इन निर्देशों के तहत राज्यों को जिला और ब्लॉक स्तर पर पुलिस, कृषि एवं प्रशासनिक अधिकारियों सहित "पराली सुरक्षा बल" के गठन का निर्देश दिया है। आयोग ने कहा है कि कृषि अवशेष जलाने से स्थानीय स्तर पर तथा एनसीआर और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता गंभीर रूप से प्रभावित होती है, इसलिए इसके लिए संगठित मौसमी तैयारी आवश्यक है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा विकसित मानक प्रोटोकॉल के अनुसार एक अप्रैल से 31 मई 2025 के बीच गेहूं कटाई सीजन में पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के एनसीआर जिलों में क्रमशः 10207, 1832 और 259 आग की घटनाएं दर्ज की गईं। उपग्रह आधारित निगरानी से स्पष्ट हुआ कि धान सीजन के साथ-साथ गेहूं सीजन में भी लक्षित हस्तक्षेप आवश्यक है।आयोग ने पहले संबंधित राज्यों को फसल अवशेष जलाने की रोकथाम एवं उन्मूलन के लिए एक व्यापक रूपरेखा प्रदान की थी और राज्य-विशिष्ट कार्ययोजनाएं तैयार करने को कहा था। 22 दिसंबर 2025 को आयोजित आयोग की 26वीं बैठक तथा उसी दिन राज्यों के साथ हुई बैठक में गेहूं पराली जलाने के मुद्दे पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया था। उस दौरान राज्यों द्वारा प्रस्तुत कार्ययोजनाओं में आवश्यक संशोधन और अद्यतन करने की सलाह दी गई।आयोग ने राज्यों को कार्ययोजना का प्रभावी और पूर्ण क्रियान्वयन कर गेहूं पराली जलाने की घटनाओं को समाप्त करने के साथ-साथ प्रत्येक गांव के सभी खेतों का मानचित्रण कर पराली प्रबंधन का तरीका निर्धारित करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ अधिकतम 100 किसानों पर एक नोडल अधिकारी नियुक्त कर सभी किसानों को कवर करने और मोबाइल ऐप के माध्यम से कटाई के चरम समय में सीआरएम मशीनों की उपलब्धता और उपयोग सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए हैं। इसके साथ देर शाम गश्त बढ़ाना और प्रवर्तन सख्त करने के भी निर्देश दिए हैं। राज्यों को आयोग को मासिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि निरंतर निगरानी और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

संक्षिप्त समाचार

ट्रेन की चपेट में आकर युवक घायल

लोकतंत्र की शान : बिजनौर। स्योहारा रेलवे स्टेशन के पास सोमवार दोपहर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक युवक ट्रेन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार करीब 14:45 बजे कुंभ एक्सप्रेस ट्रेन गुजर रही थी, उसी दौरान विवेक कुमार पुत्र सोमपाल सिंह, निवासी ग्राम देहरा बुलंदी थाना नूरपुर, ट्रैक के पास हादसे का शिकार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और रेलवे से जुड़े कर्मी मौके पर पहुंचे। घायल युवक को तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्योहारा भिजवाया गया। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार शुरू किया। इसी बीच परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। हालत को गंभीर देखते हुए परिजन युवक को बेहतर इलाज के लिए कॉसमॉस हॉस्पिटल, मुरादाबाद ले गए। थाना स्योहारा पुलिस के अनुसार मामले में अभी तक कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलने पर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस घटना के कारणों की जानकारी जुटा रही है।

सड़क हादसे में छात्र की मौत, चचेरा भाई घायल

लोकतंत्र की शान : गोंडा। जिले के नबाबगंज - तरबगंज मार्ग स्थित दुर्जनपुर घाट इंडियन बैंक के पास रविवार की शाम तेज रफ्तार पिकअप और बाईक के बीच हुई भिड़ंत में बाइक सवार एक की मौत हो गई और दूसरे की हालत नाजुक बताई जाती है। प्राप्त जानकारी के अनुसार तरबगंज के रानीपुर तिराहा के पास रविवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में 11वीं कक्षा के छात्र अभिषेक दुबे (18) की मौत हो गई। अभिषेक अपने चचेरे भाई नवीन के साथ बाइक से लौट रहा था, तभी तेज रफ्तार पिकअप ने टक्कर मार दी। हादसे में अभिषेक गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि बाइक चला रहा नवीन भी चोटिल हुआ। दोनों को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में अभिषेक ने दम तोड़ दिया। नवीन का इलाज जारी है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त पिकअप को कब्जे में ले लिया है, जबकि चालक मौके से फरार हो गया। उसकी तलाश की जा रही है। हादसे के बाद गांव में शोक का माहौल है और परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। एक होनहार छात्र की असमय मौत ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। क्षेत्र वासियों ने ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना करते हुए शोक संवेदना व्यक्त की है।

दौलतपुर बिल्लोच में चोरों का दुस्साहस सोना-चांदी और विदेशी मुद्रा ले उड़े बदमाश

लोकतंत्र की शान : बिजनौर। नूरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम दौलतपुर बिल्लोच में रविवार रात चोरों ने एक मकान को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के जेवर और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। वारदात के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। पीड़ित एहसान ने थाने पहुंचकर घटना की तहरीर दी है, जिसके आधार पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार एहसान के घर के पीछे जंगल क्षेत्र है। इसी का फायदा उठाते हुए चोरों ने मकान की पिछली दीवार काटकर अंदर प्रवेश किया। घर में घुसने के बाद बदमाशों ने कमरों को खंगाल डाला और सेफ व संदूक के ताले तोड़ दिए। पीड़ित के मुताबिक चोर करीब पांच तोला सोने के जेवर, 15 तोला चांदी के आभूषण और एक हजार सऊदी रियाल लेकर फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के लोगों से पूछताछ की। घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए गए हैं। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही खुलासा किया जाएगा। ग्रामीणों का कहना है कि जिस गांव में यह चोरी हुई, वहीं पुलिस चौकी भी मौजूद है। इसके बावजूद चोरों का बेखौफ होकर वारदात को अंजाम देना सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। उल्लेखनीय है कि करीब तीन माह पहले नंगली जाजू गांव में भी बड़ी चोरी की घटना हुई थी, जिसका अब तक खुलासा नहीं हो सका। लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में आक्रोश है और उन्होंने रात्रि गश्त बढ़ाने की मांग की है।

छून्नन अल्वी बने AIMIM के विधानसभा अध्यक्ष, हुआ जोरदार स्वागत

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल
जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः सोमवार को क्षेत्र के गांव शाहपुर कला में ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM) की बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें पार्टी के प्रदेश में बढ़ते जन आधार को लेकर सभी ने संगठन से जुड़ने का आवाहन किया, वहीं बैठक को संबोधित करते हुए बिजनौर प्रभारी एवं वरिष्ठ नेता हाजी शहजाद खान एडवोकेट ने कहा कि पूरे प्रदेश में (AIMIM) एआईएमआईएम के समर्थन में माहौल बन रहा है उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता (AIMIM) की नीतियों से प्रभावित हो रही है और संगठन से जुड़ रही है उन्होंने दावा किया की पार्टी का संगठनात्मक ढांचा तेजी से मजबूत हो रहा है और आगामी चुनाव में इसका असर स्पष्ट दिखाई देगा, वही एससी एसटी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ टीपी सिंह ने कहा कि (AIMIM) का जन आधार लगातार बढ़ रहा है उन्होंने विश्वास दिलाया कि 2027 के विधानसभा चुनाव में पार्टी महत्वपूर्ण भूमिका मे रहेगी वहीं, जिला अध्यक्ष साजिद चौधरी ने कहा कि आने वाला समय ए आई एम आई एम का है और पार्टी ने पंचायत चुनाव की तैयारी भी शुरू कर दी है वहीं उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया, वहीं बैठक में छून्नन अल्वी को विधानसभा अध्यक्ष मनोनीत किया गया जिनका कार्यकर्ताओं ने फूल माला पहनाकर स्वागत किया, नवनियुक्त विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि वह पार्टी द्वारा दी जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाएंगे, उन्होंने कहा कि संगठन को गांव-गांव तक मजबूत करना उनका प्रमुख लक्ष्य रहेगा, उन्होंने पार्टी अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी और प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली के नेतृत्व को मजबूत करने का संकल्प व्यक्त किया, इस मौके पर मुख्य रूप से मुतालिब अहमद, युसूफ चौधरी, हाफिज आसिफ, एहसान सैफी, शहजेब सलमानी, डॉक्टर वकार चौधरी, मारूफ अंसारी, फिरोज अंसारी, सादिक कादरी आदि सहित दर्जनों कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे।

थाना सैद नंगली पुलिस ने ट्यूबवेल स्टार्टर चोरी गिरोह का किया भंडाफोड़कर

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल
जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर /सैद नंगलीः सोमवार को थाना सैद नंगली पुलिस ने ट्यूबवेल से स्टार्टर चोरी करने वाले एक ग्रह का भंडाफोड़ करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है पुलिस ने उनके कब्जे से 10 लोहे के स्टार्टर बॉक्स, 4 तेल कैप और भारी मात्रा में कॉपर का तार बरामद किया है यह कार्रवाई क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं के खुलासे के तहत की गई है, गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान जनपद संभल निवासी इकराम, आरिफ उर्फ भोला और इजराईल के रूप में हुई है, इस संबंध में थाना प्रभारी विकास कुमार शहरावत ने बताया कि पूछताछ में आरोपियों ने राजपुर, ढक्का, कालखेड़ा क्षेत्र के खेतों से स्टार्टर चोरी करने की बात स्वीकार की है, मुख्य आरोपी इकराम के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट और आर्म एक्ट सहित सात मुकदमे पहले से दर्ज हैं, पुलिस टीम में उप निरीक्षक सत्येंद्र नागर, सतवीर सिंह और रामनिवास शामिल रहे, पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

जनपद स्तर पर समस्याओं का निस्तारण सुनिश्चित करें अधिकारीः सीएम योगी

लोकतंत्र की शान

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' किया। उन्होंने यहां आए हर फरियादी से स्वयं मुलाकात की, उनकी समस्याओं को सुना और निस्तारण के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अनुरोध किया कि लखनऊ आने से पहले अपनी समस्याओं को लेकर जनपद व मंडल स्तर पर तैनात अधिकारियों से जरूर मुलाकात करें। वहां भी हर अधिकारी आमजनों की समस्याओं के उचित निराकरण के लिए प्रतिबद्ध है। यदि किन्हीं कारणों से वहां समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा हो, तो अवश्य लखनऊ आएं। सीएम योगी ने कहा कि हर परेशान व्यक्ति की समस्या का निदान सरकार की प्राथमिकता है। अधिकारी हर हाल में जनपद स्तर पर ही पीड़ितों की समस्याओं का निस्तारण करें।

उद्यमियों की समस्याओं पर मुख्यमंत्री सख्त, त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश- मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान कुछ उद्यमियों ने अपनी समस्याएं रखीं। मुख्यमंत्री ने हर एक प्रार्थना पत्र को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों, विशेषकर उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) एवं जिला प्रशासन को तत्काल और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि प्रदेश में निवेश का बेहतरीन इकोसिस्टम तैयार किया गया है और सरकार ने सिंगल विंडो सिस्टम सहित कई पारदर्शी व्यवस्थाएं लागू की हैं। यदि किसी उद्यमी को किसी भी स्तर पर परेशानी होती है, तो उसे प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाए। उन्होंने दो टूक कहा कि निवेश और उद्योग विकास में किसी भी प्रकार की देरी या लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

ओडीओपी और ओडीओसी योजनाएं लोकल टू ग्लोबल मॉडल का जीवंत उदाहरण हैं - सीएम योगी आदित्यनाथ

लोकतंत्र की शान

लखनऊ। राज्यपाल के अभिभाषण पर विधान परिषद में धन्यवाद प्रस्ताव की चर्चा में हिस्सा लेते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में पिछले नौ वर्षों में एमएसएमई, स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रगति हुई है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश की स्थिति काफी चुनौतीपूर्ण थी, जहां एमएसएमई क्षेत्र मृतप्राय सा हो चुका था और निराशा का माहौल था। लेकिन हमारी सरकार ने ओडीओपी और ओडीओसी योजनाओं के माध्यम से प्रदेश के परंपरागत उत्पादों को नई पहचान दी है। वर्तमान में एमएसएमई सेक्टर में प्रदेश के 3 करोड़ से अधिक युवाओं को रोजगार मिला है। स्वास्थ्य और फार्मा क्षेत्र में भी प्रदेश ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। आज उत्तर प्रदेश आत्मनिर्भरता और विकास के नए अध्याय लिख रहा है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि ओडीओपी योजना के माध्यम से प्रदेश के प्रत्येक जनपद के विशिष्ट उत्पादों की ब्रांडिंग, डिजाइन, टेक्नोलॉजी और मार्केटिंग में सुधार किया गया है। प्रदेश के स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार से जोड़ने का सकारात्मक परिणाम यह है कि प्रदेश का निर्यात, जो वर्ष 2017 में मात्र 84 हजार करोड़ रुपये के आसपास था, लगभग दोगुना बढ़कर आज 1.86 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है, जिसमें ओडीओपी योजना के हस्तशिल्प और परंपरागत उत्पादों का हिस्सा करीब 50 प्रतिशत है। योजना से 3.16 लाख से अधिक रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। वर्तमान में प्रदेश के 77 से अधिक उत्पादों को जीआई टैग मिल चुका है, जो वैश्विक बाजार में उनकी गुणवत्ता की गारंटी देते हैं। प्रदेश में करीब 96 लाख एमएसएमई यूनिट्स कार्यरत हैं, जो 3 करोड़ से अधिक युवाओं को रोजगार प्रदान कर रही हैं। पीएम विश्वकर्मा योजना और अन्य कार्यक्रमों से हस्तशिल्पियों और कारीगरों को सम्मान और सहायता मिल रही है।

भारतीय किसान यूनियन (अंबावता) ने विभिन्न मांगों को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर : सोमवार को भारतीय किसान यूनियन(अंबावता) के कार्यकर्ताओं ने किसानों से संबंधित विभिन्न समस्याओं राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय मुद्दों को लेकर प्रदर्शन किया, संगठन द्वारा राष्ट्रपति महोदय के नाम संबोधित एक ज्ञापन एसडीएम हिमांशु उपाध्याय को सोपा गया, जिसमें मांगों को जल्द से जल्द पूरा किए जाने की अपील की गई वही ज्ञापन में भारत अमेरिका ट्रेड डील को रद्द किए जाने की मांग की गई, साथ ही किसान हित में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को कानूनी दर्जा दिए जाने तथा विधवा एवं वृद्धावस्था पेंशन की राशि बढ़ाकर 5000 किए जाने एवं देश के समस्त किसानों का कर्ज माफ किए जाने, शिक्षा व चिकित्सा को पूरी तरह निशुल्क किए जाने सहित स्वास्थ्य सेवाओं में हो रही अनियमितताओ पर भी चिंता जताई, संगठन द्वारा गली मोहल्ले में बिना डिग्री चल रहे अवैध निजी अस्पतालों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई साथ ही नगर के रहरा अड्डे पर संचालित संजीवनी अस्पताल के संचालन में मिली भगत का आरोप लगाते हुए तत्काल बंद किए जाने की मांग की गई, एवं ग्राम्रोला में प्राथमिक विद्यालय के पास स्थित तालाब की खुदाई पर सफाई का मुद्दा भी उठाया गया इस मौके पर मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष सुरेंद्र लोहिया, जगबीर सिंह मौर्य, युवा जिला अध्यक्ष अयूब खान, राजवीर सिंह, अमरजीत सिंह, अयान, शमशाद सैफी, नफीस अहमद, इरशाद मलिक, राम अवतार नफीस अहमद आसाराम चंदन सिंह आदि सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नजीबाबाद में कूड़े के ढेर में अज्ञात नवजात का शव मिला, इलाके में हड़कंप

लोकतंत्र की शान, (खिज्र अहमद)

नजीबाबाद के भारत टॉकीज के पास रेलवे लाइन के किनारे कूड़े के ढेर में एक अज्ञात नवजात शिशु का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई और क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मिली जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह स्थानीय लोगों ने कूड़े के ढेर में एक नवजात बच्चे का शव पड़ा देखा। शव पूरी तरह नंगा था और सूचना मिलते ही नजीबाबाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने बताया कि शिशु की उम्र कुछ ही घंटों की लग रही है। क्षेत्र में तरह तरह की चर्चाओं का विषय बना हुआ है शव के साथ कोई भी पहचान पत्र या कपड़े नहीं मिले हैं, जिससे बच्चे की मां या परिवार की तलाश मुश्किल हो रही है। पुलिस ने आसपास के इलाकों में पूछताछ शुरू कर दी है और सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि दोषियों तक पहुंचा जा सके। ऐसी घटनाएं समाज में गहरी चिंता पैदा करती है पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है

वोटर लिस्ट से नाम काटने की साज़िश का आरोप

लोकतंत्र की शान

कर्नलगंज (गोण्डा)। नगर क्षेत्र कर्नलगंज के भाग संख्या 18 स्थित मोहल्ला भैरवनाथ पुरवा के दर्जनों निवासियों ने मतदाता सूची से नाम काटने की कथित साजिश का गंभीर आरोप लगाया है। इस संबंध में सोमवार को युवा समाजसेवी मोहम्मद साजिद सिद्दीकी के नेतृत्व में मोहल्लेवासियों ने उपजिलाधिकारी/निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, विधानसभा क्षेत्र 298 कर्नलगंज को प्रार्थना पत्र सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच व कार्रवाई की मांग की है। प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि कुछ अज्ञात व्यक्तियों द्वारा मतदाताओं के नाम सूची से हटवाने हेतु फॉर्म-7 भरकर बीएलओ के पास जमा कराया गया है। जबकि जिन नागरिकों के नाम से आपत्ति दर्ज कराई गई है, उनसे संपर्क करने पर उन्होंने साफ इनकार किया है कि उन्होंने कोई फॉर्म-7 भरा है या किसी का नाम काटने के लिए आवेदन किया है। उनका कहना है कि किसी ने उनके नाम का दुरुपयोग करते हुए फर्जी तरीके से फॉर्म जमा किया है। निवासियों ने आरोप लगाया कि यह कृत्य लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है और इससे क्षेत्र के मतदाताओं में आक्रोश व्याप्त है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि संबंधित फॉर्म-7 की तत्काल जांच कर उसे निरस्त किया जाए। साथ ही जिन लोगों ने कथित रूप से फर्जीवाड़ा किया है उक्त लोगों व संबंधित बीएलओ के विरुद्ध भी वैधानिक कार्रवाई की जाए। प्रार्थना पत्र पर फिरोज आलम, रहीसा बानो, मोहम्मद कलीम, मोहम्मद अल्ताफ, परवीन बानो, मोहम्मद फैसल, मोहम्मद इकराम, मोहम्मद जावेद, तौफीक अहमद, मोहम्मद जलील, अफसर जहां, मुस्तकीम और मोहम्मद जुनैद सहित कई लोगों के हस्ताक्षर हैं। मामले में प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने तथा मतदाता सूची में उनके नाम सुरक्षित रखने की मांग की गई है। मामले को गंभीरता से संज्ञान लेकर उपजिलाधिकारी नेहा मिश्रा ने जांच कराकर सख्त कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस गंभीर प्रकरण में क्या कदम उठाता है और जांच के बाद क्या तथ्य सामने आते हैं।

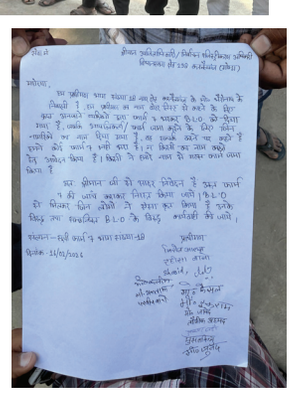

नागरिकों के लिए स्व-गणना की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी, जिसके माध्यम से वे वेब पोर्टल पर स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे

लोकतंत्र की शान

रामपुर। मुख्य विकास अधिकारी, गुलाब चन्द्र की अध्यक्षता में विकास भवन में जिला स्तरीय जनगणना समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनगणना-2027 की तैयारियों की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि जनगणना देश की एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिसके आधार पर विभिन्न विकास योजनाओं का निर्माण एवं प्रभावी क्रियान्वयन किया जाता है। उन्होंने निर्देशित किया कि जनगणना-2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत प्रस्तावित हाउस लिस्टिंग ब्लॉक्स से संबंधित समस्त कार्यों को सुचारू एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराने हेतु कार्मिकों की सूची शीघ्र तैयार की जाए, ताकि मई से जून 2026 के मध्य हाउस लिस्टिंग कार्य के लिए प्रशिक्षण दिया जा सके और कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण हो। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि प्रथम चरण में घरों का सूचीकरण किया जाएगा। भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार दूसरे चरण की प्रक्रिया संपन्न होगी। इस बार जनगणना पूर्णतः डिजिटल मोड में की जाएगी, जिसमें नियुक्त कर्मी मोबाइल ऐप के माध्यम से घर-घर जाकर डेटा संकलित करेंगे। साथ ही नागरिकों के लिए स्व-गणना की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी, जिसके माध्यम से वे वेब पोर्टल पर स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय बनाकर जनगणना कार्य में सक्रिय सहयोग प्रदान करने, कार्मिकों की नियुक्ति, प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा आवश्यक मूलभूत व्यवस्थाओं को समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही जनगणना-2027 के लिए निर्धारित मानकों एवं दिशा-निर्देशों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के निर्देशित किया। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) श्री संदीप कुमार वर्मा, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी श्री सूर्य प्रकाश, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुश्री कल्पना देवी, जिला पंचायत राज अधिकारी, नत्थू लाल, सूचना विज्ञान अधिकारी, अजहर खां सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

ईशान किशन की धमाकेदार पारी की पाकिस्तान में भी गूंज, पाक पत्रकार और शोएब अख्तर बोले-कमाल का कमबैक

लोकतंत्र की शान : पटना। ईशान किशन की इस ज़ोरदार पारी की चर्चा पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान में भी हुई है। पाकिस्तान के पत्रकार शहजार इक़बाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "दो महीने पहले तक टी20 वर्ल्ड कप के लिए ईशान किशन प्लान का हिस्सा भी नहीं थे। लेकिन अब उन्होंने भारत के लिए पाकिस्तान के गेंदबाजी अटैक की हालत खराब कर दी। क्या कमाल का कमबैक है।" भारत के पूर्व क्रिकेटर इरफ़ान पठान ने भी कहा कि, 'ईशान किशन ने पाकिस्तान को सरप्राइज कर दिया।' पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शोएब अख्तर ने कहा कि ईशान किशन ने कमाल कर दिया।

खेल पत्रकार बोरिया मजूमदार ने उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि, 'अब तमाम मुश्किलों का सामना करने के बाद ईशान किशन एक बेहतर क्रिकेटर बन गए हैं। ईशान किशन को खुद को गहराई से समझना पड़ा और नए सिरे से पहचानना पड़ा। टिके रहने के लिए उन्हें अपनी असली पहचान तलाशनी पड़ी। अब वह एक बेहतर इंसान हैं, दुनिया का सामना करने के लिए बेहतर रूप से तैयार हैं।"

पटना में पत्रकारों से बातचीत के दौरान इंडियन क्रिकेटर ईशान किशन के पिता प्रणव कुमार पांडे ने कहा कि, "हमें खुशी है। हमें गर्व है कि हमारी टीम इंडिया जीती... हमें उम्मीद है कि यह परफॉर्मेंस जारी रहेगी और इंडिया जीतता रहेगा... ईशान ने इन दो सालों में बहुत मेहनत की और लगातार डोमेस्टिक क्रिकेट खेला, बैटिंग पर फोकस किया..." इंडियन क्रिकेटर ईशान किशन की मां सुचित्रा सिंह ने भी टीम इंडिया की जीत पर खुशी जाहिर किया।

वेटिंग रूम में गूंजी किलकारी, 'ऑपरेशन मातृ शक्ति' के तहत गर्भवती की सुरक्षित डिलीवरी

लोकतंत्र की शान : पटना। पटना साहिब रेलवे स्टेशन पर सोमवार को एक गर्भवती महिला ने वेटिंग रूम में एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और जीआरपी पुलिसकर्मियों ने 'ऑपरेशन मातृ शक्ति' के तहत त्वरित कार्रवाई किया और महिला की सुरक्षित डिलीवरी सुनिश्चित की। रेलवे सुरक्षा बल के सब इंस्पेक्टर अवनीश कुमार ने बताया कि बिहटा सदीशोपुर की रेखा कुमारी अपने पति पिंटू कुमार के साथ ट्रेन पकड़ने के लिए स्टेशन पर इंतजार कर रही थीं। इसी दौरान उन्हें अचानक तेज प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सुरक्षाकर्मियों को तुरंत सूचित किया गया। आरपीएफ और जीआरपी की टीम ने बिना देर किए वेटिंग रूम को खाली कराया और आवश्यक व्यवस्थाएं कीं। स्टेशन पर उपलब्ध संसाधनों और प्रशिक्षित महिला कर्मियों की मदद से सुरक्षित प्रसव कराया गया। थोड़ी ही देर में महिला ने एक स्वस्थ लड़के को जन्म दिया। इसके बाद एंबुलेंस की व्यवस्था कर मां और नवजात को पास के एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने बताया कि जच्चा-बच्चा दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं। आरपीएफ अधिकारियों के अनुसार, 'ऑपरेशन मातृ शक्ति' का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को आपात स्थिति में त्वरित और संवेदनशील सहायता प्रदान करना है। इस अभियान के तहत रेलवे स्टेशनों पर तैनात बलों को ऐसी परिस्थितियों से निपटने के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। इस सराहनीय पहल के लिए स्थानीय लोगों और यात्रियों ने पुलिसकर्मियों की प्रशंसा की। यात्रियों ने सुरक्षाकर्मियों की तत्परता और मानवीय संवेदना को सराहा।

सहजानंद सरस्वती को भारत रत्न देने की मांग, पटना में भाजपा ने मनाई जयंती, कहा-वो युग पुरुष हैं

लोकतंत्र की शान : पटना। स्वामी सहजानंद किसान वाहिनी की ओर से रवींद्र रंजन की अध्यक्षता में पटना के बीआईए सभागार में महान किसान नेता स्वामी सहजानंद सरस्वती की जयंती समारोह मनाई गई। इस दौरान बिहार भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री भिखूभाई दालसानिया ने कहा कि स्वामी सहजानंद सरस्वती की प्रासंगिकता कल भी थी, आज भी है और रहेगी भी। सहजानंद ने पहली बार किसानों को राष्ट्रीय स्तर पर संगठित करने का कार्य किया था। उनके कार्यों का ही नतीजा था कि किसान भारतीय राजनीति की मुख्य धारा से जुड़ पाए। सहजानंद के आह्वान पर स्वतंत्रता आंदोलन में किसानों ने भाग लिया जिससे स्वतंत्रता आंदोलन की धारा व्यापक हुई। उनके कार्यों की वजह से ही देश भर से जमींदारी प्रथा का उन्मूलन हुआ और देश भर कि किसान अपने खेतों के मालिक बहाल हो पाए। भीखूभाई दलसानिया ने यह भी कहा कि सहजानंद को न सिर्फ उनके किसान आंदोलन के लिए याद किया जाएगा, बल्कि उनके धार्मिक सुधार और सामाजिक न्याय का उल्लेख भी प्रासंगिक बना रहेगा। सहजानंद ने आजीवन गरीबों, दलितों और किसानों की लड़ाई लड़ी। सहजानंद की कार्यशैली से आज के राजनेताओं को प्रेरणा लेना चाहिए। सहजानंद त्याग के प्रतीक पुरुष थे। वहीं समारोह के अध्यक्षीय भाषण के दौरान स्वामी सहजानंद किसान वाहिनी के अध्यक्ष व भाजपा नेता रवींद्र रंजन ने कहा कि स्वामी जी एक ऐसे युग पुरुष हैं, जो ऐतिहासिक अंधकार में हैं जबकि उनकी बातें आज भी व्यावहारिक रूप से लागू होती है।

मुखिया पर लड़के ने बैड टच का लगाया आरोप, नाबालिग से छेड़छाड़, आरोपी 2 बार पहले भी जा चुका है जेल

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली के बरांटी थाना क्षेत्र में काशीपुर चकबीबी पंचायत के मुखिया अर्जुन सिंह पर एक नाबालिग बच्चे से अप्राकृतिक यौन संबंध बनाने का प्रयास करने का गंभीर आरोप लगा है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता नाबालिग ने पुलिस को बताया कि 9 फरवरी 2026 को शाम लगभग 6 बजे मुखिया अर्जुन सिंह ने उसे 'किसान सम्मान निधि योजना' की जानकारी देने के बहाने बुलाया था। मुखिया ने नाबालिग को काशीपुर चकबीबी वार्ड नंबर 12 के कचड़ा भवन नहर के किनारे मिलने को कहा। नाबालिग के अनुसार, जैसे ही वह निर्धारित स्थान पर पहुंचा, मुखिया ने उसे जबरदस्ती कचड़ा भवन में ले जाकर अप्राकृतिक यौन संबंध बनाने का दबाव डाला। आरोप है कि मुखिया ने नाबालिग के निजी अंगों को पकड़कर दबाया, जिससे उसे गंभीर दर्द और मानसिक तनाव हुआ।

जब नाबालिग ने मदद के लिए चिल्लाने की कोशिश की, तो मुखिया ने उसका मुंह दबा दिया और उसके गाल पर जोर से दांत काट दिए। किसी तरह नाबालिग ने अपनी जान बचाई और घर पहुंचकर माता-पिता और ग्रामीणों को पूरी घटना की जानकारी दी। नाबालिग के पिता भरण-पोषण के लिए बाहर रह रहे थे। उनके घर लौटने के बाद 12 फरवरी 2026 को शिकायत दर्ज कराई गई। इस पर बरांटी थाना पुलिस ने मुखिया अर्जुन सिंह के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

अन्तर्राष्ट्रीय इस्सयोग समाज के तत्वावधान में महाशिवरात्रि महोत्सव सम्पन्न

लोकतंत्र की शान , विनोद कुमार सिंहअहंकार

» तीन सौ से अधिक नव-जिज्ञासुओं को दी गई शक्तिपात-दीक्षा*साधना-पथ की सबसे बड़ी बाधा है। थोड़ी-सी आध्यात्मिक उपलब्धि भी साधक के भीतर अहंकार का अंकुर उत्पन्न कर देती है,जो उसे साधना के मार्ग से विचलित कर सकता है

पटना। आध्यात्मिक चेतना,श्रद्धा और साधना के विराट संगम के रूप में अन्तर्राष्ट्रीय इस्सयोग समाज द्वारा आयोजित महाशिवरात्रि महोत्सव बिहार की राजधानी पटना के 1 माल रोड स्थित विशाल पण्डाल में भावपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस महा महोत्सव में देश-विदेश से आए पाँच हजार से अधिक इस्सयोगियों और श्रद्धालुओं की सहभागिता ने इस आयोजन को वैश्विक आध्यात्मिक चेतना का दिव्य उत्सव बना दिया।इस अवसर पर संस्था की अध्यक्ष एवं ब्रह्मनिष्ठ सद्गुरुमाता माँ विजया जी ने अपने आशीर्वचन में कहा कि अहंकार साधना-पथ की सबसे बड़ी बाधा है। थोड़ी-सी आध्यात्मिक उपलब्धि भी साधक के भीतर अहंकार का अंकुर उत्पन्न कर देती है,जो उसे साधना के मार्ग से विचलित कर सकता है। उन्होंने साधकों से आग्रह किया कि सद्गुरु में अखंड प्रीति रखते हुए निरंतर यह प्रार्थना करें कि उच्चतम आध्यात्मिक उपलब्धि के बाद भी अहंकार का प्रवेश न हो।माँ विजया जी ने कहा कि प्रत्येक मानव में शिव और शक्ति का वास है और इस्सयोग की साधना से शिव-शक्ति के एकत्व का अनुभव संभव है। उन्होंने मन की शक्ति और चंचलता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मन ही समस्या का कारण भी है और समाधान भी।श्रद्धा,विश्वास और निरंतर अभ्यास से मन शुद्ध होता है और आत्मा का प्रकाश स्वयं प्रकट होने लगता है।आंतरिक साधना की तुलना उन्होंने सूर्य-किरणों को एक बिंदु पर केंद्रित करने वाले मैग्निफाइंग ग्लास से करते हुए कहा कि जब मन की शक्तियाँ एकाग्र होती हैं,तब अद्भुत आध्यात्मिक उपलब्धियाँ संभव होती हैं। आज के महामहोत्सव का शुभारंभ पूर्वाह्न दस बजे सामूहिक 'ओमकारम' के उद्घोष के साथ हुआ।संस्था के संयुक्त सचिव सरोज गुटगुटिया ने देश-विदेश से आए इस्सयोगियों और अतिथियों का अभिनन्दन करते हुए इस्सयोग की सूक्ष्म साधना-पद्धति की दिव्यता का परिचय कराया।संयुक्त सचिव संदीप गुप्ता ने शिव-विवाह के रोचक प्रसंगों का कथात्मक वर्णन करते हुए शिव-तत्त्व की महिमा पर प्रकाश डाला।भजन-संकीर्तन, शिव-स्तुति,रुद्राष्टकम तथा प्रभात झा व गोल्डी द्वारा प्रस्तुत 'शिव ताण्डव स्तोत्र' ने वातावरण को भक्तिरस से सराबोर कर दिया। संस्था के संयुक्त सचिव डॉ. अनिल सुलभ ने बताया कि कुमार सहाय वर्मा, दीनानाथ शास्त्री,इशा कुमारी, सीमा बाबेजा,सुनील कुमार, संगीता ठाकुर, संतोष कुमार, निहारिका, सुमन सुहसरिया, गिरिजा शंकर सहित अनेक इस्सयोगियों ने अपने आध्यात्मिक अनुभव साझा किए।बाल इस्सयोगियों ने भी अपनी अनुभूतियाँ सुनाकर उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया। महोत्सव के अंतर्गत गोला रोड स्थित संस्था के 'एम एस एम बी भवन' में शक्तिपात-दीक्षा कार्यक्रम आयोजित किया गया,जिसमें माँ विजया जी ने तीन सौ से अधिक नव-जिज्ञासु साधकों को इस्सयोग साधना आरंभ करने हेतु दीक्षा प्रदान की। कार्यकारणी की बैठक, सांस्कृतिक कार्यक्रम,जगत-कल्याण हेतु सामूहिक ब्रह्मांड- साधना और महाप्रसाद के साथ महोत्सव का समापन हुआ। इस भव्य आयोजन में नीना दुबे गुप्ता,पूर्व विधायक नीलम सिंह, लक्ष्मी प्रसाद साहू,शिवम् झा, वंदना वर्मा,अनंत कुमार साहू,अजीत पटनायक,डॉ. द्राशनिका सोलंकी सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों, संस्था के कार्यकारणी समिति सदस्य और स्वयंसेवकों की सक्रिय सहभागिता रही।यह महाशिवरात्रि महोत्सव साधना,श्रद्धा और मानव-चेतना के उत्कर्ष का एक स्मरणीय अध्याय बन गया।

कोरिया के आर्किटेक्ट को मिली पटना हाईकोर्ट से जमानत

लोकतंत्र की शान , पटना

♦ वीजा एक्सपायर होने के बाद भी भारत में रह रहे थे, डॉक्यूमेंट बनवाने गए रक्सौल

साउथ कोरिया के जाने माने आर्किटेक्ट किम यांग को पटना हाईकोर्ट से 1 साल के बाद जमानत मिल गई है। पिछले साल ये नेपाल बॉर्डर के पास वीजा बनवाने गए थे। इसी बीच रक्सौल के एक होटल से पकड़े गए थे। पुलिस ने जब उनसे पूछताछ की तो कोई वैलिड डॉक्यूमेंट्स नहीं मिले। उनको गिरफ्तार कर लिया गया।

यांग ने पुलिस की पूछताछ में बताया कि पिछले 6 साल से भारत की अलग-अलग हिस्सों में रह रहे थे। यहां की लड़की से शादी की थी। बच्चा भी था। उनका वीजा 2021 में एक्सपायर कर गया था उसे बनवाने आए थे। इसके बाद यंग को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इनके खिलाफ रक्सौल थाने में Immigration and Foreigners Act के तहत केस दर्ज किया गया।

किम यांग डे के वकील कुमार हर्षवर्धन ने बताया कि कल संभवत जेल से बाहर आ सकते हैं। प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। वर्ष 2021 में वीजा की वैलिडिटी खत्म हो गई थी। डॉक्यूमेंट बनवाने के लिए रक्सौल गए थे। इसी दौरान पुलिस ने अरेस्ट कर लिया। कोर्ट ने सशर्त जमानत दी है। बेल में उनकी पत्नी जैरोसा ग्रांटर बनी हैं। कोर्ट के आदेशानुसार, पासपोर्ट जमा करेंगे। हर डेट पर उपस्थित रहेंगे। ट्रायल के दौरान सहयोग करेंगे। किम यांग डे कोरिया के जाने माने आर्किटेक्ट हैं।

कोढ़ा थाना में महाशिवरात्रि पर शिव-पार्वती विवाह की अनूठी परंपराः थाना अध्यक्ष के साथ अपर थाना अध्यक्ष ने भी रचाई धर्मपत्नी संग वैदिक विवाह

लोकतंत्र की शान , सुमन सिंह कटिहार

कटिहार के कोढ़ा थाना परिसर में शिवरात्रि के महापर्व में एक ऐसी अनोखी परंपरा निभाई गई है जिसने सबका मन मोह लिया। दरअसल कोढ़ा थाना परिसर स्थित शिव मंदिर में पिछले 30 सालों से एक अद्भुत परंपरा चली आ रही है, महाशिवरात्रि के दिन थाना अध्यक्ष शिव स्वरूप धारण कर अपनी धर्मपत्नी के साथ वैदिक रीति-रिवाजों से विवाह करते हैं।यह परंपरा पुलिस और जनता के बीच आस्था और विश्वास का प्रतीक बन गई है। लेकिन इस साल यह परंपरा और भी खास बन गई। पहली बार थाना अध्यक्ष के साथ-साथ अपर थाना अध्यक्ष ने भी अपनी धर्मपत्नी संग इस पवित्र विवाह में हिस्सा लिया और इसे एक ऐतिहासिक आयोजन बना दिया,थाना अध्यक्ष सुजीत कुमार और अपर थाना अध्यक्ष कुणाल कुमार ने अपनी-अपनी धर्मपत्नियों के साथ पूरे विधि-विधान से शिव और पार्वती के स्वरूप में विवाह की सभी रस्में पूरी कीं। इस दौरान थाना परिसर से बाबा भोलेनाथ की भव्य बारात भी निकाली गई,जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु "हर हर महादेव" और "जय भोलेनाथ" के जयकारों से पूरे वातावरण को गुंजायमान कर रहे थे।इस दिव्य विवाह समारोह में जनप्रतिनिधि,समाजसेवी और स्थानीय ग्रामीण बड़ी संख्या में मौजूद रहे,पारंपरिक रीति-रिवाज, वरमाला और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच यह विवाह संपन्न हुआ। महिलाओं ने उत्साह से विवाह गीत गाए और सभी ने इस अनोखी परंपरा को श्रद्धा के साथ देखा, थाना अध्यक्ष सुजीत कुमार ने कहा कि यह परंपरा पुलिस और जनता के बीच संबंध मजबूत करती है, जबकि अपर थाना अध्यक्ष कुणाल कुमार ने इसे अपने जीवन का सबसे सौभाग्यपूर्ण क्षण बताया, वाकई,यह एक ऐसी मिसाल है जो हमें आस्था,सेवा और एकजुटता का संदेश देती है!

जनता की समस्या का हो त्वरित समाधान विद्युत विभाग को दिया निर्देशः तारिक अनवर

लोकतंत्र की शान , सुमन सिंह कटिहार

कटिहार सांसद तारिक अनवर ने सोमवार को बारसोई प्रखंड के विभिन्न क्षेत्र का दौरा किया साथ ही स्थानीय ग्रामीण से मिलकर स्थानीय समस्याओं से भी अवगत हुए इस दौरान सांसद तारीक अनवर ने बारसोई में विद्युत विभाग के कई पदाधिकारी के साथ बैठक भी किया साथ ही क्षेत्र में बिजली से जुड़ी समस्याओं और जनता को हो रही परेशानी से सांसद ने अवगत कराते हुए विद्युत विभाग के अधिकारियों को जनता की समस्या के त्वरित समाधान करने का निर्देश दिया इसके अलावा क्षेत्र में बिजली व्यवस्था को और भी दुरुस्त करने का निर्देश देते हुए कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर भी चर्चा किया। सांसद ने रघुनाथपुर चौक,ग्वालटोली ईदगाह खेल मैदान,इमादपुर हाट,बिघोर हाट,बसलगांव के कोटरा और रंगामटीया में सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना अंतर्गत हाई मास्ट टावर लाइट का उद्घाटन किया। वहीं सांसद तारीक अनवर ने सुधानी और तेलता रेलवे स्टेशन से राधिकापुर-सिलिगुड़ी डी०एम०यू ट्रैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।इस दौरान सांसद तारिक अनवर ने कहा कि जनता की समस्या को दूर करना और क्षेत्र के विकास को रफ्तार देना ही हमारे लिए पहली प्राथमिकता है उन्होंने कहा कि बारसोई प्रखंड के अलग-अलग क्षेत्र का भ्रमण करते हुए लोगों की समस्याओं को भी सुना है साथ ही कई जगहों पर हाई मस्त टावर लाइट का भी उद्घाटन किया जबकि सुधानी-तेलता स्टेशन पर जनता की मांग थी कि राधिकापुर-सिलिगुड़ी डी०एम०यू ट्रैन का ठहराव हो इस मांग को भी पूरा किया गया है और इसी के तहत सुधानी-तेलता स्टेशन पर राधिकापुर-सिलिगुड़ी डी०एम०यू ट्रैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया हैं उन्होंने कहा कि आगे जनता की और भी जो मांगे है उसे जल्द पूरा किया जाएगा।मौके पर कटिहार कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सुनील कुमार यादव,शहनवाज खान,नगीना यादव,सउद मुखिया,ई०तनवीर शम्सी,मो०हबीब,फैजान अहमद सहित कई स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बुद्धिजीवी लोग भी मुख्य रूप से मौजूद रहे।

महापौर ने जनता दरबार में सुनी समस्या

लोकतंत्र की शान , सुमन सिंह कटिहार

कटिहार प्रत्येक सोमवार की भांति इस सोमवार को भी नगर निगम के महापौर ऊषा देवी अग्रवाल के कार्यालय में जनता दरबार का आयोजन किया गया। महापौर ने अपने कार्यालय कक्ष में आये सभी 33 फरियादियों की समस्या सुनी! सभी फरियादियों की समस्या सुन त्वरित कारवाई करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को उचित दिशा-निर्देश दिया गया! जनता दरबार में प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना,सड़क व नाला निर्माण,बिजली पोल एवं लाइट,रास्ते एवं अतिक्रमण से जुड़े विवाद,नालों की साफ-सफाई, सड़क अतिक्रमण करने वाले पे होगी करवाई एवं अन्य मामलों से संबंधित मामले भी आए। महापौर के द्वारा पिछले जनता दरबार में आये सभी आवेदनों की समीक्षा भी की गई।

पीएमसीएच में हड्डी रोग विभाग को मिलेंगी 3 एनेस्थेशिया मशीनें

लोकतंत्र की शान , पटना

राजधानी के पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (PMCH) में इलाज व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए बड़ा कदम उठाया जा रहा है। अस्पताल के हड्डी रोग विभाग को जल्द ही तीन एनेस्थेशिया वर्क स्टेशन मशीनें उपलब्ध कराई जाएंगी। इन मशीनों के आने से जटिल सर्जरी के दौरान मरीजों को बेहोश करने की प्रक्रिया सुगम होगी और ऑपरेशन की लंबी वेटिंग लिस्ट में भी कमी आएगी।

एक साथ कई ऑपरेशन टेबल होंगे संचालितः अभी तक हड्डी रोग विभाग में एनेस्थेशिया वर्क स्टेशन की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण एक साथ कई ऑपरेशन करना संभव नहीं हो पाता था। खासकर जटिल ऑर्थोपेडिक सर्जरी के दौरान एनेस्थेशिया देने में तकनीकी दिक्कतें आती थीं, जिससे ऑपरेशन की गति प्रभावित होती थी। नई व्यवस्था के बाद विभाग में एक साथ कई

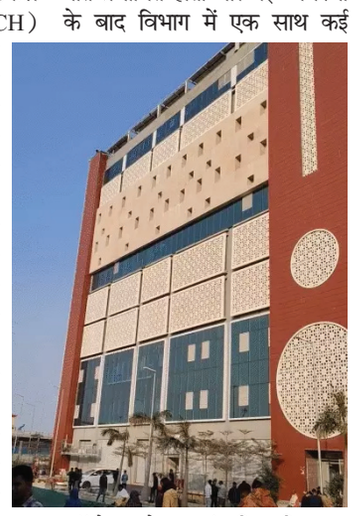

ऑपरेशन टेबल संचालित किए जा सकेंगे, जिससे मरीजों को समय पर सर्जरी की सुविधा मिलेगी।

पटना के जमुनीचक में रहस्यमय बीमारी, 15 दिन में दो मौत, दो मरीज पीएमसीएच रेफर

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना के बाढ़ अनुमंडल स्थित जमुनीचक गांव में एक रहस्यमय बीमारी ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। पिछले पंद्रह दिनों में दो युवकों की मौत हो चुकी है, जबकि पांच अन्य गंभीर रूप से बीमार होकर अस्पताल में भर्ती हैं। कई और ग्रामीणों में भी समान लक्षण देखे जा रहे हैं, जिससे गांव में भय का माहौल है। मृतकों की पहचान मनीष और कुणाल के रूप में हुई है। ग्रामीणों के अनुसार, मरीजों को पहले पेट और सिर में तेज दर्द होता है, फिर उल्टी शुरू हो जाती है। तीन-चार दिनों में संक्रमण तेजी से बढ़ता है, चेहरा पीला पड़ जाता है और शरीर सुस्त हो जाता है। कुछ मामलों में नाक और मुंह से खून निकलने की भी बात सामने आई है।

स्थानीय अस्पताल से पटना रेफरः बीमारों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती करने के बाद सीधे पटना रेफर किया जा रहा है। ग्रामीण इंदु देवी का कहना है कि जिन लोगों की मौत हुई है या जो बीमार हैं, वे गांव से बाहर काम करने नहीं गए थे। उन्होंने ज्वाला नामक युवक का उदाहरण देते हुए बताया कि वह चापाकल से पानी भरते समय अचानक गिर पड़ा और अब उसका इलाज चल रहा है। उचित कुमार ने बताया कि 15 दिनों में दो युवकों की मौत हो चुकी है और चार का इलाज अलग-अलग अस्पतालों में चल रहा है। एक युवक की मेडिकल रिपोर्ट में लिवर, किडनी, खून और दिमाग में समस्या बताई गई थी। मौत के समय उसके मुंह और नाक से खून निकलने की बात भी सामने आई है।

स्थानीय विधायक डॉ. सियाराम सिंह ने कहा कि शहरी पंचायत के जमुनीचक गांव में हुई दो मौत का कारण पता नहीं चल सका है। उन्होंने पटना के सिविल सर्जन को फोन कर मामले की जानकारी दी है। विधायक के मुताबिक, पटना से जल्द ही एक मेडिकल टीम जांच के लिए गांव पहुंचेगी। दो बच्चे अभी इलाजरत हैं। उन्होंने उच्चस्तरीय जांच की मांग की है और आश्वासन दिया है कि बीमारी का कारण पता लगाकर तुरंत इलाज की व्यवस्था की जाएगी।

जादू-टोना से लेकर निपाह तक की चर्चाः रहस्यमय बीमारी के कारण गांव में दहशत का माहौल है। दूसरे टोले के लोग प्रभावित परिवारों के घरों की ओर जाने से भी कतरा रहे हैं। शुरुआत में कुछ महिलाओं ने जादू-टोना की आशंका जताई और झाड़-फूंक कराई, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। बाद में डॉक्टरों से संपर्क किया गया। ग्रामीणों का कहना है कि बीमारी को लेकर स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पा रही है। गांव में कुछ लोग इसे निपाह वायरस से जोड़कर देख रहे हैं, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल स्वास्थ्य शिविर लगाकर सभी लोगों की जांच कराने और बीमारी के कारणों का पता लगाने की मांग की है। फिलहाल, स्वास्थ्य विभाग की टीम के आने का इंतजार है। जांच रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि बीमारी का वास्तविक कारण क्या है।

ख़ास ख़बर

हिसार : जरुरतमंद बच्चों के उत्थान के लिये प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ

लोकतंत्र की शान : हिसार। भीख नहीं किताब दो संस्था की ओर से जरुरतमंद बच्चों को समाज में सिर ऊंचा करके जीना सिखाने की दिशा में किये जा रहे प्रयासों की कड़ी में संस्था ने अब रॉयल मेकरेम के सहयोग से गांव आर्यनगर में स्वाभिमान प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ किया है। भीख नहीं किताब दो संस्था की संचालक अनु चिनिया ने सोमवार को बताया कि यह कदम उन बच्चियों को स्वावलंबी बनाने के लिए उठाया गया है जो भीख मांगती है और कबाड़ बीनने का काम करती हैं। प्रशिक्षण केंद्र में संस्था टीम के सदस्य और रॉयल मेकरेम की संचालिका रेणुका जाखड़ द्वारा बालिकाओं को प्रशिक्षित करने के साथ-साथ उन्हें काम भी दिलवाया जाएगा, ताकि वे स्वाभिमान से जी सके, उन्हें समाज में सम्मान मिल सके। आर्य नगर स्थित चार्विक इंटरप्राइजेज के स्वामी और संस्था के मार्गदर्शक रिटायर्ड प्रिंसिपल राजिंद्र जाखड़ ने इस पुनीत कार्य के लिए अपना भवन निःशुल्क उपलब्ध करवाया है। केंद्र का शुभारंभ लाडली चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक अनिल सिंगला ने मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित होकर किया व अपनी ओर से प्रशिक्षण केंद्र में तीन सिलाई मशीनें भेंट की तथा मेकरेम आर्ट का मैटेरियल भी जल्द ही उपलब्ध करवाने को कहा। इसके अलावा प्रशिक्षण केंद्र के लिए हर समय अपना सहयोग देने की घोषणा की। अध्यक्षता गांव के सरपंच रतन सिंह ने की। इससे पूर्व पतंजलि योग समिति से पहुंचे वीरेंद्र बड़ाला ने हवन यज्ञ कर पावन कार्य की शुरुआत की। इस अवसर पर संस्था के महासचिव सुरेश पूनिया, पवन कुमार, डॉ. संदीप कल्याणा, अर्चना ठकराल, रेणुका, रवि, अंकुर आदि के अलावा बच्चे और उनके अभिभावक भी उपस्थित रहे।

हिसार : विद्यार्थियों के उत्साह, सृजनशीलता और आत्मविश्वास को बढ़ाते आयोजन : प्रो. नरसी राम बिश्नोई

लोकतंत्र की शान : हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी विभाग में 24 फरवरी को प्रिंटर्स दिवस के उपलक्ष्य पर टेकफेस्ट और सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। यह दिन प्रिंटिंग का जनक सर जॉन गुटेनबर्ग के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है। सर जॉन गुटेनबर्ग ने अपने योगदान के लिए मैन ऑफ मिलेनियम पुरस्कार भी प्राप्त किया। इस कार्यक्रम का पोस्टर कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने सोमवार को जारी किया है। इसमें आयोजक सचिव डॉ. बिजेंद्र कौशिक, सहायक प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष डॉ. वंदना और विभाग के विद्यार्थी उपस्थित रहे। पोस्टर जारी होने के साथ ही विद्यार्थियों के लिए पंजीकरण भी शुरू कर दिया गया है। कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने इस अवसर पर कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों के उत्साह, सृजनशीलता और आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं तथा उनकी कौशल क्षमता को निखारने में मदद करते हैं। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों के लिए प्रिंट-क्विज, प्रिंट एक्सटेम्पोर, प्रिंट पोस्टर डिजाइन, रंगोली और प्रिंट-प्रेजेंटेशन जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। प्रत्येक प्रतियोगिता के शीर्ष विद्यार्थी को कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई द्वारा सम्मानित किया जाएगा। इस वर्ष की टेकफेस्ट की थीम है 'भविष्य का प्रिंट'।

प्रॉपर्टी विवाद में वकील की मौत, भाई ने लगाया हत्या का आरोप

लोकतंत्र की शान : अजमेर। आदर्श नगर थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह प्रॉपर्टी विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। झगड़े के दौरान एक वकील की सिर में गंभीर चोट लगने से मौत हो गई। मृतक के छोटे भाई ने बड़े भाई, भाभी और उनके बच्चों पर हत्या का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है। घटना सुबह करीब सात बजे की बताई जा रही है। मृतक की पहचान बलवीर सिंह रावत (43) के रूप में हुई है। उनके छोटे भाई एडवोकेट पुष्पेंद्र सिंह रावत ने आदर्श नगर थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुष्पेंद्र सिंह के अनुसार वे परबतपुरा बाईपास स्थित विकास नगर में परिवार सहित रहते हैं। सोमवार सुबह उनके भाई बलवीर सिंह के हिस्से में बने मकान पर गेट लगवाने के लिए ट्रैक्टर-ट्रॉली आई थी। इसी दौरान बड़े भाई भगवान सिंह रावत, उनकी पत्नी लाली देवी और उनके बच्चों ने कथित रूप से गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। शिकायत के अनुसार जब बलवीर सिंह बीच-बचाव के लिए पहुंचे तो आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की नीयत से धक्का दे दिया, जिससे वे सिर के बल जमीन पर गिर पड़े। आरोप है कि गिरने के बाद भी उनके साथ मारपीट की गई। गंभीर रूप से घायल बलवीर सिंह को जेएलएन अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। घटना की सूचना मिलते ही आदर्श नगर थाना प्रभारी छोटू लाल, अलवर गेट थाना प्रभारी नरेंद्र सिंह सहित पुलिस जाब्ता अस्पताल पहुंचा। पुलिस के अनुसार, घटना का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है और उसकी जांच की जा रही है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपितों की भूमिका और घटना के पूरे घटनाक्रम की पड़ताल की जा रही है।

हेलमेट हाथ में रखा था : डंपर की टक्कर से सिर के बल गिरा, मौत

लोकतंत्र की शान : जोधपुर। यातायात पुलिस आमजन की सुरक्षा के लिए हेमलेट पहनने की बार बार हिदायत दे रही है। पुलिस और चालान के डर से लोग पहनते भी है मगर बाद में सूने स्थान या रोड पर हेलमेट को हाथ में रख कर सफर करते है। ऐसे ही एक युवक सोमवार को हादसे का शिकार हो गया। हेलमेट उसके हाथ में था, संभवतः किसी डंपर की टक्कर से नीचे गिरा और सिर फट गया। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान आधार कार्ड के जरिए आरंभिक तौर पर की है। शव को एमजीएच अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। बोरानाडा थाने के एएसआई दमाराम ने बताया कि सोमवार की दोपहर में एक युवक बोरानाडा पाल स्थित एक रेस्टोरेंट के सामने से निकल रहा था। तब संभवत : किसी डंपर के चालक ने टक्क र दी। जिससे उसका सिर फट गया और मौके पर ही मौत हो गई। एएसआई दमाराम के अनुसार मृतक के हाथ में हेलमेट रखा हुआ था। उसके पहने हुए नहीं था। कपड़ों को चैक करने पर जेब में मिले आधार कार्ड से उसकी पहचान आरंभिक तौर पर रिया बिलाड़ा निवासी चैनाराम पुत्र गिरधारीराम के रूप में हुई है।

पुजारी का हत्यारोपी हत्या में प्रयुक्त औजार के साथ गिरफ्तार, भेजा गया जेल

लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले के कुसमी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भगवार में हुई नृशंस हत्या के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी कामता प्रसाद केवट उर्फ लाला को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें उसने अपराध करना स्वीकार किया। घटना में प्रयुक्त धारदार लोहे का हथियार (गड़ासा) भी जब्त कर लिया गया है। इस पूरे मामले की जानकारी फरियादी धीरेश कुमार द्विवेदी (42) निवासी भगवार ने पुलिस को दी। उन्होंने बताया कि सुबह करीब 8:15 बजे हल्ला-गोहार सुनाई देने पर वे मौके पर पहुंचे, जहां देखा कि आरोपी कामता केवट, दलप्रताप नापित के घर के सामने लोहे का गड़ासा लिए उनके चाचा इन्द्रभान द्विवेदी पर हमला कर रहा था। वही फरियादी के अनुसार आरोपी बचाव करने वालों और राहगीरों को गाली देते हुए औजार दिखाकर जान से मारने की धमकी दे रहा था। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। जहा फरियादी ने बताया कि पास जाकर देखने पर उनके चाचा इन्द्रभान द्विवेदी मृत अवस्था में पड़े थे, तथा उनकी मोटरसाइकिल पैर के ऊपर गिरी हुई थी। वही घटनास्थल पर काफी खून फैला था और मृतक के सिर व मुंह पर गंभीर चोटों के निशान थे। रिपोर्ट के आधार पर कुसमी थाना में अपराध क्रमांक 29/26 अंतर्गत धारा 103(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। इस घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं एसडीओपी कुसमी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक अरूणा द्विवेदी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया और न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

हाईकोर्ट से पार्षद की लगातार हो रही जमानत याचिका खारिज

लोकतंत्र की शान

सीधी। नगर परिषद मझौली के वार्ड क्रमांक 8 से नव निर्वाचित पार्षद हितेश गुप्ता को काली कमाई करना भारी पड़ गया है जो पुलिस गिरिफ्तारी से बचने दो वर्षों से फरारी काटते हुए लगातार अग्रिम जमानत के लिए न्यायालय का दरवाजा खटखटा रहे हैं लेकिन पांचवीं बार भी उन्हें राहत नहीं मिली है। उच्च न्यायालय के देवनारायण मिश्रा की अदालत ने अग्रिम जमानत याचिका खारिज होने का हवाला देते हुए यह जजमेंट दिया है। बताते चलें कि नगर क्षेत्र मझौली वार्ड क्रमांक 8 से भाजपा पार्षद हितेश गुप्ता विचौलियो के चंगुल में फस कर पार्टी से बगावत कर काली कमाई के चक्कर में अब पुलिस से बचने लगभग दो वर्षों से फरारी काट रहे हैं। अग्रिम जमानत के लिए दो बार जिला न्यायालय में आवेदन लगा चुके थे जिसमें एक बार खारिज कर दिया गया था एक बार वापस लेने पर खारिज किया गया था। इसके उपरांत उच्च न्यायालय में अग्रिम जमानत का आवेदन लगाया गया जहां तीसरी बार लगाई गई अग्रिम जमानत याचिका देवनारायण मिश्रा की अदालत में खारिज की गई है।

गाजे-बाजे के साथ निकली बाबा की अलौकिक बारात

- भोले बाबा की बारात में भक्तों की उमड़ी भीड़
- फूलमती मंदिर में धूमधाम से हुआ शिव-पार्वती विवाह

लोकतंत्र की शान

सीधी। शहर में महाशिवरात्रि पर युवा व्यापारी संघ सीधी द्वारा भोलेबाबा की भव्य बारात स्थानीय सम्राट चौक से शाम 5 बजे निकाली गई। बारात में शिव भक्त युवा वर्ग, मातृ शक्तियां एवं वरिष्ट जन सम्मिलित हुए। शिव बारात का शुभारंभ शिव जी की आराधना एवं भव्य आरती के साथ हुआ। इसके उपरांत भोलेनाथ की बारात ने सम्राट चौक से प्रस्थान किया। बारात के शुभारंभ में विकास भवन के सामने बारातियों का भव्य स्वागत किया गया तथा भगवान शिव की पूजा- अर्चना हुई। गांधी चौक में कलर इवेंट जबलपुर के कलाकारों द्वारा अद्भुत प्रस्तुतियां दी गई, पुराना बस स्टैण्ड में भव्य स्वागत किया गया तथा शिव की आराधना हुई। बारात में दूल्हे भोलेनाथ के साथ सभी बाराती बैण्ड और डीजे की धुन पर थिरकते हुए फूलमती मंदिर पहुंचे। यहां कलाकारों द्वारा अनेक मनमोहक प्रस्तुतियों के बाद रात करीब 10 बजे से भोलेनाथ का पार्वती जी के साथ विवाह कार्यक्रम पुरोहितों के मंत्रोच्चारण के बाद शुरू किया गया। विवाह संपन्न होने के पश्चात यहां व्यापारी संघ द्वारा महाप्रसाद का वितरण भी किया गया। बारात में शामिल होने वाले सभी भक्तगण पीले वस्त्र में शामिल रहे। महाशिवरात्रि पर निकाली गई बारात में देवी-देवताओं के साथ ही साधू संतों, अघोरियों को भी आमंत्रित किया गया था।

जींद : महिला ने जहर निगल की आत्महत्या, पति पर मामला दर्ज

लोकतंत्र की शान

जींद। विश्वकर्मा कालोनी में रविवार रात दहेज प्रताडऩा के चलते एक महिला ने जहरीला पदार्थ निगल कर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलने पर शहर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मृतका के शव को कब्जे में ले नागरिक अस्पताल के शव गृह में रखवाया। सोमवार को मायका पक्ष के लोग भी अस्पताल में मौजूद रहे और आरोपितों को गिरफ्तार करने की मांग की। पुलिस ने मृतका के पिता की शिकायत पर मृतका के पति के खिलाफ दहेज हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। विश्वकर्मा कालोनी निवासी रमेश की 35 वर्षीय पत्नी पिंकी ने रविवार रात को जहरीला पदार्थ निगल लिया। परिजनों द्वारा उसे उपचार के लिए शहर के निजी अस्पताल ले जाया गया। जहां पर उपचार के दौरान पिंकी की मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर शहर थाना पुलिस तथा मायका पक्ष मौके पर पहुंचे। मृतका के पिता कोथ कलां निवासी सुबेर बेग ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी बेटी पिंकी की शादी लगभग दो साल पहले रमेश के साथ हुई थी। उसका दामाद रमेश 2025 में अवैध असलहा के साथ भी पकड़ा गया था। शादी के बाद से ही रमेश उसकी बेटी को दहेज को लेकर प्रताडित कर रहा था। शादी को बचाए रखने के लिए उसने रमेश को एक लाख रुपये भी दिए थे। बावजूद इसके रमेश उसकी बेटी को प्रताडित करना जारी रखा। जिससे परेशान होकर उसकी बेटी पिंकी ने जहरीला पदार्थ निगल कर आत्महत्या कर ली। शहर थाना पुलिस ने सुबेर बेग की शिकायत पर मृतका के पति रमेश के खिलाफ दहेज हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शहर थाना के जांच अधिकारी कुलदीप सिंह ने बताया कि मृतका के पिता की शिकायत पर पति के खिलाफ दहेज हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

ब्रह्मा कुमारी आश्रम में महाशिवरात्रि की रही धूम

लोकतंत्र की शान

सीधी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय सीधी स्टेडियम के पास स्थित सेवाकेंद्र में 90वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती महाशिवरात्रि धूमधाम से मनाई गई। जिले स्थिते सेवाकेंद्रों की संचालिका ब्रह्माकुमारी रेखा दीदी ने शिवरात्रि का आध्यात्मिक रहस्य स्पष्ट करते हुए बताया कि परमपिता शिव परमात्मा का दिव्य अवतरण कलयुग के अंत समय में विषय विकारों की कालिमा में लिपटे हुए और अज्ञानता की निद्रा में सोए हुए मनुष्य मात्र को जगाने के लिए ही होता है। परमात्मा शिव संपूर्ण सृष्टि के पिता हैं इसलिए उनके दिव्य एवं कल्याणकारी कर्तव्य समूचे विश्व के लिए हैं। वे अपने तीन दिव्य कर्तव्यों क्रमशः नई पावन सृष्टि की स्थापना, पालना और पुरानी पतित सृष्टि से सर्व बुराइयों का विनाश करके, सभी मनुष्यों का कल्याण करते हैं और सर्व को गति और सद्गति प्रदान करते हैं। रात्रि अज्ञानता का सूचक है। साधारण तौर पर रात्रि, अज्ञान, अंधकार, पाप, भ्रष्टाचार और तमोगुण की निशानी है। जिसमें मनुष्य रिश्ते-नाते, अलौकिकता भूल कर मानवीय मूल्यों को ताक पर रख देता है। ऐसे समय पर पूरी दुनिया में सर्वश्रेष्ठ समझे जाने वाले मनुष्यों में आसुरी प्रवृत्तियां भर जाती हैं और पूरी दुनिया में अत्याचार, भ्रष्टाचार, पापाचार और हिंसा का नामाचार हो जाता है। मनुष्य अज्ञानता के अंधकार के वश होकर काम, क्रोध, लोभ, मोह एवं अहंकार में लिप्त होकर विकर्म करना अपना परम कर्तव्य समझने लगता है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू रामजी सिंह उपस्थित रहीं। उन्होंने ब्रह्माकुमारीज़ के सामाजिक, आध्यात्मिक, जीवन मूल्यों और नशामुक्ति के लिए दिए जा रहे योगदान की सराहना की एवं समस्त जिलेवासियों को महाशिवरात्रि पर्व की शुभकामनाएं प्रेषित की। बीके अर्चना बहन द्वारा मंच संचालन किया गया। इस अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्षा पूनम सोनी, करन सिंह, डॉ अतुल गौतम, मंजू सिंह समाजसेविका, रमापति तिवारी, राघवेन्द्र द्विवेदी, सुशीला मिश्रा, ऋषिकांत गौतम, खुशबू गौतम, अर्चना तिवारी,पुष्पेंद्र तिवारी सहित नगर के अन्य वरिष्ठ नागरिक उपस्थित रहे।

रोहतक में युवक की गोली मारकर हत्या

लोकतंत्र की शान

रोहतक। शहर के दिल्ली बाइपास के समीप एक निजी अस्पताल के बाहर दो बदमाशों ने सोमवार की देर शाम एक युवक की गोली मारकर बेरहमी से हत्या कर दी। घटना के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए, इसी बीच सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुँची और शव को अपने कब्जे में ले लिया। शुरुआती जांच में सामने आया कि गैंगवार के चलते वारदात हुई है। पुलिस के अनुसार सोमवार देर शाम को दिल्ली बाईपास के चौराहे के नजदीक स्कूटी सवार दो युवकों ने एक युवक पर ताबडतोड़ फायरिंग कर दी। बदमाशों ने करीब बीस राउंड फायरिंग की और जिससे युवक की मौके पर ही मौत हो गई। बाद में मौके से बदमाश फरार हो गए और घटना के बाद वहां पर काफी संख्या में राहगीर एकत्रित हो गए। इसी बीच सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुँची और शव को अपने कब्जे में ले लिया। इसी दौरान मृतक की पहचान गांव निजामपुर निवासी दिनेश उर्फ गोगा के रुप में हुई। मौके पर पहुंचे डीएसपी रवि खुंडिया ने बताया कि अभी तक यह नहीं पता चल पाया है कि हत्या की घटना को अंजाम देने वाले बदमाश कौन थे और इस हत्या के पीछे कारण क्या रहे हैं। पुलिस मामले की गहनता से जांच पड़ताल कर रही है। सीन आफ क्राइम की टीम ने भी घटना स्थल का निरीक्षण किया है और इस बारे में आसपास के लोगों से पता किया। शुरुआती जांच में सामने आया है कि मामला गैंगवार से जुड़ा हो सकता है। पुलिस मामले की गहनता से छानबीन कर रही है।

कांवड़ मेले के बाद जन सहभागिता से चलाया स्वच्छता अभियान

लोकतंत्र की शान

हरिद्वार। कांवड़ मेले के सफल आयोजन के पश्चात जिलाधिकारी की पहल पर नगर निगम हरिद्वार व जिला प्रशासन द्वारा शहर को पुनः स्वच्छ, सुव्यवस्थित एवं पर्यावरणीय दृष्टि से सुरक्षित बनाने के लिए वृहद स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान में शांतिकुंज, पतंजलि तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों का उत्साहपूर्ण सहयोग रहा। चमगादड़ टापू क्षेत्र में शांतिकुंज के सहयोग से सेनेटरी इंस्पेक्टर धीरेन्द्र सेमवाल के नेतृत्व में विशेष अभियान संचालित किया गया। शांतिकुंज के लगभग 200 स्वयंसेवकों ने श्रमदान कर कांवड़ यात्रियों द्वारा छोड़े गए अपशिष्ट को हटाया। इस क्षेत्र से कुल 8 टन कचरा एकत्रित कर वैज्ञानिक विधि से निस्तारित किए जाने हेतु भेजा गया। इसी क्रम में रोड़ी बेलवाला क्षेत्र में मुख्य सेनेटरी इंस्पेक्टर अर्जुन सिंह के नेतृत्व में पतंजलि के 80 विद्यार्थियों द्वारा सफाई अभियान चलाया गया। यहाँ से लगभग 4 टन अपशिष्ट एकत्रित किया गया। विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता ने स्वच्छता के प्रति युवाओं की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया। नगर निगम हरिद्वार द्वारा अभियान में सहयोग प्रदान करने वाले सभी स्वयंसेवकों, संस्थाओं एवं अधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए इसे स्वच्छ हरिद्वार-स्वस्थ हरिद्वार की दिशा में एक सकारात्मक एवं सशक्त पहल बताया। जनसहभागिता, प्रशासनिक सक्रियता और संस्थागत सहयोग के इस समन्वय ने हरिद्वार को पुनः स्वच्छता की ओर अग्रसर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उत्तराखंड कांग्रेस ने भाजपा सरकार के खिलाफ फूंका बिगुल, राजभवन का घेराव कर दी चेतावनी

लोकतंत्र की शान

देहरादून। प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने सोमवार को राजभवन की ओर कूच कर भाजपा सरकार के खिलाफ अपना आंदोलन शुरू कर दिया। राजभवन की ओर जाते कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हाथी बड़कला बैरिकेडिग के पास रोक लिया। इस पर पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बीच खींचतान हुई। कांग्रेस कार्यकर्ता बैरिकेडिंग के ऊपर चढ़ गए। बाद में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सड़क पर धरना दिया। आज राज्य कांग्रेस ने अपने पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर अपना आंदोलन शुरू कर दिया। परेड ग्राउंड से प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गणेश गोदियाल के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता हाथों में पोस्टर, बैनर और झंडे लेकर राजभवन की ओर कूच किया। पुलिस ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हाथी बड़कला में बेरिकेडिंग लगाकर रोक लिया। बाद मेंकांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सड़क पर बैठ कर धरना दिया और भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस मौके पर कांग्रेस प्रदेश चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष व कार्यक्रम संयोजक प्रीतम सिंह ने महिला अपराध, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, ध्वस्त कानून व्यवस्था, महंगाई व जंगली जानवरों के हमलों की निंदा की। उन्होंने कहा कि भाजपा हर मोर्चे पर असफल है। धरना स्थल पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदेश के कोने-कोने से हजारों की सुख्या में पहुंचकर ऐतिहासिक राजभवन घेराव कर भाजपा की धामी सरकार के ताबूत में अंतिम कील ठोकी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार की जड़ों को हिलाने का काम कर दिया है और आने वाले 2027 के विधानसभा चुनाव में निश्चित रूप से इसका लाभ कांग्रेस पार्टी को मिलेगा और जनता भाजपा सरकार की तानाशाही, जनविरोधी नीतियों और कुशासन से निजात पाएगी। कार्यक्रम संयोजक प्रीतम सिंह ने कहा कि कांग्रेस एकजुट है और भाजपा की प्रदेश विरोधी नीतियों से आमजन त्रस्त है। उन्होंने कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में उत्तराखंड से भाजपा का नामो-निशान मिट जाएगा। घेराव में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, चुनाव संचालन समिति के डॉ हरक सिंह रावत आदि शामिल रहे।

संक्षिप्त समाचार

बीएलए की चेतावनी- सैन्य कर्मियों की रिहाई युद्धबंदियों के छोड़ने पर ही निर्भर

क्वेटा (बलोचिस्तान)। बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने ताजा वीडियो में संघीय और राज्य सरकार को छह दिन की मोहलत देते हुए कहा कि सैन्य कर्मियों की रिहाई उसके लड़ाकों को छोड़ने पर ही संभव है। बीएलए ने ताजा वीडियो में एक और पाकिस्तान सैनिक का वीडियो जारी किया है। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, बलोचिस्तान के खुजदार जिले के ओरनाच इलाके में इस महीने हुई झड़पों के दौरान लड़ाकों ने पाकिस्तान के सात सैन्य कर्मियों को दबोचा है। उनके कई लड़ाके भी सेना की हिरासत में है। संघीय और राज्य सरकार चाहे तो छह दिन में दोनों पक्षों के लोगों की अदला-बदली की जा सकती है। बीएलए ने अपने मीडिया चैनल हुकल पर पाकिस्तान सेना के दबोचे गए जवान मोहम्मद शाहराम, मोहम्मद रियाज अली सकना, शेखपुरा, गांव अमीर सिंह (पंजाब) का वीडियो जारी किया है। कल भी बीएलए ने एक वीडियो में पाकिस्तान के कुछ सैनिकों का विवरण प्रसारित किया था। बीएलए प्रवक्ता के अनुसार, बलोच राष्ट्रीय न्यायालय में उनके खिलाफ नियमित सुनवाई हुई। उन पर युद्ध अपराधों, नागरिकों के खिलाफ कृत्यों, जबरन गायब होने में सहायता करने और बलूच नरसंहार में संलिप्तता का आरोप लगाया गया। बीएलए ने स्पष्ट किया कि संगठन की कमांड काउंसिल ने युद्ध के अंतरराष्ट्रीय नियमों नियमों के अनुरूप युद्धबंदियों के आदान-प्रदान की इच्छा व्यक्त की है। अंत में, संगठन ने कहा कि सैन्य कर्मियों की रिहाई बलोच युद्धबंदियों की रिहाई पर निर्भर है।

केंद्र सरकार कल श्रीनगर में टेली-लॉ पर आयोजित करेगी कार्यशाला

नई दिल्ली। केंद्र सरकार दिशा योजना के तहत टेली-लॉ (दूरस्थ विधिक परामर्श सेवा) कार्यक्रम पर क्षेत्रीय कार्यशाला 17 फरवरी को श्रीनगर में आयोजित करेगी। इसका उद्देश्य तकनीक के जरिए लोगों तक सस्ता और आसान न्याय तक पहुंच देना है। केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्रालय के अनुसार, कार्यशाला श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में दोपहर में होगी। यह दिशा योजना के तहत टेली-लॉ पहल का हिस्सा है। इसका मकसद लोगों में कानूनी जागरूकता बढ़ाना और न्याय तक पहुंच आसान बनाना है। कार्यक्रम में कानून एवं न्याय राज्यमंत्री अर्जुन राम मेघवाल, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अरुण पल्लीसहित करीब 800 लोग मौजूद रहेंगे। खास सत्र में जम्मू-कश्मीर में योजना के तहत किए गए कार्यों को प्रस्तुत किया जाएगा। कार्यक्रम में दिशा योजना से जुड़े बेहतर काम करने वाले व्यक्तियों और संस्थानों को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही दिशा योजना का वार्षिक ई-कैलेंडर भी जारी किया जाएगा। इसमें विभाग की सालभर की गतिविधियों और जागरूकता कार्यक्रमों की जानकारी होगी।

फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी के घर फायरिंग के चार आरोपित झज्जर से गिरफ्तार

झज्जर। स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) बहादुरगढ़ की पुलिस टीम ने मुंबई में फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी के घर पर हुई फायरिंग के मामले में मुंबई पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई करके लॉरेंस गैंग से जुड़े उत्तर प्रदेश निवासी तीन शूटरों सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ बहादुरगढ़ के प्रभारी राकेश कुमार ने सोमवार को बताया कि चारों आरोपित हरियाणा के झज्जर जिले के अमादलपुर गांव में स्थित एक कंस्ट्रक्शन साइट पर छिपे हुए थे। आरोपितों से एक पिस्तौल व बाइक बरामद की गई है। सभी को गिरफ्तारी के बाद मुंबई एक्सटॉर्शन सेल के हवाले कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि गत 31 जनवरी की रात को मुंबई के जुहू स्थित रोहित शेट्टी के मकान पर रंगदारी के उद्देश्य से फायरिंग की गई थी। मामले में लॉरेंस गैंग का नाम सामने आया था। मुंबई पुलिस इस मामले में शूटरों की तलाश कर रही थी। इसी बीच पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि शूटर झज्जर जिले में कहीं छिपे हुए हैं। इसके बाद इंस्पेक्टर राकेश कुमार की अगुवाई वाली एसटीएफ बहादुरगढ़ ने मुंबई पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई शुरू की। सूचनाओं के आधार पर संयुक्त टीम ने माछरौली थाना क्षेत्र के गांव अमादलपुर स्थित एक कंस्ट्रक्शन साइट पर रेड की। जहां से तीनों शूटर अपने एक साथी संग काबू कर लिए गए। आरोपितों की पहचान रितिक, दीपक, सन्नी व सोनू के रूप में हुई है। रितिक, सन्नी और सोनू यूपी की जिला आगरा के गांव बहाबीजोली के रहने वाले हैं और दोस्त हैं। जबकि दीपक यूपी के सादरपुर गांव का रहने वाला है। इनके खिलाफ मुंबई में केस दर्ज हैं। प्रारंभिक तौर पर इसके अलावा इन पर कोई अन्य केस नहीं मिला है। फिलहाल मामले में सामने आया है कि रितिक यहां अमादलपुर स्थित साइट पर काम करता था। उसने ही यहां तीनों शूटरों को छिपा रखा था। आरोपितों से पूछताछ में कई अहम खुलासों की संभावना है। उन्होंने बताया कि मामले में जांच जारी है। जांच के दौरान जो सामने आता है, उस आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जम्मू-कश्मीर के डोडा में एवलांच, हिमाचल, उत्तराखंड में बर्फबारी के आसार

भोपाल/लखनऊ/शिमला/देहरादून। देश के हिमालयी इलाकों में दो वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव हैं। आज से दो दिन हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में पहाड़ों पर बारिश-बर्फबारी के आसार हैं। मध्य प्रदेश, राजस्थान, पंजाब-चंडीगढ़ में 17-18 फरवरी को बारिश हो सकती है। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में रविवार शाम 5 बजे भद्रवाह-पठानकोट इंटर-स्टेट रोड पर एवलांच हुआ। यह थांथेरा और गुलदांडा के बीच था। यहां 40 से ज्यादा टूरिस्ट वाहन फंस गए थे, जिन्हें एक-एक कर निकाला गया। उत्तराखंड में गुंजी-आदि कैलाश मोटर मार्ग पर जमीं 10 फीट बर्फ को सीमा सड़क संगठन (BRO) ने हटाया। यहां तापमान -18°C है। राज्य में कल से 5 जिलों उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ में बारिश-बर्फबारी की संभावना है। MP में वेस्टर्न डिस्टरबेंस के चलते 18-19 फरवरी के बीच बारिश हो सकती है। रविवार को खंडवा-खरगोन में दिन का तापमान 34°C के पार रहा। 16 जिलों 30°C से ज्यादा रहा। राजस्थान में रविवार को बीकानेर, जैसलमेर, जोधपुर, फलोदी समेत 13 जिलों में अधिकतम तापमान 30°C से ज्यादा रहा। बाड़मेर में सबसे ज्यादा 35°C रहा।

गोल्डन टेंपल के विवादित एआई वीडियो बनाए, परिक्रमा में जूता पहने दिखा युवक, फिर कार में बैठा

अमृतसर। अमृतसर स्थित गोल्डन टेंपल की पवित्र परिक्रमा से जुड़े AI (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) जनरेटेड 3 विवादित वीडियो बनाए गए। पहले वीडियो में एक लड़का जूते पहनकर गोल्डन टेंपल की पवित्र परिक्रमा में खड़ा दिखाई देता है और फिर कार में बैठकर परिसर से बाहर जाता नजर आता है। वहीं, दूसरे वीडियो में श्री दरबार साहिब का परिवर्तित दृश्य दिखाया गया है, जो सिख धर्म की मर्यादा के खिलाफ है। तीसरे वीडियो में कपल को गोल्डन टेंपल के सामने आपत्तिजनक हरकत करते हुए दिखाया गया है। वीडियो सामने के आने के बाद शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (SGPC) ने इसकी शिकायत पुलिस को दी। साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन अमृतसर में 29 जनवरी को भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 299 (धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना) और धारा 353(2) व 353(3) (धार्मिक स्थल से संबंधित सामग्री के माध्यम से समुदायों के बीच वैमनस्य फैलाने) के तहत केस दर्ज किया है। FIR की कॉपी अब सामने आई है। FIR के मुताबिक, इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए पहले वीडियो में एक लड़का जूते पहनकर श्री हरमंदिर साहिब (गोल्डन टेंपल) की पवित्र परिक्रमा में खड़ा दिखाई देता है, जो सिख मर्यादा के पूर्णतः विरुद्ध है। वीडियो में आगे एक काली कार को पवित्र परिक्रमा में प्रवेश करते हुए दिखाया गया है, जिसके बाद वह लड़का कार में बैठकर परिसर से बाहर जाता नजर आता है। जिसपर SGPC ने कड़ी आपत्ति जताई है।

भिवाड़ी में केमिकल फैक्ट्री में लगी आग, 7 कर्मचारी जिंदा जले

एजेंसी, जयपुर

- हादसे के समय फैक्ट्री में लगभग 20 से 25 मजदूर काम कर रहे थे

राजस्थान के भिवाड़ी स्थित खुशखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र में सोमवार सुबह एक केमिकल फैक्ट्री में लगी भीषण आग में सात मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई। फैक्ट्री का प्लॉट नंबर जी1/118बी बताया जा रहा है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग अज्ञात कारणों से लगी और फैक्ट्री में मौजूद ज्वलनशील केमिकल्स के कारण कुछ ही समय में तेजी से फैल गई।

घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंच गईं। भिवाड़ी के पुलिस अधीक्षक, तिजारा के डीएसपी शिवराज सिंह और अतिरिक्त जिला कलेक्टर सुमित्रा मिश्र ने घटनास्थल पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्यों की निगरानी की। आग पर काबू पाने के लिए भिवाड़ी, तिजारा और आसपास के क्षेत्रों से कई दमकल गाड़ियों को बुलाया गया। करीब डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया जा सका।

इसके बाद शुरू किए गए रेस्क्यू ऑपरेशन में सात कर्मचारियों के शव बरामद किए गए। प्रशासन के मुताबिक, हादसे के समय फैक्ट्री में लगभग 20 से 25 मजदूर काम कर रहे थे। कुछ मजदूर समय रहते बाहर निकलने में सफल रहे, लेकिन कई अंदर ही फंस गए और धुएं व आग की लपटों में झुलसकर उनकी मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अतिरिक्त जिला कलेक्टर सुमित्रा मिश्र ने सात मौतों की पुष्टि की है। मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी है और परिजनों को सूचित किया जा रहा है।

हादसे के बाद फैक्ट्री परिसर के बाहर परिजनों और स्थानीय लोगों में आक्रोश देखा गया। स्थिति को नियंत्रित रखने के लिए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। प्रशासन ने आग लगने के कारणों की जांच के आदेश दे दिए हैं। प्रारंभिक आशंका शॉर्ट सर्किट या केमिकल रिएक्शन की जताई जा रही है, हालांकि आधिकारिक पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही होगी।

पाकिस्तान में महंगाई, पेट्रोल 253.17 और हाई स्पीड डीजल 258.17 रुपये प्रति लीटर

एजेंसी, इस्लमाबाद

पाकिस्तान की संघीय सरकार ने पेट्रोल और हाई स्पीड डीजल की कीमत बढ़ा दी है। नई दर आज सुबह से प्रभावी हो गई। सरकार की पेट्रोलियम शाखा की विज्ञप्ति के अनुसार, पेट्रोल में पांच रुपये और हाई स्पीड डीजल में 7.32 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है।

जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, पेट्रोलियम शाखा ने कहा कि यह दरें दो हफ्ते तक प्रभावी रहेंगी। सरकार इसके बाद समीक्षा कर नई दर जारी कर सकती है। इस बढ़ोतरी के बाद पेट्रोल की नई कीमत Rs253.17 प्रति लीटर से बढ़कर 258.17 रुपये प्रति लीटर और डीजल का दाम 268.38 से बढ़कर Rs275.70 प्रति लीटर हो गया। इससे 15 दिन पहले सरकार ने हाई स्पीड डीजल की कीमत 11.30 प्रति लीटर बढ़ाई थी पर पेट्रोल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया था। देश में पेट्रोल का इस्तेमाल अधिकतर छोटी गाड़ियों, रिक्शा और टू-व्हीलर से आने-जाने वाले लोग करते हैं। ईंधन की ज्यादा कीमतें मध्यम और अति मध्यम वर्ग के घरों के बजट पर काफी असर डालती हैं। परिवहन क्षेत्र का बड़ा हिस्सा हाई स्पीड डीजल पर निर्भर है। इसका इस्तेमाल ज्यादातर भारी सामान ढोने वाली गाड़ियों, ट्रकों, बसों, ट्रेनों और खेती की मशीनों जैसे ट्रैक्टर, ट्यूबवेल और थ्रेशर में होता है। हाई स्पीड डीजल की कीमत बढ़ने से सब्जियों और खाने की दूसरी चीजों की कीमतों में बढ़ोतरी हो जाती है।

मणिशंकर अय्यर बोले- थरूर विदेश मंत्री बनना चाहते हैं

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने सोमवार को कहा कि INDIA ब्लॉक को मजबूत करने के लिए एमके स्टालिन सबसे सही नेता हैं, जबकि राहुल गांधी प्रधानमंत्री बन सकते हैं। अय्यर ने एक मीडिया चैनल से बातचीत में कहा कि कांग्रेस सांसद शशि थरूर एंटी-पाकिस्तान हैं। वे अगले विदेश मंत्री बनना चाहते हैं। अय्यर ने पवन खेड़ा को प्रवक्ता की जगह 'तोता' बताया। उन्होंने कहा- पवन खेड़ा वही दोहराते हैं, जो जयराम रमेश उन्हें बताते हैं। इसके बाद पनव खेड़ा ने X पर लिखा- मणिशंकर अय्यर का पिछले कुछ सालों से कांग्रेस से कोई संबंध नहीं है। वे अपनी व्यक्तिगत क्षमता से बोलते और लिखते हैं।

अय्यर बोले- केरल में कांग्रेस नहीं जीतेगीः केरल विधानसभा चुनाव को लेकर अय्यर ने कहा- मैं चाहता हूं कि कांग्रेस जीते, लेकिन मुझे नहीं लगता कि वह जीतेगी। कांग्रेस नेता आपस में बंटे हुए हैं। वे कम्युनिस्टों से ज्यादा एक-दूसरे से नफरत करते हैं। उन्होंने पहले भी केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की तारीफ की थी और कहा था कि पिनराई सरकार की उपलब्धियों के बाद वाम सरकार की वापसी संभव है। अय्यर ने ANI से बातचीत में कहा कि अगर INDIA ब्लॉक को मजबूत करना है, तो एमके स्टालिन सबसे बेहतर व्यक्ति हैं। राहुल गांधी भारत के प्रधानमंत्री बन सकते हैं, बशर्ते कोई ऐसा हो जो अपना पूरा समय INDIA ब्लॉक को मजबूत करने और उसे एकजुट रखने में लगाए।

बांग्लादेश-यूनुस के खिलाफ जांच आयोग बैठा सकती है रहमान सरकार, 18 मंत्रियों की संपत्ति में इजाफा

एजेंसी, ढाका

बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद गठित मोहम्मद यूनुस सरकार के मंत्रियों की संपत्ति में उछाल आया है। सरकार के मुखिया यूनुस की संपत्ति में एक साल में लगभग 11 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। यूनुस की संपत्ति अब कुल साढ़े 12 करोड़ रुपए हो गई है, इसमें लगभग 1 करोड़ 30 लाख रुपए का उछाल आया है। अंतरिम सरकार के टॉप 4 मंत्रियों में सबसे ज्यादा संपत्ति की वृद्धि यूनुस की हुई है।

दूसरे नंबर पर आवास मंत्री अदिलुर रहमान की संपत्ति में 1 करोड़ 23 लाख रुपए की वृद्धि हुई। यूनुस के 21 में से 18 मंत्रियों की संपत्ति बढ़ी है। सूत्रों के अनुसार नए पीएम रहमान अंतरिम सरकार के मंत्रियों की संपत्ति में इजाफे की जांच के लिए कमेटी गठित कर सकते हैं। इस सब के बीच यूनुस अब फिर से पेरिस में बसने की तैयारी में हैं। बता दें कि यूनुस बांग्लादेश के एकमात्र नोबेल अवॉर्ड विजेता हैं। बांग्लादेश में माइक्रो फाइनेंस के क्षेत्र में बड़ा नाम यूनुस का शेख हसीना सरकार के दौरान भ्रष्टाचार के मामले दर्ज हुए थे। लेकिन यूनुस ने अपनी सरकार बनने पर केस वापस कर लिए थे।

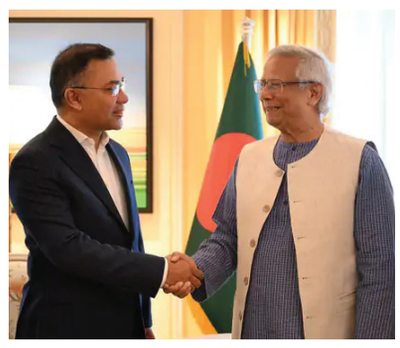

- यूनुस की प्रॉपर्टी 12 करोड़ हुई, पेरिस जाने की तैयारी में

IT मंत्री फैज नीदरलैंड्स लौटेः तारिक रहमान की जीत के साथ ही यूनुस सरकार में आईटी मंत्री रहे फैज अहमद तैयब नीदरलैंड्स लौट गए हैं। फैज के कार्यकाल के दौरान IT सेक्टर में उनके द्वारा विदेशी कंपनियों के पक्ष में दिए गए कुछ फैसलों को लेकर आपत्तियां भी आई थीं। उन पर अनावश्यक हाई-कैपेसिटी इक्विपमेंट खरीद के लिए कुछ कंपनियों को टेंडर जारी करने के भी आरोप हैं। यूनुस सरकार में पर्यावरण मंत्री सैयदा रिजवाना का कहना है कि फैज अपने परिवार के साथ नीदरलैंड्स में ही रहते हैं, वे यूनुस सरकार में शामिल होने के लिए बांग्लादेश लौटे थे।

प्रमुख शफीकुर से मिले तारिक रहमानः बांग्लादेश के नवनिर्वाचित पीएम रहमान ने रविवार देर शाम जमात के अमीर (प्रमुख) शफीकुर रहमान के साथ मुलाकात की। सूत्रों के अनुसार रहमान ने संसद के सुचारु संचालन के लिए जमात के साथ समझौते पर सहमति भी बनाई है। बता दें कि जमात ने 32 सीटों में धांधली का आरोप लगाया है। दूसरी ओर सूत्रों के अनुसार ढाका में चीन और पाकिस्तान के दूतावासों में बैठकों के दौर तेज हो गए हैं। पाकिस्तान से लगभग 6 वरिष्ठ आर्मी अफसर पिछले एक पखवाड़े से दूतावास में डेरा जमाए हुए हैं। जमात की हार के बाद पाकिस्तान रहमान सरकार के साथ संबंधों के लिए ग्राउंड वर्क में जुटा है। पूर्व में पाक कट्टरपंथी जमात का समर्थक रहा है।

छत पर धमाका, सीसीटीवी में घटना कैद 4 लोग बुरी तरह झुलसे, दो की मौत

एजेंसी, भुवनेश्वर

- बदला लेने के लिए बम बना रहा था परिवार

ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर के आजाद नगर में 27 जनवरी को एक घर की छत पर जोरदार धमाका हुआ। इसका CCTV फुटेज अब सामने आया है। जानकारी के मुताबिक, मां-बेटा सहित 4 लोग किसी से बदला लेने के लिए छत पर बम बना रहे थे। इसी दौरान ब्लास्ट हो गया। इससे चारों लोग बुरी तरह झुलस गए। इनमें दो की मौत हो गई है। पूरी घटना पास में लगे CCTV में कैद हो गई। इसमें दिखा की छत पर 4 पानी की टंकियां लाइन से रखी हैं। टंकियों के पीछे अचानक से धमाके के साथ धुएं का गुबार उठा। फिर झुलसे लोग एक-एक कर भागते नजर आए।

घायल हुए लोगों की पहचान शहनवाज मलिक (26), उसकी मां लिलातुन बीबी, मंगेतर तृप्तिमयी महल (23) और दोस्त अमीया मल्लिक (27) के रूप में हुई। शहनवाज मलिक और उसकी मां की मौत हो गई है। वहीं दो अन्य अभी जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं।

शहनवाज बदला लेने की नियत से बम बना रहा थाः मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शहनवाज एक हिस्ट्रीशीटर अपराधी होता है। उसका लंबा आपराधिक रिकॉर्ड था। वह किसी बदला लेने की नियत से छत पर देसी बम बना रहा था। उस वक्त पर परिवार के सदस्य भी उसके पास ही मौजूद थे। धमाका इतना तेज था कि आसपास के लोग दहशत में घरों से बाहर निकल आए। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस अब CCTV फुटेज के आधार पर पूरी घटना की जांच कर रही है।

NIA ने मामले की जांच शुरू कीः घटना की गंभीरता को देखते हुए, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) ने इस मामले को अपने हाथ में ले लिया है और घटना की जांच शुरू कर दी है। पुलिस को घटनास्थल से गनपाउडर मिला है, जिससे बम बनाने की गतिविधि की आशंका और बढ़ गई है। पुलिस ने कहा है कि फॉरेंसिक जांच रिपोर्ट आने के बाद यह स्पष्ट होगा कि धमाका किस कारण से हुआ। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि घटना के पीछे कोई साजिश थी या लापरवाही। अधिकारियों ने लोगों से अफवाहों से बचने और जांच पूरी होने तक आधिकारिक जानकारी पर भरोसा करने की अपील की है।

सुप्रीम कोर्ट में अबू सलेम की रिहाई याचिका खारिज, कहा- आपने कोई नेकी नहीं की

एजेंसी, नई दिल्ली

- मुंबई सीरियल ब्लास्ट के दोषी का दावा- 25 साल की सजा पूरी हुई

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को 1993 मुंबई सीरियल ब्लास्ट के दोषी अबू सलेम को कोई राहत नहीं दी। कोर्ट ने रिहाई की मांग वाली याचिका पर सुनवाई से इनकार करते हुए कहा कि आपने समाज के लिए कोई नेक काम नहीं किया है। आपको TADA (टेररिस्ट एंड डिसरप्टिव एक्टिविटीज प्रिवेंशन एक्ट) के तहत दोषी ठहराया गया है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने अबू सलेम को हाईकोर्ट का रुख करने की सलाह दी। कोर्ट ने कहा- बॉम्बे हाईकोर्ट ने केवल अंतरिम राहत देने से इनकार किया है। ऐसे में सलेम को हाईकोर्ट में ही अंतिम बहस करनी चाहिए।

अबू सलेम ने अपनी याचिका में दावा किया था कि अच्छे आचरण के आधार पर मिलने वाली रिमिशन (सजा में छूट) को जोड़कर देखा जाए तो वह 25 साल की सजा पूरी कर चुका है और 10 महीने से अधिक समय से अवैध कस्टडी में है।

महाराष्ट्र के मुंबई (तब बॉम्बे) में 12 मार्च 1993 को एक के बाद एक, 12 बम धमाके हुए थे। एक ही दिन में हुए इन हमलों में 257 लोगों की मौत हुई और 1,400 लोग घायल हुए। जून 2017 में एक विशेष TADA अदालत ने अबू सलेम और पांच अन्य को 1993 ब्लास्ट की साजिश रचने और उसे अंजाम देने का दोषी ठहराया था। अबू सलेम को IPC की धाराएं 120बी, 302, 307, 326, 427, 435, 436, 201 और 212 के तहत दोषी ठहराया गया।

दिल्ली ब्लास्ट, डॉक्टरों ने 'अंसार अंतरिम' संगठन बनाया था

एजेंसी, नई दिल्ली/श्रीनगर

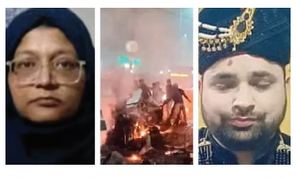

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने हाल ही में 'वाइट कॉलर' आतंकी मॉड्यूल का खुलासा किया है। पुलिस ने बताया कि कई डॉक्टरों ने आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए 'अंसार अंतरिम' नाम का आतंकी संगठन बनाया था। पुलिस ने इस मामले में कई डॉक्टरों को गिरफ्तार किया है।

अधिकारियों ने बताया कि इन आरोपियों ने 2016 में कट्टरपंथी विचारधारा को अपनाया था। मामले में नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (NIA) जांच कर रही है। दिल्ली में 10 नवंबर 2025 को लाल किले के लिए एक कार में ब्लास्ट हुआ था, जिसमें 15 लोगों की जान गई थी। कार में धमाका करने वाला डॉ. उमर नबी था। इसकी जांच के दौरान ही हरियाणा की अल फलाह यूनिवर्सिटी से कई डॉक्टरों को पकड़ा गया था। तभी इसे वाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल नाम दिया गया था। अंतरराज्यीय आतंकी नेटवर्क का पता सबसे पहले बीते साल 19 अक्टूबर को चला था। श्रीनगर के बाहरी इलाके नौगाम के बनपोरा में दीवारों पर जैश-ए-मोहम्मद के पोस्टर लगे थे। श्रीनगर पुलिस केस दर्ज किया और सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद आरिफ निसार डार, यासिर-उल-अशरफ और मकसूद अहमद डार को गिरफ्तार किया था। इन सभी पर पहले भी पत्थरबाजी के केस दर्ज थे।

गुजरातः 32 स्कूलों में बम की धमकी ईमेल में लिखा- बस को उड़ा देंगे

एजेंसी, अहमदाबाद

- हिंदुस्तान टुकड़ों में बंट जाएगा, पैरेंट्स बच्चे लेकर लौटे

गुजरात के 32 स्कूलों में ईमेल के जरिए बम की धमकी दी गई है। वडोदरा के 17 और अहमदाबाद के 15 स्कूल शामिल हैं। ईमेल में लिखा गया कि गुजरात खालिस्तान बन जाएगा, हिंदुस्तान टुकड़ों में बंट जाएगा। जानकारी सामने आते ही पैरेंट्स तुरंत स्कूल पहुंचे और बच्चों को वापस ले आए। बम निरोधक दस्ते ने स्कूलों में तलाशी शुरू कर दी है। फिलहाल स्कूलों को खाली करा लिया गया है और वाहनों व स्कूल परिसरों की जांच की जा रही है। एहतियात के तौर पर वडोदरा के उर्मी स्कूल के छात्रावास को भी खाली करा लिया गया है।

पुलिस बोली- ईमेल भेजने वाले का पता लगा रहे हैंः वडोदरा पुलिस कमिश्नर नरसिम्हा कुमार ने बताया कि टीचर्स और स्टूडेंट को स्कूलों से घर भेज दिया गया है। 9 स्कूलों पर जांच पूरी हो चुकी है, बाकी जगह जारी है। साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है। पूरे मामले की जांच की जाएगी। हम पता लगा रहे हैं कि ईमेल किस आईडी से और कहां से भेजा गया है।

भारत में एआई का वैश्विक महाकुंभ- इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 16-20 फरवरी 2026- एक नए तकनीकी युग की दिशा

लोकतंत्र की शान

> » भविष्य में जब एआई मानव जीवन के हर क्षेत्र को प्रभावित करेगा, तब यह महाकुंभ उस परिवर्तनकारी यात्रा की आधारशिला के रूप में स्मरण किया जाएगा।
>
> » इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में भारत क्रा न केवल तकनीकी क्षमता का प्रदर्शन होगा, बल्कि वैश्विक एआई विमर्श को नई दिशा देने का साहस भी दिखेगा -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर 16 से 20 फरवरी 2026 तक आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 ने भारत को वैश्विक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस परिदृश्य के केंद्र में स्थापित कर दिया है। नई दिल्ली में आयोजित यह पाँच दिवसीय महाकुंभ केवल एक तकनीकी सम्मेलन नहीं, बल्कि भविष्य की विश्व व्यवस्था को आकार देने वाला मंच बनकर उभरा है। इस समिट के साथ आयोजित एआई एक्सपो में लगभग 65 देशों की भागीदारी, 600 से अधिक स्टार्टअप्स की उपस्थिति 13 देशों केपवेलियन 2.5 लाख से अधिक संभावित आगंतुक, 500 से अधिक सत्र और 3250 से अधिक वक्ता एवं पैनल सदस्य शामिल हो रहे हैं,जो वैश्विक स्तरपर रेखांकित करने वाली बात है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क्रि यह आयोजन भारत के तकनीकी आत्मविश्वास, कूटनीतिक परिपक्वता और नवाचार-नेतृत्व की स्पष्ट अभिव्यक्ति है।पिछले कुछ वर्षों में वैश्विक स्तरपर एआई को लेकर दो प्रमुख विमर्श सामने आ सकते हैं,एक ओर विनाशकारी जोखिम, नियामक ढांचा और नैतिकता; तो दूसरी ओर नवाचार, समावेशन और विकास। भारत इस समिट के माध्यम से इन दोनों ध्रुवों के बीच संतुलन स्थापित करने की कोशिश कर रहा है।जहाँ पूर्ववर्ती वैश्विक चर्चाएँअधिकतर जोखिमों और नियंत्रण पर केंद्रित थीं, वहीं नई दिल्ली इस बहस को जिम्मेदार,समावेशी और विकासोन्मुख एआई की दिशा में मोड़ने का प्रयास कर रही है। यह बदलाव केवल शब्दों का नहीं, बल्कि दृष्टिकोण का है एआई को भय का नहीं, बल्कि अवसर का माध्यम मानने का दृष्टिकोण। साथियों बात कर हम इस महत्वपूर्ण समिट को समझने की करें तो समिट का उद्घाटन 16 फरवरी को भारत के प्रधानमंत्री द्वारा शाम 5 बजे एआई एक्सपो के उद्घाटन के साथ हुआ। उद्घाटन समारोह में उन्होंने एआई को मानवता के लिए परिवर्तनकारी शक्ति बताते हुए कहा कि भारत का लक्ष्य केवल तकनीकी उपभोक्ता बनना नहीं, बल्कि वैश्विक एआई आर्किटेक्चर के निर्माण में सक्रिय भागीदार बनना है। उनके संबोधन में यह स्पष्ट संदेश था कि भारत एआई को लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक न्याय और सतत विकास के साथ जोड़कर आगे बढ़ाना चाहता है।एआई एक्सपो इस समिट का जीवंत और व्यावहारिक आयाम है। यहाँ विश्व की प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनियाँ,उभरते स्टार्टअप्स, विश्वविद्यालय,अनुसंधान संस्थान, केंद्रीय मंत्रालय, राज्य सरकारें और अंतरराष्ट्रीय साझेदार एक ही मंच पर उपस्थित हैं।13 देशों के पवेलियन ऑस्ट्रेलिया, जापान, रूस, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, जर्मनी, इटली, नीदरलैंड्स, स्विट्ज़रलैंड, सर्बिया, एस्टोनिया ताजिकिस्तान और अफ्रीका क्षेत्र का प्रतिनिधित्व एआई इकोसिस्टम में वैश्विक सहयोग की भावना को दर्शाते हैं। ये पवेलियन केवल प्रदर्शनी स्थल नहीं, बल्कि तकनीकी साझेदारी,निवेश अवसर और नीति संवाद केएक प्रमुख केंद्र बन गए हैं। साथियों बात अगर हम इस सबमिट की रूपरेखा को समझने की करें तो, 17 फरवरी को समिट का दूसरा दिन एप्लाइड एआई पर केंद्रित होगा।स्वास्थ्य, ऊर्जा, शिक्षा, कृषि,महिला सशक्तिकरण और दिव्यांगजन सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में एआई के उपयोग पर विस्तृत चर्चाएँ होंगी।स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई आधारित डायग्नोस्टिक्स, टेलीमेडिसिन और प्रेडिक्टिव एनालिटिक्स की संभावनाओं पर विचार किया जायेगा।ऊर्जा क्षेत्र में स्मार्ट ग्रिड और कार्बन उत्सर्जन मॉनिटरिंग पर एआई के उपयोग को रेखांकित किया गया।शिक्षा में व्यक्तिगत सीखने (पर्सनलाइज्ड लर्निंग) और एआई ट्यूटरिंग सिस्टम्स की संभावनाएँ सामने होंगी । कृषि में प्रिसीजन फार्मिंग, मौसम पूर्वानुमान और सप्लाई चेन ऑप्टिमाइजेशन जैसे उदाहरण प्रस्तुत हो सकते हैं। इस दिन प्रमुख नॉलेज कम्पेंडियम्स और केसबुक्स भी जारी होंगें , जो नीति निर्माताओं और उद्योग जगत के लिए संदर्भ सामग्री के रूप में उपयोगी होंगे।18 फरवरी को आयोजित रिसर्च सिम्पोज़ियम और इंडस्ट्री सेशन ने अनुसंधान और व्यावहारिक अनुप्रयोग के बीच पुल का कार्य होगा।शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और थिंक टैंकों ने अत्याधुनिक एआई अनुसंधान, उभरती पद्धतियों और साक्ष्य- आधारित नीति अंतर्दृष्टि प्रस्तुत होंगी।इस मंच पर एआई मॉडल की पारदर्शिता,एल्गोरिदमिक बायस, डेटा गोपनीयता और साइबर सुरक्षा जैसे मुद्दों पर गहन विमर्श होगा।यह स्पष्ट होगा कि एआई का भविष्य केवल तकनीकी दक्षता पर निर्भर नहीं, बल्कि नैतिकता और जवाबदेही पर भी आधारित होगा।19 फरवरी को 20 से अधिक देशों के नेताओं की उपस्थिति ने इस समिट को वैश्विक राजनीतिक महत्व प्रदान किया जायेगा। इस दिन एआई पर सामूहिक प्रतिबद्धताओं, वैश्विक साझेदारी को सुदृढ़ करने और आने वाले एआई दशक में भारत की भूमिका को परिभाषित करने पर चर्चा होंगी। उच्च- स्तरीय सीईओ राउंडटेबल में वैश्विक उद्योग नेताओं, निवेशकों और नीति निर्माताओं ने जिम्मेदार एआई के भविष्य पर विचार- विमर्श जायेगा।यहाँ यह स्वीकार किया गया कि एआई से रोजगार के स्वरूप में बदलाव आएगा, परंतु साथ ही नई नौकरियों और कौशलों की मांग भी उत्पन्न होगी। साथियों बात अगर हम रोजगार का प्रश्न इस समिट के माध्यम से समझने की करें तो यह केंद्रीय चिंता होंगी.कई वैश्विक सीईओ और एआई शोधकर्ताओं ने पहले ही चेतावनी दी है कि ऑटोमेशन और जनरेटिव एआई के कारण पारंपरिक नौकरियों पर खतरा मंडरा सकता है। परंतु समिट में यह भी रेखांकित किया जा सकता है कि एआई डेटा साइंस,मशीन लर्निंग इंजीनियरिंग साइबर सुरक्षा, एआई एथिक्स और मानव- एआई सहयोग जैसे क्षेत्रों में नई नौकरियाँ सृजित करेगा। भारत जैसे युवा देश के लिए यह अवसर है कि वह कौशल विकास और शिक्षा प्रणाली में सुधार कर इस परिवर्तन को सकारात्मक दिशा दे। साथियों बात अगर हम एआई और सुरक्षा का मुद्दा इसको समझने की करें तो यह मुद्दा भी प्रमुखता से उठा सकता है, साइबर हमले,डीपफेक, डेटा दुरुपयोग और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े जोखिमों पर विशेषज्ञों ने चिंता व्यक्त की। इस संदर्भ में बहुपक्षीय सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया जायेगा।एआई के सैन्य उपयोग और स्वायत्त हथियार प्रणालियों पर भी विचार होगा,जिसमें जिम्मेदार उपयोग और अंतरराष्ट्रीय मानकों की आवश्यकता को रेखांकित किया जायेगा डेटा सेंटर और पर्यावरणीय प्रभाव का प्रश्न भी चर्चा का महत्वपूर्ण विषय होगा। बड़े-बड़े डेटा सेंटर ऊर्जा की भारी खपत करते हैं और कार्बन उत्सर्जन बढ़ा सकते हैं। समिट में ग्रीन एआई, ऊर्जा-कुशल चिप्स और नवीकरणीय ऊर्जा आधारित डेटा सेंटर की अवधारणा पर विचार किया जा सकता है।यह स्पष्ट होगा कि तकनीकी प्रगति को पर्यावरणीय स्थिरता के साथ संतुलित करना अनिवार्य है। 20 फरवरी को ग्लोबल पार्टनरशिप ऑन आर्टिफिशल इंटेलीजेंस (जीपीएआई) परिषद की उच्च-स्तरीय बैठक आयोजित होंगी।सदस्य देशों केप्रतिनिधियों ने एआई पर सहयोग बढ़ाने की प्रगति की समीक्षा की और जिम्मेदार एवं समावेशी एआई के लिए नए बहुपक्षीय विकल्पों पर विचार होगा।बैठक के अंत में लीडर्स डिक्लेरेशन को अपनाया गया,जिसमें सामूहिक प्रतिबद्धताओं को दोहराते हुए वैश्विक एआई शासन और सहयोग के लिए साझा रोडमैप की रूपरेखा प्रस्तुत की जाएगी।यह समिट भारत की डिजिटल कूटनीति का भी उदाहरण है। भारत ने स्वयं को केवल तकनीकी बाजार के रूप में नहीं, बल्कि नीति निर्माता और वैश्विक संवादकर्ता के रूप में प्रस्तुत किए जाने की संभावना है।एआई के भविष्य को आकार देने में भारत की भूमिका इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यहाँ विशाल डेटा संसाधन,युवा प्रतिभा और तेजी से बढ़ता स्टार्टअप इकोसिस्टम मौजूद है।इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 ने यह स्पष्ट कर देगा कि एआई केवल तकनीकी नवाचार नहीं,बल्कि सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिवर्तन का माध्यम है।भारत ने इस मंच के माध्यम से दुनियाँ को यह संदेश देगा कि एआई का भविष्य भय और नियंत्रण की सीमाओं में नहीं, बल्कि सहयोग, समावेशन और सतत विकास की दिशा में होना चाहिए। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क्रि यह समिट एक ऐतिहासिक पड़ाव के रूप में देखा जाएगा, जहाँ भारत ने न केवल तकनीकी क्षमता का प्रदर्शन होगा,बल्कि वैश्विक एआई विमर्श को नई दिशा देने का साहस भी दिखेगा । आने वाले वर्षों में जब एआई मानव जीवन के हर क्षेत्र को प्रभावित करेगा, तब 16-20 फरवरी 2026 को नई दिल्ली में आयोजित यह महाकुंभ उस परिवर्तनकारी यात्रा की आधारशिला के रूप में स्मरण किया जाएगा।

-संकलनकर्ता लेखक
- क्रर विशेषज्ञ स्तंभकार
साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक
चिंतक कवि संगीत माध्यमा
सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन
सनमुखदास भावनानीं गोंदिया
महाराष्ट्र 9284141425

भविष्य के जलवायु समझौतों के लिए मार्गदर्शक दस्तावेज: क्योटो प्रोटोकॉल

लेखक- सुनील कुमार महला

पर्यावरणीय दृष्टि से 16 फरवरी का दिन अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि 16 फरवरी 2005 को क्योटो प्रोटोकॉल आधिकारिक रूप से लागू हुआ था, जो जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विश्व का पहला कानूनी रूप से बाध्यकारी अंतरराष्ट्रीय समझौता था। इसे 1997 में जापान के क्योटो शहर में अपनाया गया था और यह संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा अभिसमय (यूएनएफसीसीसी) के अंतर्गत बनाया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य औद्योगिक (विकसित) देशों द्वारा ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को 1990 के स्तर की तुलना में कम करना था, ताकि वैश्विक तापमान वृद्धि को नियंत्रित किया जा सके। वास्तव में आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग की समस्या से प्रभावित है, जिसका प्रमुख कारण बढ़ती जनसंख्या, अंधाधुंध औद्योगिकीकरण, तेज शहरीकरण, विकास कार्यों के नाम पर पेड़ों की कटाई, जीवाश्म ईंधनों (कोयला, पेट्रोलियम, गैस) का अत्यधिक उपयोग, परिवहन, कृषि गतिविधियाँ और प्रदूषण हैं, जिनसे वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा तेजी से बढ़ रही है। ग्रीनहाउस गैसों जैसे कि कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन, नाइट्रस ऑक्साइड, जलवाष्प तथा फ्लोरीनयुक्त गैसें आदि वायुमंडल में सूर्य की ऊष्मा को रोककर पृथ्वी का तापमान बढ़ाती हैं, जिसे ग्रीनहाउस प्रभाव कहा जाता है। नवीनतम आँकड़ों के अनुसार वर्ष 2024 में वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन लगभग 57.7 गीगाटन कार्बन डाइऑक्साइड समतुल्य तक पहुँच गया, जो अब तक का सबसे अधिक स्तर है और पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 2.3% अधिक है; इस अवधि में उत्सर्जन वृद्धि में भारत का योगदान सबसे अधिक रहा, हालांकि प्रति व्यक्ति उत्सर्जन अभी भी वैश्विक औसत से कम है। पाठकों को बताता चलूं कि भारत में लगभग 3 टन प्रति व्यक्ति प्रतिवर्ष, जबकि वैश्विक औसत लगभग 6.4 टन है। कुल उत्सर्जन के मामले में भारत लगभग 4 गीगाटन वार्षिक उत्सर्जन के साथ विश्व का तीसरा सबसे बड़ा उत्सर्जक है, लेकिन ऐतिहासिक योगदान विकसित देशों से कम है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार 2024 में वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की सांद्रता लगभग 423–425 पीपीएम तक पहुँच गई, जो औद्योगिक क्रांति से पहले की तुलना में लगभग 50% अधिक है और जलवायु जोखिम को बढ़ा रही है। क्योटो प्रोटोकॉल की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता साझा लेकिन भिन्न जिम्मेदारी का सिद्धांत था, जिसके अनुसार ऐतिहासिक रूप से अधिक प्रदूषण करने वाले विकसित देशों पर अधिक दायित्व डाला गया, जबकि भारत और चीन जैसे विकासशील देशों को शुरुआती चरण में अनिवार्य उत्सर्जन कटौती से छूट दी गई। इस समझौते के अंतर्गत उत्सर्जन व्यापार, क्लीन डेवलपमेंट मैकेनिज्म (सीडीएम) और संयुक्त कार्यान्वयन जैसे नवाचारपूर्ण तंत्र बनाए गए, जिन्हें फ्लेक्सिबल मैकेनिज्म कहा गया और इन्हीं के माध्यम से कार्बन ट्रेडिंग की अवधारणा विकसित हुई, जिससे विकसित देश अन्य देशों में हरित परियोजनाओं या स्वच्छ तकनीक में निवेश करके कार्बन क्रेडिट खरीद सकते थे। भारत ने सीडीएम के तहत बड़ी संख्या में परियोजनाएँ विकसित कीं, जिससे तकनीकी आधुनिकीकरण, विदेशी निवेश और सर्टिफाइड एमिशन रिडक्शन (सीईआर) क्रेडिट के रूप में आर्थिक लाभ मिला तथा भारत वैश्विक कार्बन बाजार का महत्वपूर्ण भागीदार बना। हालांकि, संयुक्त राज्य अमेरिका ने इस समझौते पर हस्ताक्षर तो किए थे, लेकिन इसे अपनी संसद से अनुमोदित नहीं कराया, जिससे इसकी प्रभावशीलता पर प्रश्न उठे, फिर भी इसकी एक बड़ी उपलब्धि यह रही कि इसने उत्सर्जन की निगरानी, रिपोर्टिंग और सत्यापन की सख्त वैश्विक प्रणाली विकसित की, जो आज भी अंतरराष्ट्रीय जलवायु व्यवस्था की आधारशिला मानी जाती है। आगे चलकर वैश्विक जलवायु प्रयासों को अधिक व्यापक बनाने के लिए 2015 में पेरिस समझौता अस्तित्व में आया, जिसमें लगभग सभी देशों को जलवायु कार्रवाई के साझा लक्ष्य में शामिल किया गया; संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की रिपोर्टों के अनुसार वर्ष 2023-2024 में वैश्विक उत्सर्जन रिकॉर्ड स्तर के आसपास है और वर्तमान नीतियों के साथ 1.5°C तापवृद्धि लक्ष्य हासिल करना कठिन दिखाई देता है। भारत ने वर्तमान वैश्विक व्यवस्था में महत्वपूर्ण लक्ष्य घोषित किए हैं।

एआई इम्पैक्ट 2026: मानव सभ्यता के द्वार पर दस्तक देती कृत्रिम बुद्धि

विनोद कुमार सिंह,स्वतंत्र पत्रकार व स्तम्भकार

> » प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस भव्य आयोजन का शुभारंभ किया,तो यह केवल दीप प्रज्ज्वलन नहीं था,बल्कि उस भविष्य का उद्घाटन था जिसमें मशीनें केवल उपकरण नहीं, बल्कि मानव निर्णय,शासन, अर्थव्यवस्था और चेतना की संरचना में सहभागी होंगी।भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश के लिए यह आयोजन एक प्रयोगशाला नहीं,बल्कि एक प्रयोग-भूमि है, जहाँ करोड़ों जीवन की दिशा तय होनी है।

नई दिल्ली में 16 से 20 फरवरी 2026 के बीच आयोजित 'एआई इम्पैक्ट 2026' केवल एक तकनीकी सम्मेलन नहीं,बल्कि मानव सभ्यता के इतिहास में एक नए अध्याय का उद्घोष है। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस भव्य आयोजन का शुभारंभ किया, तो यह केवल दीप प्रज्ज्वलन नहीं था, बल्कि उस भविष्य का उद्घाटन था जिसमें मशीनें केवल उपकरण नहीं, बल्कि मानव निर्णय,शासन, अर्थव्यवस्था और चेतना की संरचना में सहभागी होंगी। .भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश के लिए यह आयोजन एक प्रयोगशाला नहीं,बल्कि एक प्रयोग-भूमि है, जहाँ करोड़ों जीवन की दिशा तय होनी है। प्रधानमंत्री ने अपने उद्घाटन वक्तव्य में एआई को 'विकसित भारत' की धुरी बताते हुए कहा कि कृत्रिम बुद्धि केवल तकनीक नहीं, बल्कि मानव क्षमता के विस्तार का माध्यम है। उनका यह कथन प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि रणनीतिक था।भारत की जनसंख्या एक ओर भार है,तो दूसरी ओर मानव पूंजी का महासागर। एआई इम्पैक्ट 2026 इसी महासागर को दिशा देने का आह्वान है। यह आयोजन उस राष्ट्रीय आकांक्षा का मंच है जिसमें भारत केवल तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि वैश्विक एआई नेतृत्वकर्ता बनने का संकल्प ले रहा है।एआई के संदर्भ में भारत की स्थिति अद्वितीय है। एक ओर विशाल युवा जनसंख्या, दूसरी ओर डिजिटल बुनियादी ढाँचे का तीव्र विस्तार, और तीसरी ओर राजनीतिक इच्छाशक्ति।प्रधानमंत्री मोदी का 'मिशन एआई' केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं, बल्कि गाँव, खेत,कारखाने, विद्यालय और शासन प्रणाली तक विस्तारित दृष्टि है। एआई इम्पैक्ट 2026 इस दृष्टि को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने का प्रयास है। परंतु हर तकनीकी क्रांति के साथ आशंकाओं की आँधी भी आती है। औद्योगिक क्रांति ने श्रमिक वर्ग को विस्थापित किया था, सूचना क्रांति ने ज्ञान का केंद्रीकरण तोड़ा था, और अब एआई क्रांति मानव श्रम और मानव निर्णय दोनों को चुनौती दे रही है। भारत जैसे देश में जहाँ बेरोजगारी पहले से ही सामाजिक- आर्थिक तनाव का स्रोत है,वहाँ एआई का आगमन एक नई अनिश्चितता का संकेत भी है। क्या मशीनें करोड़ों नौकरियों को निगल जाएँगी? क्या मानव श्रम अप्रासंगिक हो जाएगा? क्या निर्णय-प्रक्रिया एल्गोरिद्म के हाथों में चली जाएगी? ये प्रश्न केवल तकनीकी नहीं, बल्कि दार्शनिक और राजनीतिक भी हैं।एआई इम्पैक्ट 2026 का केंद्रीय विमर्श इसी द्वंद्व पर केंद्रित है—संभावना और शंका, सफलता और संकट,विकास और विस्थापन। प्रधानमंत्री मोदी का उद्घाटन भाषण इस द्वंद्व को स्वीकारते हुए आशावाद की ओर झुका हुआ था। उन्होंने कहा कि एआई मानव को विस्थापित नहीं, बल्कि सशक्त करेगा।यह कथन राजनीतिक रूप से आश्वस्तकारी है, परंतु सामाजिक यथार्थ में इसे मूर्त रूप देने के लिए नीतिगत क्रांति आवश्यक है। भारत की विशाल जनसंख्या यदि प्रशिक्षित, कौशलयुक्त और डिजिटल रूप से सशक्त होती है, तो एआई क्रांति भारत को वैश्विक शक्ति बना सकती है। किंतु यदि यह जनसंख्या तकनीकी परिवर्तन से कट जाती है,तो वही जनसंख्या सामाजिक विस्फोट का कारण भी बन सकती है।एआई इम्पैक्ट 2026 इस दोराहे पर खड़े भारत का आत्ममंथन है।मानव संसाधन के संदर्भ में एआई का प्रभाव बहुआयामी है। शिक्षा प्रणाली, स्वास्थ्य सेवाएँ, कृषि, उद्योग, प्रशासन, न्याय प्रणाली—सभी क्षेत्रों में एआई की भूमिका बढ़ रही है।भारत में डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, आधार, यूपीआई, डिजिलॉकर, और अब एआई आधारित शासन मॉडल, एक नए सामाजिक अनुबंध की रचना कर रहे हैं।मोदी का मिशन इस अनुबंध को 'डिजिटल नागरिकता' के रूप में परिभाषित करता है। एआई इम्पैक्ट 2026 इसी डिजिटल नागरिकता का वैश्विक विमर्श है।बेरोजगारी की आशंका को लेकर अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों की राय विभाजित है। कुछ का मानना है कि एआई करोड़ों नौकरियों को समाप्त कर देगा, जबकि अन्य का कहना है कि यह उतनी ही नई नौकरियाँ भी पैदा करेगा। भारत के संदर्भ में यह समीकरण अधिक जटिल है। यहाँ अनौपचारिक क्षेत्र, कृषि आधारित रोजगार और निम्न कौशल श्रमिकों की विशाल संख्या है। यदि एआई इन क्षेत्रों में बिना सामाजिक सुरक्षा के प्रवेश करता है, तो असमानता बढ़ेगी। एआई इम्पैक्ट 2026 में इस प्रश्न पर गहन चर्चा हो रही है कि कैसे कौशल पुनर्संरचना, जीवनपर्यंत शिक्षा और डिजिटल प्रशिक्षण के माध्यम से मानव संसाधन को एआई युग के अनुरूप ढाला जाए। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने उद्घाटन में 'स्किल, स्केल और स्पीड' की त्रयी पर बल दिया। उनका तर्क था कि भारत को एआई में कौशल विकसित करना होगा, उसे बड़े पैमाने पर लागू करना होगा, और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में गति बनाए रखनी होगी। यह दृष्टि भारत को केवल तकनीकी शक्ति नहीं, बल्कि नैतिक और मानवीय एआई नेतृत्वकर्ता बनाने की आकांक्षा भी रखती है।वैश्विक संदर्भ में एआई एक भू-राजनीतिक हथियार बन चुका है।अमेरिका, चीन, यूरोप और अन्य शक्तियाँ एआई को आर्थिक, सैन्य और राजनीतिक प्रभुत्व के साधन के रूप में देख रही हैं। भारत की भूमिका अब केवल संतुलन कारी नहीं,बल्कि वैकल्पिक मॉडल प्रस्तुत करने की है। एआई इम्पैक्ट 2026 में भारत ने 'मानव-केंद्रित एआई' की अवधारणा को प्रमुखता से रखा है। यह अवधारणा एआई को मानव गरिमा, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय के साथ जोड़ने का प्रयास है। सफलता की संभावना विशाल है। कृषि में सटीक खेती, स्वास्थ्य में निदान की क्रांति, शिक्षा में व्यक्तिगत शिक्षण, शासन में पारदर्शिता, उद्योग में उत्पादकता—ये सभी एआई के उपहार हैं। भारत जैसे देश में जहाँ संसाधनों की कमी और जनसंख्या की अधिकता है, वहाँ एआई संसाधनों के कुशल उपयोग का माध्यम बन सकता है। एआई इम्पैक्ट 2026 इन संभावनाओं को नीतिगत रोडमैप में बदलने का मंच है। परंतु शंका भी उतनी ही गहरी है। डेटा की निजता, एल्गोरिद्मिक पक्षपात, निगरानी राज्य, डिजिटल उपनिवेशवाद—ये एआई युग के अंधेरे पक्ष हैं। भारत जैसे लोकतंत्र में जहाँ नागरिक अधिकारों की रक्षा सर्वोपरि है, वहाँ एआई का अनियंत्रित प्रयोग लोकतंत्र को भी चुनौती दे सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में 'ट्रस्ट और ट्रांसपेरेंसी' पर जोर देकर इस चिंता को स्वीकार किया।एआई इम्पैक्ट 2026 इसलिए केवल तकनीकी सम्मेलन नहीं, बल्कि सभ्यता का संवाद है। यह संवाद मानव और मशीन, लोकतंत्र और एल्गोरिद्म, बाजार और समाज, शक्ति और नैतिकता के बीच है। भारत इस संवाद में एक प्राचीन सभ्यता के प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित है, जो तकनीक को साधन मानती है, साध्य नहीं। इस आयोजन में अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं, उद्योग जगत और शिक्षाविदों की उपस्थिति इस बात का संकेत है कि एआई अब किसी एक देश या कंपनी का विषय नहीं, बल्कि मानवता का साझा भविष्य है।प्रधानमंत्री मोदी का उद्घाटन भाषण भारत को इस साझा भविष्य के नैतिक मार्गदर्शक के रूप में प्रस्तुत करता है। अंततः प्रश्न यह नहीं कि एआई आएगा या नहीं, बल्कि यह है कि मानवता उसे कैसे अपनाएगी। भारत जैसे देश के लिए यह प्रश्न और भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यहाँ तकनीक केवल सुविधा नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का उपकरण भी हो सकती है। एआई इम्पैक्ट 2026 इस संभावना, शंका और सफलता के त्रिकोण में खड़े मानव भविष्य का चिंतन है। यह आयोजन एक चेतावनी भी है और एक आशा भी -कि यदि मानव विवेक, नीति और नैतिकता तकनीक के साथ चलें, तो एआई मानव सभ्यता का विनाश नहीं, बल्कि उसका उत्कर्ष बन सकता है।एआई इम्पैक्ट 2026 के उद्घाटन सत्र के साथ ही यह स्पष्ट हो गया कि भारत एआई को केवल आर्थिक वृद्धि का उपकरण नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का आधार बनाना चाहता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने वक्तव्य में भारत की जनसांख्यिकी को 'डेमोग्राफिक डिविडेंड' से 'डिजिटल डिविडेंड' में रूपांतरित करने का आह्वान किया। उनका संकेत स्पष्ट था—यदि युवा शक्ति को एआई कौशल से लैस किया जाए, तो भारत आने वाले दशकों में वैश्विक नवाचार का केंद्र बन सकता है। भारत के लिए एआई का प्रश्न केवल तकनीकी नहीं, बल्कि सभ्यतागत है। यहाँ की संस्कृति, दर्शन और सामाजिक संरचना हजारों वर्षों से मानव चेतना, नैतिकता और सामूहिकता पर आधारित रही है। एआई इस संरचना में एक नया तत्व जोड़ रहा है—एल्गोरिद्मिक निर्णय। यह निर्णय मानव विवेक का सहायक भी हो सकता है और प्रतिस्थापन भी। एआई इम्पैक्ट 2026 इसी द्वंद्व की ऐतिहासिक बहस का मंच है।मानव संसाधन के संदर्भ में भारत की चुनौती अद्वितीय है। हर वर्ष लाखों युवा श्रम बाजार में प्रवेश करते हैं। परंपरागत उद्योग उतनी गति से रोजगार नहीं पैदा कर पा रहे। एआई आधारित स्वचालन इस संकट को बढ़ा भी सकता है और हल भी कर सकता है। यदि एआई केवल पूंजी-गहन उद्योगों में केंद्रित रहा, तो रोजगार संकट गहराएगा। लेकिन यदि एआई को शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, लघु उद्योग और ग्रामीण उद्यमिता में समावेशी रूप से लागू किया जाए, तो यह रोजगार सृजन की नई लहर भी पैदा कर सकता है। मोदी ने 'एआई फॉर ऑल' की अवधारणा पर जोर देकर इस समावेशन का संकेत दिया। उनका कहना था कि एआई केवल महानगरों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों की संपत्ति नहीं, बल्कि गाँव, किसान, छात्र और छोटे उद्यमी का भी अधिकार है। एआई इम्पैक्ट 2026 में प्रस्तुत अनेक स्टार्टअप और नीति प्रस्ताव इसी विचार को मूर्त रूप देते हैं।वैश्विक मंच पर भारत की एआई कूटनीति भी इस सम्मेलन का महत्वपूर्ण आयाम है। एआई अब ऊर्जा, रक्षा, साइबर सुरक्षा और आर्थिक प्रभुत्व का नया क्षेत्र बन चुका है। अमेरिका और चीन के बीच एआई प्रतिस्पर्धा एक नई शीत युद्ध की तरह उभर रही है। भारत इस प्रतिस्पर्धा में तीसरे ध्रुव के रूप में उभर सकता है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों और मानव अधिकारों पर आधारित एआई मॉडल प्रस्तुत करे। प्रधानमंत्री मोदी का उद्घाटन वक्तव्य इसी 'विश्व मित्र' भूमिका की ओर संकेत करता है। एआई इम्पैक्ट 2026 में यह भी स्पष्ट हुआ कि डेटा ही नए युग का तेल नहीं, बल्कि नई सभ्यता का रक्त है। भारत के पास विशाल डेटा संसाधन हैं, परंतु डेटा संप्रभुता, निजता और सुरक्षा के प्रश्न अत्यंत संवेदनशील हैं। यदि भारतीय नागरिकों का डेटा वैश्विक तकनीकी निगमों के नियंत्रण में चला गया, तो डिजिटल उपनिवेशवाद का खतरा वास्तविक है। इस सम्मेलन में डेटा लोकलाइजेशन, भारतीय एआई मॉडल और स्वदेशी चिप निर्माण पर हुई चर्चा भारत की डिजिटल संप्रभुता के संघर्ष का संकेत है। बेरोजगारी की आँधी की आशंका इस सम्मेलन के विमर्श में बार-बार उभरी। कई विशेषज्ञों ने चेतावनी दी कि आने वाले वर्षों में पारंपरिक नौकरियाँ तेजी से समाप्त होंगी। वहीं कुछ विशेषज्ञों ने कहा कि एआई नई रचनात्मक अर्थव्यवस्था को जन्म देगा, जहाँ मानव रचनात्मकता, भावनात्मक बुद्धि और सामाजिक कौशल की मांग बढ़ेगी। भारत के लिए यह संक्रमण काल सबसे चुनौतीपूर्ण होगा। यहाँ सामाजिक सुरक्षा तंत्र अभी भी विकसित हो रहा है। इसलिए एआई नीति के साथ-साथ सामाजिक नीति भी उतनी ही आवश्यक है। नरेंद्र मोदी ने अपने भाषण में 'मानवता प्रथम' का मंत्र दोहराया। यह मंत्र केवल नैतिक उपदेश नहीं, बल्कि नीति का आधार बन सकता है। यदि भारत एआई को मानव कल्याण, गरीबी उन्मूलन, शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए उपयोग करता है, तो यह तकनीक सामाजिक समानता का उपकरण बन सकती है। एआई इम्पैक्ट 2026 इसी नैतिक दृष्टि को वैश्विक विमर्श में स्थापित करने का प्रयास है।सफलता की राह स्पष्ट है, परंतु सरल नहीं। भारत को एआई शिक्षा को विद्यालयों और विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम में एकीकृत करना होगा।शोध, नवाचार और उद्योग के बीच सेतु बनाना होगा। स्टार्टअप इकोसिस्टम को ग्रामीण भारत तक विस्तार देना होगा। और सबसे महत्वपूर्ण, एआई के नैतिक और कानूनी ढाँचे का निर्माण करना होगा। एआई इम्पैक्ट 2026 इन सभी क्षेत्रों में नीति-निर्माताओं, उद्योग और अकादमिक जगत के बीच संवाद का मंच प्रदान करता है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए भी यह सम्मेलन एक संदेश है कि भारत केवल तकनीकी बाजार नहीं, बल्कि तकनीकी विचारधारा का स्रोत बनना चाहता है। प्रधानमंत्री मोदी का उद्घाटन भाषण इस विचारधारा का उद्घोष था—कि तकनीक मानव की दासी हो, स्वामी नहीं। हम यदि एआई इम्पैक्ट 2026 को यदि इतिहास के परिप्रेक्ष्य में देखा जाए, तो यह भारत के डिजिटल स्वतंत्रता आंदोलन का एक अध्याय भी हो सकता है। जैसे भारत ने औपनिवेशिक युग में राजनीतिक स्वतंत्रता प्राप्त की, वैसे ही डिजिटल युग में तकनीकी संप्रभुता की लड़ाई आरंभ हो चुकी है। एआई इस लड़ाई का केंद्र है।भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश के लिए एआई एक तूफान भी है और एक अवसर भी।यह तूफान बेरोजगारी,असमानता और निगरानी का खतरा ला सकता है। और यही अवसर नव-रोजगार, नव-शिक्षा और नव-सभ्यता का द्वार भी खोल सकता है। एआई इम्पैक्ट 2026 इसी तूफान और अवसर के संगम पर खड़ा भारत का आत्म चिंतन है।यह सम्मेलन हमें याद दिलाता है कि तकनीक का भविष्य केवल इंजीनियरों के हाथ में नहीं, बल्कि समाज,नीति, दर्शन और लोकतंत्र के हाथ में है। यदि भारत इस सामूहिक जिम्मेदारी को स्वीकार करता है,तो एआई युग में वह केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि दिशा-निर्देशक बन सकता है। प्रधानमंत्री का उद्घाटन भाषण इसी दिशा का संकेतक है।एआई इम्पैक्ट 2026 इसलिए एक सम्मेलन नहीं,बल्कि एक चेतावनी, एक संकल्प और एक सभ्यतागत संवाद है।मानव और मशीन के इस नए सहजीवन में भारत की भूमिका निर्णायक हो सकती है -यदि वह अपनी प्राचीन विवेक परंपरा और आधुनिक तकनीक को संतुलित कर सके।

यूएई को हराने में छूटे अफगानिस्तान के पसीने

● आखिरी ओवर तक चला रोमांचक मुकाबला, किसे मिला सुपर 8 का टिकट? ● टी20 वर्ल्ड कप में अफगानिस्तान की पहली जीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप के 28वें मैच में अफगानिस्तान की टीम ने आखिरी ओवर तक चले रोमांचक मुकाबले में यूएई को 5 विकेट से हरा दिया। यह इस टूर्नामेंट में अफगानिस्तान की पहली जीत है। हालांकि उनकी सुपर 8 में पहुंच पाने की उम्मीदें बेहद कम हैं। इस मैच की बात करें तो पहले बैटिंग करते हुए यूएई ने बोर्ड पर 160 रन लगाए थे। जवाब में आखिरी ओवर तक चले मैच में अफगानिस्तान ने 5 विकेट खोकर इस मैच को जैसे-तैसे जीत लिया। अफगानिस्तान की टीम की जीत के साथ ही साउथ अफ्रीका सुपर 8 में पहुंचने वाली तीसरी टीम बन चुकी है।

आखिरी ओवर में चेज हुआ टारगेट– यूएई के 161 रन के टारगेट को चेज करने में अफगानिस्तान की टीम को आखिरी ओवर तक बल्लेबाजी करनी पड़ी। अफगानिस्तान के लिए इब्राहिम जादरान ने 53 रन की शानदार पारी खेली। वहीं इस टीम को जीत अजमतउल्लाह ओमरजई ने दिलाई जिन्होंने 21 गेंद पर नाबाद 40 रन की पारी खेली। वहीं दार्विस रसूली ने 33 रन बनाए। वहीं यूएई की ओर से मोहम्मद अरफान और जुनैद सिद्दीकी ने 2-2 विकेट लिए।

शोएब ने ठोकी हाफ सेंचुरी– शोएब खान के अर्धशतक से यूएई ने आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप डी मैच में सोमवार को यहां अफगानिस्तान के खिलाफ 9 विकेट पर 160 रन बनाए। शोएब ने 48 गेंद में चार छक्कों और छह चौकों से 68 रन की पारी खेलने के अलावा आलीशान शराफू (40) के साथ तीसरे विकेट के लिए 84 रन की साझेदारी की जिससे यूएई की टीम चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचने में सफल रही।

अच्छी नहीं रही यूएई की शुरुआत

अफगानिस्तान की ओर से तेज गेंदबाज अजमतुल्लाह उमरजई (15 रन पर चार विकेट) और मुजीब उर रहमान (31 रन पर दो विकेट) ने यूएई को नियमित अंतराल पर झटके दिए लेकिन शोएब ने एक छोर संभाले रखा। अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान (24 रन पर एक विकेट) ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। यूएई ने दूसरे ओवर में 13 रन तक ही अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों आर्यांश शर्मा (00) और कप्तान मुहम्मद वसीम (10) के विकेट गंवा दिए।

लगातार गिरते रहे विकेट– मैच की चौथी ही गेंद पर आर्यांश ने अजमतुल्लाह की गेंद पर विकेटकीपर रहमानुल्लाह गुरबाज को कैच थमाया। इस समय टीम के रनों का खाता भी नहीं खुला था। अगले ओवर में वसीम ने मुजीब पर लगातार दो चौके मारे लेकिन इस ऑफ स्पिनर की अगली गेंद को चूककर पगबाधा हो गए। शोएब ने मुजीब पर लॉन्ग ऑफ पर छक्का जड़ा और अगले ओवर में तेज गेंदबाज जियाउर रहमान पर तीन चौके मारे जबकि शराफू ने भी मुजीब पर दो चौके जड़े जिससे यूएई ने पावर प्ले में दो विकेट पर 55 रन बनाए।

आकाश चोपड़ा की बात सुनकर पाकिस्तानी शर्म से पानी-पानी हो गए होंगे

भारतीय दिग्गज ने यूं खूब लताड़ा

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम द्वारा टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान को 61 रनों से धूल चटाने के बाद, पूर्व ओपनर और मशहूर कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने एक दिलचस्प ट्वीट किया है। चोपड़ा का मानना है कि भारतीय क्रिकेट फैंस की मानसिकता में अब एक बड़ा बदलाव आया है। आकाश का मानना है कि अब भारतीय टीम के फैंस को पाकिस्तान से जीत हार पर ज्यादा फर्क नहीं पड़ता है।

आकाश ने जीत के बाद क्या कहा?

उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा, एक समय था जब भारतीय कहा करते थे कि पाकिस्तान को हरा दो फिर चाहे वर्ल्ड कप हार जाओ। मुझे लगता है कि अब ऐसा नहीं है। उनके अनुसार, अब भारतीय फैंस के लिए जीत का पैमाना सिर्फ एक मैच नहीं बल्कि टूर्नामेंट की ट्रॉफी बन चुका है।

पाकिस्तान पर भी बोले आकाश चोपड़ा– आकाश चोपड़ा ने आगे स्पष्ट किया कि पाकिस्तान के खिलाफ जीत की अहमियत कम नहीं हुई है, लेकिन यह अब फैंस की एकमात्र इच्छा नहीं रही। उन्होंने ट्वीट में कहा, पाकिस्तान को हराना महत्वपूर्ण है और हमारी भू-राजनीतिक वास्तविकता को देखते हुए हमेशा रहेगा, लेकिन अब यह भारतीय फैंस की क्रिकेट महत्वाकांक्षाओं का सब कुछ नहीं रह गया है। यह दर्शाता है कि भारतीय दर्शकों की नजरें अब ग्लोबल डोमिनेंस और आईसीसी खिताबों पर ज्यादा टिकी हैं।

आगे बढ़ चुके हैं भारतीय फैंस– आकाश चोपड़ा ने इस बात पर भी जोर दिया कि भारतीय फैंस अब इस प्रतिद्वंद्विता से काफी आगे निकल चुके हैं। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, वे (भारतीय फैंस) आगे बढ़ चुके हैं।

'शाहीन को बाहर करो'

हार के बाद भड़के शाहिद अफरीदी, दामाद के खिलाफ खूब उगला जहर

करांची (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के महामुकाबले की काफी ज्यादा चर्चा हो रही थी। ऐसा लग रगा था इस बार टी20 वर्ल्ड कप 2026 में पाकिस्तान भारत को अच्छी टक्कर देगा। लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। पाकिस्तान ने एक बार फिर भारत के सामने घुटने टेक दिए। पाकिस्तान 61 रन से भारत से मुकाबला हार गया। पाकिस्तानी फैंस और उनके पूर्व खिलाड़ियों को यह हार काफी ज्यादा चुभी। जहां शोएब अख्तर ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन मोहसिन नकवी को जमकर सुनाया। वहीं पाकिस्तान टीम के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने अपने दामाद शाहीन अफरीदी को ही आड़े हाथ ले लिया। पाकिस्तान के दिग्गज ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी ने एक पाकिस्तानी शो पर कहा कि सीनियर खिलाड़ी शाहीन अफरीदी, बाबर आजम और शादाब खान को टीम से बाहर कर देना चाहिए। उनकी जगह जूनियर प्लेयर्स को मौका देना चाहिए।

भारतीय महिला टीम ने डकवर्थ-लुईस से 21 रन से जीती

6 साल बाद ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में हराया, अरुंधति रेड्डी ने लिए 4 विकेट

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने 15 फरवरी 2026 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टी-20 मैच में डकवर्थ-लुईस (डीएलएस) नियम के तहत 21 रनों से जीत दर्ज की। सिडनी में खेले गए मैच में बारिश के कारण जब खेल रोका गया, उस समय भारत लक्ष्य का पीछा करते हुए 5.1 ओवर में 1 विकेट के नुकसान पर 50 रन बना चुका था। उस समय डीएलएस के अनुसार भारत को जीत के लिए 29 रन तक पहुंचना जरूरी था। भारतीय टीम इस पार स्कोर से 21 रन आगे थी। इसलिए नियमानुसार भारत को 21 रन से विजेता घोषित किया गया।

अरुंधति रेड्डी ने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 22 रन देकर 4 विकेट लिए, जबकि रेणुका सिंह ने भी शानदार गेंदबाजी की। दोनों की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 133 रन पर समेट दिया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए शेफाली वर्मा, स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिग्स ने तेज बल्लेबाजी की और बारिश आने से पहले ही टीम को जीत की मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

इस जीत के साथ भारतीय टीम अब ऑस्ट्रेलिया में अपनी दूसरी बाइलेटरल टी-20 सीरीज जीतने से सिर्फ एक कदम दूर है।

रेणुका सिंह का पावरप्ले में दबदबा, ऑस्ट्रेलिया को शुरुआत में रोका– मैच की शुरुआत में रेणुका सिंह ने अपनी स्विंग से ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को काफी परेशान किया। उन्होंने पावरप्ले में लगातार तीन ओवर फेंके। हालांकि उनके पहले ओवर की आखिरी दो गेंदों पर चौके लगे, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी की। रेणुका ने अपने अगले दो ओवरों में सिर्फ 2 रन दिए और बेथ मूनी का विकेट झटका।

- **अरुंधति रेड्डी का करियर बेस्ट प्रदर्शन, 22 रन देकर झटके 4 विकेट–** एक समय ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 7 ओवर में 2 विकेट पर 68 रन था और वे मजबूत स्थिति में दिख रहे थे। तभी अरुंधति रेड्डी और दीप्ति शर्मा ने मैच का रुख पलट दिया। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने मिड-ऑफ पर पीछे दौड़ते हुए एलिस पेरी का शानदार कैच पकड़ा। इसके बाद अरुंधति ने लिचफील्ड को आउट किया। ऑस्ट्रेलिया ने अपने 5 विकेट 10 ओवर से पहले ही गंवा दिए थे। अरुंधति ने अंत में जॉर्जिया वारेहम और डार्सी ब्राउन को आउट कर ऑस्ट्रेलिया की पारी 133 रनों पर समेट दी।
- **18 ओवर में सिमटी ऑस्ट्रेलियाई टीम, छठी बार ऑलआउट हुई–** ऑस्ट्रेलिया की पूरी टीम 18 ओवर में ही पवेलियन लौट गई। टी-20 इंटरनेशनल के इतिहास में यह केवल छठी बार है जब ऑस्ट्रेलियाई टीम पहली पारी में ऑलआउट हुई है। वहीं, ओवरों के लिहाज से यह उनका तीसरा सबसे छोटा टी-20 इंटरनेशनल इनिंग रहा। ऑस्ट्रेलिया के ऊपरी क्रम के 7 में से 5 बल्लेबाजों ने दहाई का आंकड़ा छुआ, लेकिन कोई भी बड़ी पारी नहीं खेल सका। जॉर्जिया वारेहम 30 रन बनाकर टॉप स्कोरर रहीं।
- **उप कप्तान ताहलिया मैकग्रा टीम से रही बाहर–** ऑस्ट्रेलियाई टीम इस मैच में नई कप्तान सोफी मोलिनक्स के नेतृत्व में उतरी थी। टीम मैनेजमेंट ने उप-कप्तान ताहलिया मैकग्रा को प्लेइंग इलेवन से बाहर रखकर सबको चौंका दिया। बैटिंग ऑर्डर में भी काफी बदलाव दिखे।

शेल्टन ने सेमीफाइनल थ्रिलर में शापोवालोव को हराया

फिट्ज़ भी फाइनल में पहुंचे

डलास (एजेंसी)। बेन शेल्टन नेक्सो डलास ओपन में अपने साथी लेफ्टी डेनिस शापोवालोव के बड़े टेस्ट से बच निकले, जहां उन्होंने आखिरी सेट के टाई-ब्रेक में जीत हासिल करके फाइनल में जगह बनाई। दूसरे सीड वाले खिलाड़ी ने डिफेंडिंग चैंपियन को 4-6, 6-4, 7-6(4) से हराया। दूसरे सीड वाले शेल्टन ने पूरे मुकाबले में दबाव में शानदार हिम्मत दिखाई। उन्होंने 11 में से 10 ब्रेक पॉइंट बचाए, जिसमें दूसरे सेट में 2-2 पर क्लच वॉली से एक जरूरी सेव और तीसरे सेट में 5-5 पर एक और सेव शामिल है। इस जीत के साथ, उन्होंने जोड़ी की हेड टू हेड सीरीज में 4-0 की बढ़त बना ली। फाइनल में शेल्टन का मुकाबला टॉप सीड टेलर फिट्ज से होगा। 2018 के बाद से यह टूर्नामेंट में टॉप दो सीड के बीच पहला फाइनल होगा, जब टॉप सीड केविन एंडरसन ने न्यूयॉर्क में दूसरे सीड सैम क्वेरी को हराया था, जहां पहले यह टूर्नामेंट हुआ था।

फिट्ज ने शनिवार को सेमीफाइनल में फिर से वापसी कर रहे मारिन सिलिच का सिलसिला रोक दिया। थोड़े अंतर से तय हुए मैच में, टॉप सीड ने अपना धैर्य बनाए रखा और क्रोएशियाई खिलाड़ी को दो घंटे, दो मिनट के रोमांचक मुकाबले में 7-6(5), 7-6(3) से हराया, और 37 साल के खिलाड़ी को 22 एस से हराया।

फिट्ज ने कोर्ट पर अपने इंटरव्यू में कहा, बस बहुत शांत सर्विंग। मुझे लगता है कि जब मैं शांत और रिलैक्स महसूस करता हूं, तो यही सबसे बड़ी बात है, मैं अच्छी सर्व करता हूं। दोनों खिलाड़ियों ने बिना ब्रेक वाले मैच में बड़ी डिलीवरी से दबदबा बनाया। फिट्ज़ को ब्रेक पॉइंट का सामना नहीं करना पड़ा और उन्होंने सिलिच के 16 के मुकाबले 22 एस मारे, जिसमें पहले सेट के टाई-ब्रेक में चार शामिल थे।

3 साल में पहली बार म्यूचुअल फंड ने 4100 करोड़ के शेयर बेचे

नई दिल्ली , एजेंसी। फरवरी के महीने में अब तक म्यूचुअल फंड ने भारतीय शेयर बाजार में करीब 4,100 करोड़ रुपये के शेयर बेचे हैं। यह लगातार खरीदारी करने वाले म्यूचुअल फंडों द्वारा पिछले तीन सालों में पहली बार है, जब वे शुद्ध रूप से बिकवाल बने हैं। इस महीने के सात कारोबारी सत्रों में से छह में वे शेयरों के शुद्ध विक्रेता रहे हैं। इससे पहले अप्रैल 2023 में म्यूचुअल फंड ने 4,532 करोड़ रुपये से अधिक के शेयर बेचे थे। उसके बाद से लगातार 34 महीनों तक वे शेयरों की शुद्ध खरीदारी कर रहे थे। यह बदलाव हाल के महीनों में जारी खरीदारी के रुख के बिल्कुल विपरीत है। बीते जनवरी में ही म्यूचुअल फंड ने 42,355 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे थे और साल 2025 के दौरान उन्होंने कुल मिलाकर करीब 4.93 लाख करोड़ रुपये के भारतीय शेयरों की खरीदारी की थी। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि यह बिकवाली निवेशकों द्वारा पैसे निकालने (रिडेम्पशन) के दबाव की वजह से नहीं, बल्कि पोर्टफोलियो में बदलाव की वजह से हो रही है। मनीकंट्रोल को डॉ. चोकसी फिनसर्व के प्रबंध निदेशक देवेन चोकसे ने बताया कि फंड अपने पोर्टफोलियो को फिर से संतुलित कर रहे हैं। वे कम प्रदर्शन करने वाले शेयरों से पैसा निकालकर बेहतर गुणवत्ता वाले शेयरों, खासकर बड़ी कंपनियों (लार्ज-कैप) में निवेश कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि कुछ फंड उस समय जमा हुए शेयरों को भी बेच रहे हैं, जब पहले विदेशी निवेशक बाजार से पैसा निकाल रहे थे।

गोल्ड-सिल्वर ईटीएफ में नुकसान रोकने के लिए आएंगे नए नियम

नई दिल्ली , एजेंसी। बाजार नियामक सेबी ने सोने और चांदी के ईटीएफ के कारोबारी नियमों में बदलाव करने का फैसला किया है। इसका मकसद है कि इनकी कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार के उतार-चढ़ाव के ज्यादा करीब रहें और निवेशकों को सही भाव पर खरीद-फरोख्त का मौका मिल सके। इससे आम निवेशकों को काफी फायदा होगा और अनचाहा नुकसान होने से बचाव हो सकेगा।

दरअसल, दुनियाभर में सोने और चांदी की खरीद-बिक्री 24 घंटे होती है। अंतरराष्ट्रीय कमोडिटी एक्सचेंज में भी इनकी कीमतें लगातार ऊपर-नीचे हो जाती हैं लेकिन भारत में ईटीएफ की खरीद-बिक्री शेयर बाजार के समय मुताबिक सुबह 9:15 से दोपहर 3:30 बजे तक ही होती है। इस दौरान इनके भाव एक तय सीमा (फिक्स्ड प्राइस बैंड) के भीतर ही घट-बढ़ सकते हैं। इस तय सीमा और समय अंतर की वजह से अक्सर भारतीय ईटीएफ की कीमतें अंतरराष्ट्रीय कीमतों से पिछड़ जाती हैं या उनमें बड़ा अंतर आ जाता है। इसके चलते आम निवेशकों को सही दाम पर खरीद-बिक्री नहीं मिल पाती और कई बार बिना वजह नुकसान हो भी जाता है। वर्तमान में सोने-चांदी की कीमतों में लगातार तेज उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है जिसकी वजह से निवेशकों को नुकसान भी झेलना पड़ रहा है। इसके चलते सेबी ने ईटीएफ के कारोबारी नियमों में बदलाव का प्रस्ताव रखा है। सेबी ने अब 'डायनामिक प्राइस बैंड' लागू करने का सुझाव दिया है। इसका मतलब यह है कि कीमतों की सीमा बाजार की स्थिति के अनुसार बदली जा सकेगी।

परिवार का सोने-चांदी का कारोबार छोड़ा, 12वीं फेल ने चुना अपना रास्ता

अब 25 लाख साल की कमाई

नई दिल्ली , एजेंसी। महाराष्ट्र के संतोष जाधव ने अपने परिवार का सोने-चांदी का कारोबार छोड़कर खेती को अपनाया है। ऑर्गेनिक खेती के साथ इंडियन फार्मर नाम के यूट्यूब चैनल के जरिये किसानों को आधुनिक तकनीक सिखाकर वह सालाना 25 लाख रुपये कमा रहे हैं। संतोष 12वीं ड्रॉपआउट हैं। परिवार के लिए उनका फैसला चौंकाने वाला था। लेकिन, उन्होंने समय के साथ सबको गलत साबित किया है। आइए, यहां संतोष जाधव की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

संतोष जाधव 2012 में महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले में अपने गांव माजले करवे वापस लौट आए थे। उनके परिवार का उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में सोने-चांदी का कारोबार है। इस कारोबार को छोड़कर उन्होंने गांव लौटने का फैसला किया था। परिवार के लिए उनका यह फैसला बहुत बड़ा था। यह सुपरफास्ट एक्सप्रेस छोड़कर पैसेंजर ट्रेन में लौटने जैसा था। उनके परिवार और पड़ोसियों ने उन्हें चेतावनी भी दी। लेकिन, संतोष ने खेती का रास्ता चुना।

संतोष ने 2012 से 2016 तक महाराष्ट्र में अपनी बाइक पर यात्रा की। सफल किसानों से मिले। देखा कि ज्यादातर किसान अपने पड़ोसियों की नकल कर रहे थे या पुरानी परंपराओं का पालन कर रहे थे। कारण था कि उन्हें मार्गदर्शन की कमी थी। उस समय इंटरनेट पर व्यावहारिक खेती की जानकारी लगभग न के बराबर थी। संतोष जाधव

को खेती का बचपन से शौक था। उन्होंने अपने दादा के साथ खेतों में काफी समय बिताया था। हालांकि, खेती से अलग हटकर परिवार ने उन्हें सोने के व्यवसाय में लगा लिया था। संतोष अब 11 एकड़ पैतृक भूमि पर खेती करते हैं। उन्होंने एक आधा एकड़ का पॉलीहाउस बनाया है। अपनी जमीन को रणनीतिक रूप से विभाजित किया है ताकि साल भर फसल मिलती रहे। इसमें 3 एकड़ गन्ने के लिए, 1.5 एकड़ अंगूर के निर्यात, 2 एकड़ मौसमी टमाटर, 1 एकड़ शिमला मिर्च और 1 एकड़ खीरे के लिए समर्पित है। 3 से 4 एकड़ जमीन को खाली या रोटेशन में रखा जाता है। संतोष जाधव ने अपने बचपन के दोस्त आकाश जाधव के साथ मिलकर 2018 में इंडियन फार्मर नाम का यूट्यूब चैनल लॉन्च किया।

प्रमुख अंतरराष्ट्रीय नेताओं से मिलीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, निवेश व सहयोग पर जोर

नई दिल्ली , एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जर्मनी के म्यूनिख में कई प्रमुख अंतरराष्ट्रीय नेताओं से मुलाकात की। इनमें यूरोपीय केंद्रीय बैंक की अध्यक्ष क्रिस्टीन लैगार्ड से भेंट कर पिछले माह अंतिम रूप दिए गए भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने समझौते को ऐतिहासिक कदम बताया। सीतारमण ने कहा, इस समझौते के तहत 2025-26 और 2026-27 के केंद्रीय बजट प्रावधानों के अनुसार यूरोपीय संघ के बैंक भारत में चार वर्षों में 15 शाखाएं खोल सकेंगे। उन्होंने व्यापार को आसान बनाने में यूरोपीय केंद्रीय बैंक की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताया। वित्त मंत्री ने लिक्विडिटी एंड सस्टेनेबिलिटी फैसिलिटी की प्रमुख वेरा सोंगवे से भी मुलाकात की। बातचीत में बदलते वैश्विक माहौल के बीच उभरती अर्थव्यवस्थाओं की वित्तीय चुनौतियों और पूंजी बाजार की स्थिति पर चर्चा हुई। सीतारमण ने लिकटेंस्टाइन की प्रधानमंत्री ब्रिगिट हास से भी मुलाकात की। इस दौरान भारत में विनिर्माण, पर्यावरण अनुकूल तकनीक, कृषि उपकरण और जलवायु परिवर्तन से जुड़े क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने पर सहमति बनी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपनी यात्रा के दौरान प्रमुख अंतरराष्ट्रीय नेताओं से राष्ट्रीय निवेश और अवसंरचना कोष व अंतरराष्ट्रीय

वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण के माध्यम से निवेश के अवसरों की जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने जर्मनी के उप-चांसलर और वित्त मंत्री लार्स क्लिंगबेल से मुलाकात में रक्षा, व्यापार और तकनीक में बढ़ते सहयोग पर चर्चा हुई। सीतारमण ने भारत की डिजिटल भुगतान प्रणाली की सफलता का जिक्र करते हुए अनुभव साझा करने की इच्छा जताई। और बेहतर होंगे भारत-जर्मनी के संबंधः म्यूनिख सम्मेलन के दूसरे दिन विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जर्मनी की सीडीयू, सीएसयू संसदीय समूह के नेता जेन्स श्पान से भी भेंट की और भारत-जर्मनी संबंधों को गहरा करने में उनके समर्थन की सराहना की।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)